kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❒ वर्ष-14 ❒ अंक-320 ❒ बुधवार, 24 दिसम्बर 2025 ❒ नगर संस्करण ❒ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❒ मूल्य- ₹ 3.00 ❒ पृष्ठ-12

आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण और संचालन संबंधी तैयारी सुरक्षित और पर्याप्त खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं से अलग नहीं हैं और यह देश के विकसित भारत 2047 और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से जुड़ी हुई हैं।

एयर मार्शल दीक्षित

जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला हैः राष्ट्रपति मुर्मू 11

सीएम धामी ने ताड़ीखेत में बहुद्देशीय शिविर में सुनीं जनता की समस्याएं 12

बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या पर भारत में उबाल

दिल्ली-कोलकाता में उग्र प्रदर्शन, पुलिस से झड़प, हाई कमीशन के बाहर बढ़ाई गई सुरक्षा

उपजा क्रोध

- ❒ दिल्ली में हाई कमीशन के पास हालात सबसे तनावपूर्ण
- ❒ कोलकाता में लाठीचार्ज, कई हिरासत में
- ❒ बांग्लादेश में भी विरोध, डर का माहौल

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की हत्या को लेकर भारत में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। मंगलवार को दिल्ली से लेकर कोलकाता तक विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और अन्य हिंदू संगठनों ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए। कई स्थानों पर हालात तनावपूर्ण हो गए और पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। स्थिति को देखते हुए दोनों महानगरों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

प्रदर्शनकारियों का गुस्सा बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में हुई उस घटना को लेकर है, जिसमें 25 वर्षीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की मौत हो गई थी। इस घटना से जुड़े वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद देशभर में आक्रोश फैल गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है और वहां की सरकार उन्हें सुरक्षा देने में विफल रही है। दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर स्थिति सबसे ज्यादा संवेदनशील रही। सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी हाथों में भगवा झंडे और बैनर लेकर हाई कमीशन की ओर बढ़ने लगे। पुलिस ने पहले से ही पूरे इलाके को हाई सिक्योरिटी जोन घोषित कर रखा था और तीन स्तर के बैरिकेड लगाए गए थे।

जब प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की तो पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हुई। हालात को काबू में रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात किए गए। कुछ स्थानों पर सरकारी बसों को भी अवरोधक के रूप में खड़ा किया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हाई कमीशन से लगभग 800 मीटर पहले ही रोक दिया। ● शेष पेज 11 पर

कोलकाता में भी बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमीशन की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने बेकरबागान इलाके में रोक दिया। यह मार्च 'हिंदू हुंकार पदयात्रा' के नाम से आयोजित किया गया था। जब प्रदर्शनकारी बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने लगे तो पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस ने कम से कम 12 लोगों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के मुताबिक स्थिति को बाद में नियंत्रण में कर लिया गया और राजनयिक परिसर की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाया कि पुलिस हिंदू संगठनों के खिलाफ सख्ती दिखा रही है, जबकि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर नरमी बरती जा रही है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर ● शेष पेज 11 पर

कोहरे और कड़ाके की ठंड से बेहाल उत्तर प्रदेश

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- ❒ प्रदेश में लगातार बढ़ रही ठंड और गलन से आमजन परेशान
- ❒ सुबह और शाम बाहरी गतिविधियां मुश्किल, स्कूल और कार्य प्रभावित
- ❒ दृश्यता शून्य के करीब, सड़क और रेल यातायात प्रभावित
- ❒ मौसम विभाग ने कोहरे और शीत दिवस की चेतावनी जारी की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ती ठंड और घने कोहरे ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। पछुआ हवाओं के असर से गलन बढ़ने के कारण लोग सुबह और शाम घरों से बाहर निकलने में भी कठिनाई महसूस कर रहे हैं। मौसम विभाग ने तराई के 18 जिलों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही 20 जिलों में शीत दिवस की चेतावनी दी गई है। मंगलवार को प्रदेश के कई हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ी और घने कोहरे के कारण यातायात प्रभावित रहा। तराई के ज्यादातर इलाकों में दोपहर तक धूप नहीं निकली। अमेठी और फरुखाबाद में दृश्यता 20 मीटर, बलिया और सोनभद्र में 40 मीटर और लखनऊ तथा अयोध्या में 50 मीटर तक सीमित रही। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार से प्रदेश में विक्षोभ का असर धीरे-धीरे कम होगा। पहाड़ों पर हुई बर्फबारी का असर गलन भरी पछुआ हवाओं के माध्यम से तराई क्षेत्रों में दिखाई देगा। रात के तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट के साथ ही अगले दो दिनों में कोहरे की घनता में भी कमी आएगी। दिन के तापमान में विशेष बदलाव की संभावना कम है, लेकिन सुबह और शाम की सर्दी आम जनजीवन को प्रभावित कर सकती है। घना कोहरा (ऑरेंज अलर्ट) - 18 जिलें: देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, ● शेष पेज 11 पर

संक्षेप

लोकसभा और राज्यसभा का सत्रावसान

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा का मंगलवार को सत्रावसान कर दिया। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय ने बताया कि राष्ट्रपति ने राज्यसभा के 269 वें सत्र तथा मौजूदा लोकसभा के छठे सत्र का सत्रावसान कर दिया है। दोनों सदनों की कार्यवाही 19 दिसम्बर को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसम्बर को शुरू हुआ था और इस दौरान 15 बैठकें हुई थी।

हाईकोर्ट ने कुलदीप सेंगर की सजा पर रोक लगाई

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उन्नाव रेप कांड में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने सेंगर को दी गई उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उसकी जमानत मंजूर कर दी है। कोर्ट ने आदेश में सेंगर की सजा को सस्पेंड कर दिया है और उसे 15 लाख रुपये के पर्सनल बॉन्ड और इतनी ही राशि की तीन जमानतों पर रिहा करने का निर्देश दिया है। हालांकि, कोर्ट ने यह सख्त शर्त रखी है कि सेंगर पीड़ित के 5 किलोमीटर के दायरे में नहीं जा सकेगा। सजा पर यह रोक मामले में लंबित अपील के दौरान प्रभावी रहेगी। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद सेंगर को जेल से रिहा किया जाएगा, लेकिन वह निर्धारित क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

यूएई से वांछित भगोड़े रितिक बजाज को भारत लाया गया

नयी दिल्ली। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से वांछित भगोड़े अपराधी रितिक बजाज को इंटरपोल की सहायता से वापस लेकर यहां पहुंची। सीबीआई ने आज यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस का वांछित भगोड़े अपराधी रितिक बजाज को इंटरपोल सहयोग से यूएई से भारत वापस लाया गया है। सीबीआई के अनुसार रितिक बजाज दिल्ली पुलिस को मादक पदार्थ तस्करी और आपूर्ति मामले में वांछित था। वह भारत से भाग गया था और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनबीसी) की मदद से यूएई में मिला। सीबीआई ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर भगोड़े को वापस लाने में मदद की। इससे पहले सीबीआई ने दिल्ली पुलिस के कहने पर इंटरपोल के ज़रिए बजाज के खिलाफ रेड नोटिस हासिल किया था। एजेंसी ने बजाज के यूएई आने-जाने के बारे में जानकारी लेने के लिए बैंकॉक में इंटरपोल के एनसीबी के साथ और बाद में उसे ढूंढने के लिए एनबीसी अबू धाबी के साथ समन्वय किया। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस की एक टीम भगोड़े को वापस लाने के लिए यूएई गई थी और आज उसे लेकर भारत पहुंची। सीबीआई भारत में इंटरपोल के लिए एनसीबी है। एक अधिकारी ने कहा कि हाल के सालों में इंटरपोल की ऐसी समन्वय कोशिशों से 150 से ज़्यादा वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया गया है।

आजम को छोड़ अखिलेश को सीएम बनाना ही सपा का पीडीए : पंकज

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- ❒ प्रदेश भाजपाध्यक्ष बोले सपा-कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने को लेना होगा पुर्नजन्म
- ❒ कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि, सबको साथ लेकर जीतेंगे 2027 का चुनाव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के 'पीडीए' का मतलब है, पारिवारिक दल अलायंस। इंडी गठबंधन में शामिल सपा, कांग्रेस, राजद, टीएमसी सहित सभी दल किसी एक परिवार से संचालित हैं। सपा के गठन से वर्षों पहले 1984 में भाजपा ने कल्याण सिंह को नेता विरोधी दल बनाया था। फिर वे मुख्यमंत्री भी बने। बेहद सामान्य परिवार और पिछड़े वर्ग से आने वाले नरेंद्र भाई मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री भारतीय जनता पार्टी से बने। ये बातें मंगलवार को नये प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहीं।

सपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि सपा का 'पीडीए ऐसा है कि जब भी अवसर मिला तो लगातार मुलायम सिंह यादव ही मुख्यमंत्री रहे। जब 2012 में फिर सपा को बहुमत मिला तब आजम खान के बहुत वरिष्ठ होने के बावजूद अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाया गया। चौधरी ने अखिलेश यादव के ट्वीट 05 बार का दिल्ली में और 7 बार का लखनऊ में, का उत्तर देते हुए कहा कि भाजपा में ही ऐसा संभव है कि जिसकी जहां आवश्यकता है, उसको वहां दायित्व दिया जाता है लेकिन अगर सपा या ● शेष पेज 11 पर

सर्दी के मद्देनजर नर्सरी के बच्चों की 27 तक छुट्टी, समय में बदलाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कुछ दिनों से लगातार गिरते तापमान और घने कोहरे के कहर से सर्दी का सितम जारी है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने प्री-प्राइमरी से नर्सरी तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। साथ ही कक्षा एक से कक्षा 8 तक के स्कूलों का समय बदला है।

इस संबंध में जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने मंगलवार को आदेश जारी किए जिसमें सभी विद्यालयों में प्री-प्राइमरी से नर्सरी तक की कक्षाओं के लिए 24 से 27 दिसंबर तक अवकाश रहेगा। वहीं, कक्षा 1 से कक्षा 8 तक की कक्षाओं का संचालन 24 दिसंबर से अग्रिम आदेशों तक सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। आदेश में कहा है कि बीते दिनों में तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की गई है और सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने से छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। इसी को देखते हुए यह निर्णय एहतियातन लिया गया है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि ● शेष पेज 11 पर

अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, सेवन एवं विक्रय पर लगाएं अंकुश : मुख्य सचिव

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्य सचिव एस.पी.गोयल की अध्यक्षता में नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनकॉर्ड) की राज्य स्तरीय समिति की बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी, सेवन एवं विक्रय पर अंकुश लगाने तथा नशा मुक्ति जागरूकता अभियानों को और प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई।

अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी जनपदों में प्रत्येक माह कम से कम एक बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए। जिन जनपदों में बैठकें कम हुई हैं, उन्हें इस संबंध में कड़े निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अवैध मादक पदार्थों का सेवन एवं क्रय-विक्रय करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के स्कूलों, कॉलेजों, हॉस्टलों तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के आसपास चिह्नित हॉटस्पॉट्स पर प्राथमिकता के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। जहां हॉटस्पॉट बनने की आशंका हो, वहां विशेष निगरानी रखी जाए तथा नियमित रूप से नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि कोडीन युक्त कफ सीरप की सप्लाई एवं बिक्री पर सतत निगरानी रखी जाए। फर्जी फर्मों, अवैध भंडारण या बिक्री पाए जाने पर उचित वैधानिक कार्रवाई की जाए। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक एएनटीएफ अब्दुल हमीद ने जानकारी दी कि वर्ष 2025 में अब तक एनकॉर्ड के अंतर्गत कुल 774 जिला स्तरीय गोष्ठियां आयोजित की जा चुकी हैं। उत्तर प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई में अब तक 47,253.19 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं, एएनटीएफ द्वारा 12,722.92 किलोग्राम की बरामदगी की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 143 करोड़ 91 लाख 65 हजार रुपये है। मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध साइकिल रैली, नुक्कड़ नाटक, योगा एवं स्कूली बच्चों के साथ पैदल मार्च का आयोजन किया गया। नशे के विरुद्ध पैम्फलेट एवं बैज वितरित किए गए, ई-शपथ दिलाई गई तथा लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। धर्माचार्यों के माध्यम से प्रचार-प्रसार के साथ-साथ सिनेमाघरों, ट्रैफिक कंट्रोल रूम एवं रेडियो चैनलों द्वारा ● शेष पेज 11 पर

केजीएमयू में लव जिहाद का आरोपित डॉक्टर निलंबित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ मुख्यमंत्री योगी ने की पीड़िता से बात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में लव जिहाद मामले में आरोपित जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर को आज निलंबित कर दिया गया है। इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फोन पर पीड़िता से बात कर उसे न्याय का भरोसा दिलाया।

केजीएमयू में लव जिहाद मामले में आरोपित जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर डा. रमीज उद्दीन नायक पर आरोप है कि उसने अपने विवाहित होने की बात छिपाकर एक हिंदू लड़की पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। मामले की शिकायत आने के बाद डा. रमीज उद्दीन नायक को मंगलवार को निलंबित कर दिया गया। कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद की मंजूरी से डीन एकेडमिक्स प्रो. वीरेंद्र आतम ने निलंबन की कार्रवाई की। इस संबंध में प्रो. वीरेंद्र आतम ने पत्र में लिखा है कि यौन उत्पीड़न की शिकायत का संज्ञान आंतरिक समिति ने लिया है। प्रो. आतम ने जूनियर रेजिडेंट को निर्देश दिए हैं कि निलंबन की अवधि के दौरान वह केजीएमयू मुख्यालय में उपस्थित रहेगा, लेकिन कोई भी आधिकारिक कार्य नहीं करेगा। पूर्व में लिखित अनुमति के बिना विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश नहीं करेगा। आरोपित केवल जांच कार्यवाही में ही शामिल हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि लखनऊ की किंग जार्जचिकित्सा यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में लव जिहाद का यह चर्चित ● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री योगी ने चौधरी चरण सिंह को उनकी 123वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

किसान जब ऊर्ज़ा का प्रवाह करता है तो धरती सोना उगलती है : मुख्यमंत्री

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- ❒ 'किसान सम्मान दिवस' मुख्यमंत्री योगी ने कई किसानों को सौंपी ट्रैक्टर की चाबी
- ❒ मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह सीड पार्क अटारी लखनऊ के प्लॉट आवंटन प्रक्रिया का बटन दबाकर किया शुभारंभ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान सम्मान दिवस पर किसानों का उत्साह बढ़ाते हुए उनकी मेहनत को प्रणाम किया। मुख्यमंत्री ने किसान समृद्धि योजना के तहत ट्रैक्टर पाने वाले किसानों के चेहरे की चमक का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई किसान अपनी मां तो कोई पत्नी को ट्रैक्टर में बैठाकर ले जा रहा है। यही किसान की ताकत होती है। सर्दी, गर्मी की परवाह किए बिना जब वह पसीना बहाता है और सर्दी को अपनी अस्थियों में समाहित कर ऊर्ज़ा का प्रवाह धरती मां के साथ करता है तो खेती अन्न उत्पादन के रूप में सोना उगलती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस पर विधान भवन प्रांगण स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये। मुख्यमंत्री ने 'किसान सम्मान दिवस' पर किसानों को ट्रैक्टर की चाबी दी। साथ ही किसानों, वैज्ञानिकों, एफपीओ आदि को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह सीड पार्क अटारी लखनऊ के प्लॉट आवंटन प्रक्रिया का बटन दबाकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपनी मेहनत से किसानों ने प्रगति की है। 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तब पहली बार किसान भी सरकार के एजेंडे का हिस्सा बना। धरती हमारी मां और हम सभी इसके पुत्र हैं, इसलिए पुत्र का दायित्व है कि जब मां बीमार या संकट में हो तो पुत्र उसे संकट से उबारने में योगदान देता है। पहली बार स्वायल हेल्थ कार्ड के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में धरती मां की सेहत के बारे में हर किसी को जागरूक किया। अन्नदाता किसानों को प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना से जोड़ा, फिर एक-एक करके प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से लेकर पीएम किसान सम्मान निधि, एमएसपी की गारंटी हो या बीज से लेकर बाजार तक किसानों की सुविधाओं को बढ़ाया गया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के मसीहा, पूर्व प्रधानमंत्री व यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह को 'भारत रत्न' देकर किसानों का मान बढ़ाया। लघु व सीमांत किसानों के लिए कृषि ऋण मोचन कार्यक्रम लागू किया। पहले किसान शासन की किसी भी योजना का अंग नहीं था, लेकिन आज किसान को शासन की हर योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। आज बिचौलिया किसानों की फसल का दाम नहीं तय करता। यदि किसान को बाजार में फसल का अच्छा दाम मिला तो ठीक वरना सरकार उसे खरीदेगी। यूपी के अंदर धान, गेहूं, चना, सरसो, बाजरा, मक्का आदि फसलों का उत्पादन कई गुना बढ़ा है और लागत कम हुई है। यही किसानों की समृद्धि का आधार है। योगी ने चौधरी चरण सिंह के वक्तव्य का जिक्र किया। वे हमेशा देश, गांव व किसान के हित में काम करते थे। वे कहते थे कि जब तक किसान गरीब रहेगा, भारत अमीर नहीं हो सकता। ग्रामीण भारत ही असली भारत है। भारत की समृद्धि का मार्ग देश के खेत व खलिहान से होकर गुजरता है। जागरूक जनशक्ति ही सफल लोकतंत्र का आधार है। यूपी सरकार में उन्हें जब मौका मिला तो भूमि सुधार कार्यक्रम लागू किया। जमींदारी उन्मूलन, भूमि सुधार अधिनियम के माध्यम से उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। बिचौलियों द्वारा किसानों का शोषण बंद करने के लिए मंडी अधिनियम पारित कराया। पटवारी ● शेष पेज 11 पर

सरकार ने किसानों को आत्महत्या करने पर किया मजबूर : अखिलेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा राज में किसानों की बदहाली बढ़ती जा रही है। कहने को यहां डबल इंजन की सरकार है, विकास के बड़े-बड़े दावे हैं, लेकिन हकीकत में सब हवा-हवाई नजर आता है। किसानों के नाम पर जो वादे सरकार ने किए वे कभी पूरे नहीं किए। नतीजतन उसकी दशा दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। महंगाई की मार और कर्ज के दबाव में किसान आत्महत्या करने पर मजबूर है। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर भाजपा सरकार ने यही उपहार किसानों को दिया है। अखिलेश ने मंगलवार को एक बयान में कहा है कि भाजपा सरकार ने किसानों को राहत देने के नाम पर हर हाल में परेशानी दी है।

किसानों को जब खाद, बीज चाहिए, तब भाजपा सरकार में उसका संकट भारी हुआ है। यूरिया और खाद के लिए किसान मारा-मारा फिर रहा है। उसकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। सर्दी में यूरिया के लिए घंटों लाइन में लगे किसानों को सिर्फ मायूसी हाथ लग रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से जो खबरें आ रही हैं, उससे किसानों के साथ भाजपा सरकार में हो रही घोर उपेक्षा और दुर्व्यवहार के दर्दनाक दृश्य नजर आते हैं। शिकोहाबाद में घंटों लाइन में लगे किसानों को निराश होकर लौटना पड़ा। बलरामपुर में यूरिया के लिए किसान और सचिव में मारपीट हो गई। कायमगंज में भी किसान खाद के लिए भटकते रहे। खाद को लेकर भाजपा सरकार ने कोई तैयारी नहीं की। प्रदेश में धान की खरीद भी नहीं हो रही है। किसान की फसल एमएसपी पर नहीं खरीदी जा रही है। बिचौलिए किसानों की फसल औने-पौने दाम में खरीद कर लूट रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार धान खरीद के आंकड़ों में हेराफ़ेरी कर रही है। भाजपा सरकार की नीतियों से मंहगाई बढ़ती जा रही है। किसान को अब लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है। बिजली महंगी है। कीटनाशक बीज उपलब्ध नहीं है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। अब जनता का सब्र टूटता जा रहा है। किसान 2027 के विधानसभा चुनाव का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। वह भाजपा सरकार को सत्ता से हटाकर ही मानेगा, तभी किसान और जवान खुशहाल होगा।

सपा विधायक हाथों में गन्ना ले ट्रैक्टर से पहुंचे विधानसभा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के विधायक मंगलवार को हाथों में गन्ना और चौधरी चरण सिंह की तस्वीर लेकर विधानसभा ट्रैक्टर से पहुंचे। विधायकों ने यूपी सरकार के खिलाफ हल्ला बोलते हुए कहा कि प्रदेश का किसान आज परेशान और बेहाल है। खाद, पानी और उपज का उसे उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। सरकार को सदन में किसानों के मुद्दे पर 24 घंटे चर्चा करानी चाहिए। विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले करीब साढ़े 10 बजे सपा विधायक अतुल प्रधान, मुकेश वर्मा और फहीम इरफान छोटे ट्रैक्टर पर सवार होकर विधान भवन पहुंचे। सभी विधायक चौधरी चरण सिंह जिंदाबाद, अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। विधायकों के हाथों में गन्ना और चौधरी चरण सिंह की तस्वीर थी। विधायकों ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। किसानों को खाद, पानी, बिजली और उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। भाजपा सरकार चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाने का नाटक कर रही है, जबकि चौधरी साहब किसानों के मसीहा थे। सरकार ने किसानों के साथ किया एक भी वादा पूरा नहीं किया।

अंतर्विद्यालयी खेल प्रतियोगिता का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बछरावां,रायबरेली। एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल, बछरावां में आज अंतर्विद्यालयी खेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में क्रमशः एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल लालगंज, बछरावां, महाराजगंज एवं गुरुबक्शगंज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक एवं मुख्य अतिथि अग्रज सिंह, सह-प्रबंधिका डॉ. अनुश्री सिंह तथा प्रधानाचार्या सुधा सिंह द्वारा संयुक्त रूप से प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की प्रतिमा एवं मैडम मधुलता सिंह के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात हर्ष एवं उल्लास के प्रतीक गुब्बारों को आकाश में उड़ाकर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर वॉलीबॉल, खो-खो, कबड्डी एवं क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सह-प्रबंधिका डॉ. अनुश्री सिंह ने उपस्थित अतिथियों एवं एस.जे.एस की विभिन्न यूनिट से आई टीमों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय में खेलकूद का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। खेलों के माध्यम से छात्रों का शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास होता है, अतः खेलकूद को शिक्षा का एक अनिवार्य एवं अभिन्न अंग माना जाना चाहिए।

प्रतियोगिताओं के सफल संचालन हेतु निर्णायक मंडल में क्रिकेट में मिलन भट्टाचार्य,खो-खो में अनमोल पटेल,कबड्डी में हिमांशु तिवारी तथा वॉलीबॉल में शिवम यादव द्वारा निष्पक्ष निर्णय दिए गए। प्रतियोगिता में एस.जे.एस. बछरावां का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में बछरावां की टीम ने एस.जे.एस. महाराजगंज को पराजित किया, जबकि खो-खो प्रतियोगिता में एस.जे.एस. महाराजगंज की टीम ने एस.जे.एस. गुरुबक्शगंज को मात दी। बालक वर्ग की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में एस.जे.एस. बछरावां ने एस.जे.एस. लालगंज को हराया। वहीं रोमांचक क्रिकेट मुकाबले में बछरावां की टीम ने एस.जे.एस. महाराजगंज को पराजित कर विजयी होने का गौरव प्राप्त किया।

मुख्य अतिथि अग्रज सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने संबोधन में कहा कि खेलकूद से छात्रों में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं आत्मविश्वास का विकास होता है। यह तनाव को कम करता है तथा विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाता है।

अटल जी की जन्मशताब्दी के अंतर्गत अभिलेख प्रदर्शनी एवं परिचर्चा का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी वाजपेई की जन्मशताब्दी समारोह के अंतर्गत आज दिनांक 23 दिसम्बर 2025 को क्षेत्रीय अभिलेखागार, संस्कृति विभाग प्रयागराज द्वारा अटल जी के जीवन व कृतित्व पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि भूतपूर्व सैनिक श्री श्याम सुंदर सिंह पटेल एवं विशिष्ट अतिथि श्री लेखराज पटेल, एडिशनल चीफ काउंसिल, हाईकोर्ट इलाहाबाद द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।

प्रदर्शनी में अटल बिहारी वाजपेई से संबंधित दुर्लभ चित्रावली, कविताएं, विभिन्न समाचार पत्रों की कतरनें, परमाणु परीक्षण, संयुक्त राष्ट्र सभा में हिंदी भाषण, वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सहित अन्य प्रमुख हस्तियों के साथ उनके चित्र, प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण, पं. दीनदयाल उपाध्याय के साथ चित्र तथा आओ मन की गांठे खोलें, धरती, ऊंचाई, अटल सत्य, एक बरस बीत गया सहित उनकी चर्चित कविताओं को प्रदर्शित किया गया। परिचर्चा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्याम सुंदर सिंह पटेल ने अटल जी के संघर्षपूर्ण जीवन और उनकी कुशाग्र बुद्धि पर प्रकाश डाला। लेखराज पटेल ने संयुक्त राष्ट्र सभा में हिंदी में दिए गए ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख करते हुए भारत के गौरव को रेखांकित किया। दयानंद सिंह चौहान, पूर्व बंदोबस्त अधिकारी ने अटल जी की जीवन यात्रा से जुड़े नए प्रसंगों को साझा किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक, छात्र, साहित्यकार एवं संस्कृति विभाग के कलाकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन राकेश कुमार वर्मा ने किया। प्रभारी क्षेत्रीय अभिलेखागार एवं पांडुलिपि अधिकारी श्री गुलाम सरवर द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

जनपद स्तरीय कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में सुशासन सप्ताह के अंतर्गत ल्प्रशासन गांव की ओर'' अभियान के तहत एक दिवसीय जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस श्री आर.एस. वर्मा रहे, जिन्होंने कार्यशाला में अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। मुख्य अतिथि आर.एस. वर्मा ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर ही आमजनमानस की समस्याओं का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करना है। इसके लिए गांवों में कैंप लगाकर प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों को और व्यापक स्तर पर बढ़ाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे महिलाएं आर्थिक रूप से अधिक सशक्त होंगी।

जनप्रतिनिधियों के अनुभव का लाभ उठाएं अधिकारी : असीम अरुण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

राज्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से नियमित भेंट करने को अधिकारियों को लिखा पत्र

लखनऊ। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों का महत्वपूर्ण स्थान है, जो शासन एवं प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। उनका सहयोग एवं मार्गदर्शन शासकीय कार्यों के सुगम संपादन में सदैव ही सहायक रहा है। अधिकारी जनप्रतिनिधियों से नियमित भेंट कर उनके अनुभव और सुझावों का लाभ उठाएं। ये निर्देश समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण ने मंगलवार को पत्र लिख कर विभागीय अधिकारियों को दिया है।

राज्यमंत्री ने पत्र में कहा है कि अधिकारी कार्यभार ग्रहण करने पर जनप्रतिनिधियों से अनिवार्य रूप से भेंट करें। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाये। उन्हें यह भी बताया जाये कि उनके क्षेत्र में इन योजनाओं के संचालन में अधिकारी किस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं। अधिकारी जनप्रतिनिधियों से अपना मोबाइल नंबर साझा करें और उनका नंबर भी लें, जिससे आपसी संपर्क में सुगमता हो। पत्र में आगे उन्होंने लिखा है कि अधिकारी ऐसे मामलों को, जिनके समाधान में जनप्रतिनिधियों का सहयोग आवश्यक हो उनके संज्ञान में लाकर उनका त्वरित निराकरण कराएं। विभागीय सेवाओं को और बेहतर एवं जनोन्मुखी बनाने के लिए अधिकारी जनप्रतिनिधियों के ज्ञान, अनुभव एवं सुझावों का भरपूर लाभ उठाएं। जनप्रतिनिधियों को संदर्भित मामलों में त्वरित एवं समयबद्ध कार्यवाही कर उन्हें कृत कार्यवाही से अवगत भी कराएं। विभागीय अधिकारी मंडलों एवं जिलों में कार्यरत अधिकारियों को निर्देशित करें कि वे नियमित रूप से जनप्रतिनिधियों से मिलें, उनसे संवाद करें और विभागीय कार्यों के निष्पादन में आवश्यकतानुसार उनका सहयोग एवं मार्गदर्शन लें।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत गंगानगर जोन कमिश्नरेट प्रयागराज के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों ने मंगलवार को व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में महिला पुलिसकर्मियों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के बाजारों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों एवं भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। टीमों ने साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग एवं किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की स्थिति में तत्काल डायल-112 या मिशन शक्ति टीम से संपर्क करने की सलाह दी। साथ ही पुलिस आपात सेवा 112, वूमेन पावरलाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, सीएम हेल्पलाइन 1076 और साइबर हेल्पलाइन 1930 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर पम्पलेट वितरित किए गए।

एसओजी व थाना कोरांव की संयुक्त कार्रवाई, तीन गो-तस्कर गिरफ्तार

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। एसओजी यमुनानगर एवं थाना कोरांव की संयुक्त पुलिस टीम ने गो-तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बड़ोखरा नहर पुलिया के पास से एक सफ़ेद रंग की चार पहिया वाहन (किया केरेन्स) के साथ जोखन सिंह, राजकुमार सिंह और गुलाम हुसैन को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई थाना कोरांव में पंजीकृत मुकदमा संख्या 357/25, धारा 3/5क/8 गोवध अधिनियम, 11घ पशु क्रूरता अधिनियम एवं 4/25 आर्म्स एक्ट से संबंधित है। पूछताछ में अभियुक्तों ने गोवंश की तस्करी में संलिप्तता स्वीकार की। बरामद वाहन को कब्जे में लेकर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

माघ मेला में सुगम परिवहन के लिए रैपीडो बाइक रजिस्ट्रेशन कैंप का आयोजन

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। माघ मेला के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम एवं अनुशासित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग के तत्वावधान में डीटीआई प्रांगण, नैनी में रैपीडो बाइक के प्रथम रजिस्ट्रेशन कैंप का उद्घाटन मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल द्वारा किया गया। इस कैंप का उद्देश्य मेला अवधि में रैपीडो प्लेटफॉर्म से जुड़कर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना तथा श्रद्धालुओं को निर्धारित दरों पर तेज और सुरक्षित बाइक सेवा प्रदान करना है। उद्घाटन अवसर पर मंडलायुक्त ने उपस्थित प्रतिभागियों एवं अतिथियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान इस प्रकार की नवाचारी पहल यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाती है और युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता का माध्यम भी बनती है। पहले दिन नैनी स्थित कैंप में लगभग 125 युवाओं का पंजीकरण किया गया। इसके साथ ही इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दूसरे कैंप में करीब 75 रजिस्ट्रेशन हुए।

निर्वाचक नामावली के आलेख्य के प्रकाशन की सूचना

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद प्रयागराज के समस्त विकास खण्डों की ग्राम पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली उत्तर प्रदेश पंचायत राज (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण) नियमावली, 1994 के अंतर्गत तैयार कर ली गई है। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत) पूजा मिश्रा ने बताया कि निर्वाचक नामावली की एक-एक प्रति उनके कार्यालय, संबंधित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत) कार्यालय, संबंधित खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय तथा मतदान केन्द्रों पर बीएलओ के पास निरीक्षण हेतु उपलब्ध है।

भीड़ प्रबंधन पर आधारित राज्यस्तरीय सिम्पोजियम एवं टेबलटॉप एक्सरसाइज सम्पन्न

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा कोबरा ऑडिटोरियम, न्यू कैंट में आयोजित भीड़ प्रबंधन तथा डूबना, शीतलहर एवं अग्नि दुर्घटना जैसी संवेदनशील आपदाओं पर आधारित दो दिवसीय राज्यस्तरीय सिम्पोजियम एवं टेबलटॉप एक्सरसाइज का मंगलवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में 200 से अधिक राज्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

सर्राफा व्यापारी लूटकांड पर डीसीपी यमुनानगर का बयान

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शहर में सर्राफा व्यापारी को गोली मारकर की गई लूट की घटना को लेकर डीसीपी यमुनानगर विवेक यादव ने बयान जारी किया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल व्यापारी को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। मामले में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं तथा आसपास के इलाकों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। डीसीपी ने कहा कि घटना में शामिल अपराधियों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है।

सरकारी तालाब से पानी निकाले जाने पर ग्राम प्रधान ने की कार्रवाई की मांग

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बारा तहसील के ग्राम सभा पहाड़ी कला में सरकारी तालाब से अवैध रूप से पानी निकाले जाने का मामला सामने आया है। ग्राम प्रधान जीत लक्ष्मी ने शंकरगढ़ थाना प्रभारी को पत्र लिखकर तालाब से पानी निकालने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि बीते कई दिनों से सरकारी तालाब का पानी लगातार निकाला जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान ने इसे नियमों का उल्लंघन बताते हुए तत्काल जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब गांव की सार्वजनिक संपत्ति है और इसका संरक्षण किया जाना आवश्यक है।

अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई, बदमाश जितेन्द्र जिला बदर

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद में अपराध नियंत्रण के तहत पुलिस प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। कुख्यात बदमाश जितेन्द्र को छह माह के लिए जिला बदर कर दिया गया है। यह आदेश एडिशनल पुलिस कमिश्नर की अदालत द्वारा जारी किया गया। पुलिस के अनुसार जितेन्द्र के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज थे और उसकी गतिविधियों से क्षेत्र में कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। जिला बदर की कार्रवाई के तहत उसे प्रयागराज की सीमा से बाहर रहने का निर्देश दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि अपराधियों में भय बना रहे और आम जनता को सुरक्षित माहौल मिल सके।

माघ मेला प्राधिकरण में जनसुनवाई, एक दिन में 500 से अधिक प्रकरणों का निस्तारण

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मेला प्राधिकरण कार्यालय में भूमि आवंटन एवं सुविधाओं से जुड़े प्रकरणों के निस्तारण हेतु आज सभी अधिकारियों द्वारा क्रमबद्ध तरीके से जनसुनवाई की गई। मेलाधिकारी माघ मेला ऋषिराज ने मेला पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय के साथ बैठकर स्वयं लगभग 400 प्रकरणों का निस्तारण किया, जबकि पूरे दिन में 500 से अधिक मामलों का समाधान किया गया।

उप जिलाधिकारी विवेक शुक्ला एवं अभिनव पाठक द्वारा भी अलग-अलग जनसुनवाई कर आवेदनों पर निर्णय लिया गया। अधिकांश प्रकरण नई संस्थाओं से संबंधित थे, जिन पर निर्णय 26 दिसंबर से किए जाएंगे।

विस्थापन एवं पुरानी संस्थाओं के मामलों में आवश्यक निर्देश दिए गए। जलमग्नता के कारण स्थानांतरित की गई भूमि को लेकर आवेदकों को समझाया गया। बसावट प्रारंभ करने वाली संस्थाओं को सेक्टर प्रभारियों के नंबर उपलब्ध कराए गए। साथ ही चेतावनी दी गई कि आवंटन के बाद भी बसावट न करने पर 3 तारीख के स्नान के बाद कार्रवाई होगी।

प्रदेश के 28 जनपदों में सक्रिय है सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'सड़क सुरक्षा मित्र' कार्यक्रम और 'राहवीर' योजना को बढ़ावा दिया जा रहा है। सीएम के निर्देश के बाद इन दोनों योजनाओं के तहत प्रदेश के सभी जनपदों में सक्रियता बढ़ाई गई है। इन योजनाओं का उद्देश्य युवाओं में सड़क सुरक्षा जागरूकता फैलाना और दुर्घटना पीड़ितों की त्वरित सहायता और चिकित्सकीय सुविधा सुनिश्चित कराना है। जिससे एक ओर तो रोड एक्सीडेंट के मामलों में प्रभावी कमी लाई जा सके, दूसरी ओर दुर्घटना की स्थिति में मौत की संख्या को कम कियाजा सके। राज्य सरकार ने इनकी निगरानी के लिए जिला सड़क सुरक्षा समितियों को जिम्मेदारी सौंपी है, जिसके माध्यम से सड़क सुरक्षा को जन-आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि केंद्र सरकार का 'सड़क सुरक्षा मित्र' कार्यक्रम वर्तमान में प्रदेश के 28 जनपदों में सक्रिय है, यह योजना युवाओं को सड़क सुरक्षा अभियानों में सक्रिय भागीदार बनाने पर केंद्रित है। कार्यक्रम के तहत यूपी में अब तक 423 युवा स्वयंसेवकों ने 'माय भारत' पोर्टल पर पंजीकरण कराया है और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसके तहत राज्य लोक सेवा फाउंडेशन ने गौतम बुद्ध नगर, नोएडा में पहला प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया था, जिसमें स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा नियमों, दुर्घटना प्रबंधन और जागरूकता अभियानों की ट्रेनिंग दी गई। इस कार्यक्रम के लिए 14 लाख रुपये का बजट अनुमोदित किया गया है, जिसमें सभी 28 जनपदों के लिए 50,000 रुपये का प्रावधान है। यह धनराशि सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण, जागरूकता और क्षेत्रीय गतिविधियों के लिए उपयोग की जाएगी। सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम के सफल संचालन से प्रदेश में न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि युवाओं में जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का भी विकास होगा। 'राहवीर' योजना सड़क दुर्घटनाओं के गोल्डन आवर, दुर्घटना के पहले एक घंटे में त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर फोकस करती है। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई यह योजना आम नागरिकों को प्रेरित करती है कि वे दुर्घटना पीड़ितों की तत्काल सहायता प्रदान करें। योजना के तहत, जो राहवीर पीड़ित को गोल्डन आवर में अस्पताल पहुंचाता है, उसे 25,000 रुपये का पुरस्कार दिया जाता है। इसका उद्देश्य रोड एक्सीडेंट के मामलों में मौत की संख्या में कमी लाना है। प्रत्येक जनपद में सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को इस योजना का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

ग्रामीण पेयजल योजनाओं की समीक्षा, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में ग्राउंडवाटर एवं सरफ़ेस वाटर योजनाओं के अंतर्गत कार्यरत कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राउंडवाटर योजना में कार्यरत संस्था मै0 एल0एण्ड0टी0 प्रा0लि0, चेन्नई को निर्देश दिए कि जिन 42 योजनाओं की प्रगति 90 प्रतिशत से अधिक है, उन्हें जनवरी 2026 तक शत-प्रतिशत पूर्ण कराया जाए। साथ ही 113 योजनाएं जिनकी प्रगति 80 प्रतिशत से ऊपर है, उन्हें मार्च 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सरफ़ेस वाटर योजना में कार्यरत फर्म मै0 विष्णु प्रकाश आर0 पोन्गलिया, जोधपुर (राजस्थान) एवं मै0 गजा-जी0ए0आई0पी0एल0 (जेवी), हैदराबाद को डब्लूटीपी एवं इंटेक वेल के कार्यों में तेजी लाने तथा प्रगति 80 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के निर्देश दिए गए। जिन ओएचटी की प्रगति 75 प्रतिशत से अधिक है, उन्हें जनवरी 2026 तक पूर्ण कराने को कहा गया।

किसान सम्मान दिवस का आयोजन, 26 प्रगतिशील कृषक सम्मानित

प्रयागराज। स्व0 चौधरी चरण सिंह, भूतपूर्व प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर जिला पंचायत सभागार, प्रयागराज में जिलाधिकारी प्रयागराज की अध्यक्षता में किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिलाधिकारी प्रयागराज रहीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी की जिलाध्यक्ष गंगापार श्रीमती निर्मला पासवान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर जनपद प्रयागराज के कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं उद्यान विभाग के अंतर्गत अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने वाले कुल 26 प्रगतिशील महिला एवं पुरुष कृषकों को विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार पाने वाले कृषकों को ?7000 एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वालों को 5000 की धनराशि प्रदान की गई। साथ ही कृषि विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को अंगवस्त्रम एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी प्रयागराज ने अपने संबोधन में कहा कि स्व0 चौधरी चरण सिंह किसानों के सच्चे मसीहा थे। भूमि सुधार, जमींदारी उन्मूलन एवं कृषकों को भूमि का अधिकार दिलाने में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा है। उन्होंने किसानों से सरकार की योजनाओं का लाभ लेने, जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने तथा अनिवार्य रूप से फार्मर रजिस्ट्री कराने की अपील की।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

निविदा सं. 56256233 जो कि एकल स्वामित्व वस्तु प्रमाणपत्र (PAC) पर आधारित निविदा है जिसे दिनांक 10.01.2026 को खुलने की तिथि के साथ दिनांक 20.12.2025 के दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित किया जा चुका है।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण:
56256233	1. यह एक एकल स्वामित्व वस्तु प्रमाणपत्र निविदा है। 2. निविदा खुलने की तिथि दिनांक 10.01.2026 से 26.12.2025 कर दी गई है।

पत्र सं.: स्था०क्रय/एन०एस०/चारबाग/56256233 दिनांक 22.12.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3960/2025

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई- निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम	कन्वर्शन ऑफ हाइब्रिड कोचेस इनटू ऑटोमोबाइल करिएर कम ब्रेक वैन एस०एन०एम०जी०एच०एस०आर०।
2	कार्यस्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ
3	अनुमानित लागत	रु० 4,82,14,672.50 मात्र।
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य।
5	बिड सिक्युरिटी	रु० 3,91,100/- मात्र।
6	कार्य पूर्ण करने की अवधि	01 वर्ष।
7	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनाँक- 12.01.2026 समय 15:00 बजे तक।
8	प्रमाणपत्र	फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/ Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure-A(a) (यदि Partnership/ HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।
9	खुलने का समय	निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा । निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है ।
10	कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है।	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट- www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
11	वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है।	

सं. 2025-ए.एम.वी.-सी एंड डब्लू ईनिविदा-71 दिनांक: 20.12.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3963/25

बिजली बिल राहत योजना में 16 लाख से अधिक पंजीकरण

1323 करोड़ का राजस्व मिला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बिजली बिल राहत योजना को लेकर उत्तर प्रदेश में बड़ा असर देखने को मिला है। अब तक 16 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लेने के लिए पंजीकरण कराया है, जिससे 1323 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

मंगलवार को योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने अधिकारियों को योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कड़े निर्देश दिए। डॉ. आशीष गोयल ने स्पष्ट किया कि जिन क्षेत्रों में योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही पाई जाएगी, वहां संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि योजना का प्रथम चरण 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है और इस चरण में उपभोक्ताओं को सर्वाधिक छूट मिल रही है, इसलिए बकायेदारों से सीधे संपर्क कर उन्हें शीघ्र पंजीकरण और भुगतान के लिए प्रेरित किया जाए। अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि जिला प्रशासन के सहयोग से प्रत्येक पात्र उपभोक्ता तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाए। मीटर रीडर, फीडर मैनेजर, पंपलेट, समाचार पत्र, व्हाट्सएप संदेश, कॉलर ट्यून, सोशल मीडिया और प्रिंट मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि हर उपभोक्ता को फोन कॉल और व्यक्तिगत संपर्क के जरिए योजना का लाभ समझाया जाए। इस योजना में पहली बार 100 प्रतिशत ब्याज माफी के साथ-साथ मूलधन में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। इसके अलावा, बिजली चोरी के मामलों में भी राहत देते हुए मुकदमों और एफआईआर से छुटकारे का प्रावधान किया गया है। अब तक हुए कुल पंजीकरण में सबसे अधिक पूर्वांचल डिस्कॉम में 6 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लेने के लिए पंजीकरण कराया है। बिजली चोरी के प्रकरणों के पंजीकरण में खराब प्रदर्शन पर उन्होंने ई.डी.डी.-2 मिर्ज़ापुर और ई.डी.डी.-1 प्रयागराज के अधिशासी अभियंताओं को निलंबित करने के निर्देश दिए गए। वहीं, जिन क्षेत्रों में चोरी के मामले 3 प्रतिशत से कम दर्ज हुए हैं, वहां के कई अधिशासी अभियंताओं को एडवर्स एंट्री देने का निर्णय लिया गया है। औसत से कम पंजीकरण वाले अधिकारियों को चेतावनी जारी करने के निर्देश भी दिए गए। अध्यक्ष ने सभी मुख्य अभियंताओं को निर्देश दिए कि अगले एक महीने में सभी ट्रांसफार्मरों की जांच कर अच्छी गुणवत्ता के फ्यूज सेट लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि मेंटेनेंस और बिजनेस प्लान के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है, फिर भी ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होना लापरवाही को दर्शाता है। जहां भी ट्रांसफार्मर डैमेज की घटनाएं अधिक हैं, वहां जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाए। योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए कार्मिकों के लिए प्रोत्साहन योजना भी लागू की गई है। योजना समाप्ति के बाद प्रगति के आधार पर डिस्कॉम की समीक्षा होगी और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 अधिशासी अभियंताओं, 20 उपखंड अधिकारियों और 30 अवर अभियंताओं को प्रशस्ति पत्र और प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

समरसता भोज में अधिवक्ता हितों का रोडमैप तैयार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य पद के प्रत्याशी अभिषेक कुमार सिंह द्वारा अधिवक्ता सम्मान समारोह एवं समरसता भोज का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंगलवार को मोहनलालगंज स्थित कोहिनूर लॉन में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

समारोह को संबोधित करते हुए अभिषेक कुमार सिंह ने कहा कि वे सदैव अधिवक्ताओं के हित में कार्य करते आए हैं और आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ यह कार्य जारी रहेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि बार काउंसिल में पहुंचने के बाद वरिष्ठ अधिवक्ताओं के लिए पेंशन व्यवस्था, नवागत अधिवक्ताओं के लिए प्रतिमाह 5000 की आर्थिक सहायता, टोल टैक्स में छूट सहित अनेक अधिवक्ता हितैषी योजनाओं को लागू कराने के लिए संघर्ष करेंगे। उन्होंने कहा कि ये सभी बिंदु उनके चुनाव मैनुअल और डायरी में स्पष्ट रूप से दर्ज हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता श्री सुघर पाल सिंह ने उपस्थित अधिवक्ताओं से अभिषेक कुमार सिंह को प्रथम वरीयता (1) वोट देने की अपील करते हुए कहा कि अभिषेक सिंह दिन-रात, स्थान की परवाह किए बिना, अधिवक्ताओं के हित में सदैव स्तंभ की तरह खड़े रहते हैं। लखनऊ, मोहनलालगंज ही नहीं बल्कि अन्य जनपदों में भी उनकी सक्रिय भूमिका अधिवक्ता समाज भली-भांति जानता है।

कार्यक्रम में बार एसोसिएशन मोहनलालगंज के अध्यक्ष कौशलेंद्र शुक्ला, महामंत्री राम लखन यादव सहित मोहनलालगंज बार, लखनऊ जिला एवं सत्र न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के अनेक वरिष्ठ और कनिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे।

ब्लू हैवन स्कूल का वार्षिकोत्सव संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ।गोसाईगंज क्षेत्र के गांव मलौली में स्थित स्कूल ब्लू हेवन का 10 वां वार्षिकोत्सव मंगलवार को संपन्न हुआ।

आयोजन में छात्र छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमो ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद ब्लाक प्रमुख विनय कुमार वर्मा डिम्पल ने विद्यालय के प्रबंधक व अध्यापकों की सराहना करते हुए छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।वहीं मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक अमरेश कुमार ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी छात्र छात्राओं से मन लगाकर पढ़ाई करने की बात कही। इस अवसर पर छात्र छात्राओं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए जिन्होंने दर्शकों का मन मोह लिया। आयोजन में भारतीय जनता पार्टी के मोहनलालगंज विधानसभा प्रभारी शम्भू नाथ पाण्डेय गुड्डू ,अर्जुनगंज मण्डल प्रभारी शिव कुमार रावत,विद्यालय के प्रबंधक गौरव श्रीवास्तव ,प्रधानाचार्य रिग्जन संडोल श्रीवास्तव ,प्रशासक दिनेश यादव सहित अन्य गणमान्य व अभिभावक मौजूद रहे।

यूपी विधानसभा में बेसिक शिक्षा विभाग का उठा मुद्दा

यूपी में एक भी विद्यालय बंद नहीं किया गया : संदीप सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई। प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने बेसिक शिक्षा से जुड़े सवाल किए। विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि सरकार के द्वारा किसी भी बेसिक विद्यालय को बंद नहीं किया गया।

संदीप सिंह ने सदन को अवगत कराया कि जिन स्कूलों में 50 से कम बच्चे थे, वहां के बच्चों को एक किलोमीटर के भीतर के स्कूलों में मर्ज किया गया है। इसलिए कोई भी सदस्य सदन को विद्यालय बन्द होने की गलत जानकारी कृपया नहीं दें। रही बात शिक्षकों के स्थानांतरण की तो उसके

लिए पारदर्शी व्यवस्था बनाई गई है। 2017 के पहले इसी प्रदेश में शिक्षकों के स्थानांतरण में धन उगाही की जाती थी। उसके बावजूद शिक्षकों को मनमाफिक जगह स्थानांतरण नहीं हो पाता था। बेसिक शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों के स्वास्थ्य की चर्चा भी की। मंत्री संदीप सिंह ने एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए बताया कि बेसिक में शिक्षकों का एक भी स्वीकृत पद समाप्त नहीं किया गया है। छात्र और शिक्षक के अनुपात को बनाये रखने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। सदस्य ने शिक्षकों की भर्ती नहीं होने का सवाल उठाया है। सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि हमारी सरकार 2018 से 2023 तक 1 लाख 26 हजार 371 शिक्षकों की भर्ती की गयी है। समाजवादी पार्टी के ब्रजेश कठेरिया और डॉ रागिनी ने सवाल किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की अलग-अलग ड्यूटी लगा दी जाती है। उन्हें पढ़ाने का समय नहीं मिल पाता। शिक्षकों की शिक्षणेत्तर कार्यों में ड्यूटी लगा दी जाती है। उन्होंने कहा कि यह सरकार गरीब विरोधी है। प्राइमरी स्कूलों में गरीब बच्चे पढ़ते हैं, इसलिए स्कूल बंद कर रही है। सपा के इंजीनियर सचिन यादव ने बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाये कि शिक्षकों की भर्ती नहीं की जा रही है। पिछले छह साल में बेसिक स्कूलों में एक भी भर्ती नहीं की गयी।

व्यापक कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आईसीएआर एनबीएफजीआर लखनऊ द्वारा किसान दिवस के अवसर पर विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन(ग्रामीण) (विकसित भारतऽ जी राम जी) विषय पर निदेशक डॉ. काजल चक्रबर्ती के मार्गदर्शन में एक व्यापक कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों को विकसित भारत जी राम जी पहल के उद्देश्यों, कार्यक्षेत्र एवं लाभों से अवगत कराना था, विशेष रूप से रोजगार सुनिश्चित करने, आजीविका संवर्धन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में समावेशी एवं सतत ग्रामीण विकास की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में कुल 584 प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जिनमें 115 महिला कृषक एवं 433 पुरुष कृषक शामिल थे। सभी ने आईसीएआर द्वारा आयोजित लाइव कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के संदेश को सुना।

आपदा प्रबंधन को सशक्त बनाते सिविल डिफेंस स्वयंसेवक तृतीय प्रशिक्षण बैच पूरा

आईपीएस विश्वजीत श्रीवास्तव की उपस्थिति में सिविल डिफेंस प्रशिक्षण का तृतीय बैच संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सिविल डिफेंस कोर लखनऊ द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का तृतीय बैच सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। इस अवसर पर विश्वजीत श्रीवास्तव (आईपीएस), पुलिस उपायुक्त, पश्चिमी जोन, लखनऊ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।प्रशिक्षण के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वजीत श्रीवास्तव (आईपीएस) ने अपने संबोधन में कहा कि सिविल डिफेंस स्वयंसेवक आपदा प्रबंधन, आपातकालीन परिस्थितियों तथा त्योहारों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन को महत्वपूर्ण सहयोग देते हैं। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त स्वयंसेवकों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे अर्जित ज्ञान एवं कौशल का उपयोग समाज एवं राष्ट्रहित में करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्परता एवं अनुशासन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि आजकल

साइबर क्राइम बहुत तेजी से बढ़ रहा है, जिससे बचने के लिए भी आप सबको प्रशिक्षण की आवश्यकता है। आजकल सामान्य मौत की अपेक्षा एक्सीडेंड से मौत अधिक हो रही है, इसके लिए भी लोगों को आपके माध्यम से जागरूक करने की आवश्यकता है।मुख्य अतिथि के स्वागत के उपरांत चीफ वार्डे न अमरनाथ मिश्र ने कहा कि नागरिक सुरक्षा कोर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को आपदा एवं आपात स्थितियों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी प्रशिक्षकों, अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया।उपनियंत्रक रविन्द्र कुमार ने ट्रेनीज का आह्वाहन करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण को अपने तक सीमित नहीं रखना है बल्कि अपने घर से शुरू होकर आसपास के नागरिकों तक जानकारी साझा करनी है, यदि संभव हो तो क्षेत्रीय स्कूल में संपर्क करके नागरिक सुरक्षा के प्रशिक्षण आयोजित करवाएं, जिससे पूरा समाज लाभान्वित हो।अपर जिलाधिकारी पूर्वी महेंद्र पाल सिंह के दिशा निर्देशन में प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर मनोज वर्मा, ऋषि कुमार, ममता रानी, रेखा पांडेय, मुकेश कुमार, मनोज कुमार वर्मा, कमलेश शुक्ला, पंकज पंत, अम्बेश दुबे, अजय गुप्ता, फैसल, फरीद, समीक्षा का विशेष सहयोग रहा।

सिविल डिफेंस के जांबाज स्वयंसेवक सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। वर्ष 2025 में मानवता और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश करने वाले सिविल डिफेंस प्रखंड लोहिया नगर के जांबाज स्वयंसेवकों को उनके साहसिक कार्यों के लिए डिवीजनल वार्डन सुनील तिवारी द्वारा सम्मानित किया गया। दिनांक 8 जनवरी 2025 को सुबह दिल्ली से लखनऊ आते समय सिविल डिफेंस लोहिया नगर के डिप्टी डिवीजनल वार्डन डॉ. पंकज कुमार की गाड़ी के आगे चल रही वाहन संख्या एच आर 47 एफ 4599 अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। वाहन में चार महिलाएं एवं एक चालक सवार थे। दुर्घटना के कारण वाहन के दरवाजे लॉक हो गए।स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए डॉ. पंकज कुमार ने अपने दो साथियों के साथ तत्काल गाड़ी रोककर लॉक शीशे तोड़े और सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। इनमें से एक महिला की सांसें रुक चुकी थीं तथा सिर में गंभीर चोट थी। डॉ. पंकज कुमार ने मौके पर ही महिला को सीपीआर देकर उसकी जान बचाई। अत्यधिक रक्तस्राव को रोकने के लिए महिला के स्टॉल से सिर को कसकर बांधा गया तथा तत्पश्चात एंबुलेंस के माध्यम से निकटवर्ती अस्पताल भिजवाया गया, जिससे पीड़िता की जान बच सकी।दूसरी घटना दिनांक 6 दिसंबर 2025 को सिविल डिफेंस प्रखंड लोहिया नगर के जांबाज स्वयंसेवक विनय कुमार मौर्य ने त्वरित सूझबूझ दिखाते हुए एक अजनबी व्यक्ति की जान बचाई। ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र स्थित आशियाना के श्रेया आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सालय में दवा लेने आए राजेंद्र मणि त्रिपाठी का अचानक रक्तचाप अत्यधिक कम हो गया जिससे वे गिर पड़े और उनकी सांसें थम गईं।मौके पर मौजूद सेक्टर वार्डन विनय कुमार मौर्य ने बिना विलंब सीपीआर देना प्रारंभ किया। लगभग 5-7 मिनट के प्रयास के बाद पीड़ित की सांसें पुनः चलने लगीं। रक्तचाप 80/50 पाया गया।

इसके बाद उन्हें उनके पुत्र के साथ अंजता अस्पताल भेजा गया। उपस्थित लोगों ने विनय कुमार की तत्परता और साहस की भूरि-भूरि प्रशंसा की। विनय कुमार ने बताया कि सिविल डिफेंस प्रशिक्षण के दौरान सीपीआर का जो अभ्यास कराया गया था वही आज समय पर काम आया और एक बड़ी अनहोनी टल गई।इन दोनों साहसिक एवं प्रशंसनीय कार्यों के लिए प्रखंड लोहिया नगर के डिवीजनल वार्डन श्री सुनील कुमार तिवारी द्वारा डॉ. पंकज कुमार एवं विनय कुमार मौर्य को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

दिल्ली पब्लिक स्कूल एल्डिको ने मनाया क्रिसमस असेंबली उत्सव

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। दिल्ली पब्लिक स्कूल एल्डिको में क्रिसमस असेंबली उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रभु यीशु मसीह के जन्म से जुड़े प्रेम, करुणा और उदारता के मूल्यों की याद दिलाना, साथ ही स्कूल समुदाय में एकजुटता की भावना को बढ़ावा देना था। स्कूल गायन मंडली ने एक मधुर कैरोल मेडले प्रस्तुत किया, जिसने हॉल को उत्साह से भर दिया और दर्शकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया। जन्म की कहानी पर सोच-समझकर बनाई गई एक नाटिका ने छात्रों को शांति, विनम्रता और आशा के मूल्यों को समझने में मदद की। इसके बाद छात्रों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और समन्वय को प्रदर्शित करते हुए क्रिसमस थीम वाले गीतों पर एक जीवंत नृत्य प्रदर्शन किया गया। सांता क्लॉज़ की आश्चर्यजनक प्रविष्टि ने विशेष रूप से छोटे बच्चों के लिए उत्साह और खुशी बढ़ा दी। प्रिंसिपल मनीषा अंथवाल के संदेश और क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ सभा का समापन हुआ।

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियां तेज, पूरे दुबग्गा क्षेत्र में दिखी भाजपा की भव्य सजावट

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित आगमन को लेकर उत्साह चरम पर है। 25 तारीख, दिन बृहस्पतिवार को ठाकुरगंज थाना क्षेत्र स्थित प्रेरणा स्थल पार्क में आयोजित कार्यक्रम की तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन स्थल को भव्य रूप देने के लिए प्रशासन और पार्टी कार्यकर्ता दिन-रात जुटे हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बीनू शुक्ला ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं भाजपा नेता बीनू शुक्ला द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में पूरे दुबग्गा क्षेत्र में सैकड़ों बैनर और होर्डिंग लगाए गए हैं। जिससे क्षेत्र पूरी तरह से भगवामय नजर आ रहा है। बैनरों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं की तस्वीरें लगाई गई हैं। इससे कार्यकर्ताओं और आम जनता में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की भव्य तैयारियों से क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना है और विकास को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी की जा रही है। प्रशासन द्वारा यातायात, पार्किंग और सुरक्षा से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफल तरीके से संपन्न हो सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर लखनऊ पश्चिम में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं और भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश देखने को मिल रहा है।

बंद मकानों में चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजधानी की मड़ियांव पुलिस को मिली बड़ी सफलता थाना प्रभारी मड़ियांव शिवानंद मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बंद मकानों को निशाना बनाने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह भंडाफोड़ करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देशानुसार अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार 23 दिसंबर को मड़ियांव पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मड़ियांव पुल के नीचे रेलवे लाइन के पास दो संदिग्ध व्यक्ति चोरी के माल के साथ मौजूद हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान अब्दुल रहमान उर्फ समीर 20 वर्ष निवासी नौबस्ता और मोहम्मद हमजा 19 वर्ष निवासी दुबग्गा के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे बंद मकानों का ताला तोड़कर चोरी करते थे और उस माल को बेचकर अपने महंगे शौक पूरे करते थे। पुलिस ने इनके पास से सोने की चेन, नथ, झुमकी, बाली और चांदी के सिक्के व पायजेब बरामद किए हैं।थाना प्रभारी मड़ियांव ने बताया कि अभियुक्त अब्दुल रहमान शातिर अपराधी है और उसके खिलाफ पहले भी चोरी के मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। इस सफलता में थाना प्रभारी मड़ियांव शिवानंद मिश्रा, उपनिरीक्षक अंकुर आनंद, संजय कुमार, जोशी रघुवंशी और कांस्टेबल राम सिंह राणा की अहम भूमिका रही।

बाइक से जा रहा युवक पेड़ से टकराया, मौत

बंथरा, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। क्षेत्र में मंगलवार सुबह करीब 9 बजे एक बाइक सवार सड़क के किनारे खड़े एक पेड़ से टकरा गया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के बाद परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर अपनी कार्यवाही की। पुलिस के अनुसार, मृतक राहुल गौतम (23) पुत्र महेश गौतम बंथरा के गुलाब खेड़ा निवासी था। मंगलवार सुबह करीब 9 बजे राहुल अपनी बाइक से घर से कासिम खेड़ा की तरफ जा रहा था। जहां बंथरा-बिजनौर रोड पर ग्लोरी पब्लिक स्कूल के पास यह हादसा हुआ। बताते हैं कि सामने से आ रहे एक वाहन से बचने के प्रयास में राहुल की बाइक बेकाबू होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकरा गई। राहगीरों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और राहुल को सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है।

जज सौरभ द्विवेदी की सुरक्षा बढ़ाई जाए : शाहनवाज़ आलम

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव शाहनवाज़ आलम ने गौतम बुद्ध ज़िला अदालत द्वारा अख़लाक़ हत्याकांड के आरोपियों के ख़िलाफ़ मुकदमे वापस लेने की राज्य सरकार की अर्ज़ी के ख़ारिज कर दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने फ़ैसला सुनाने वाले जज सौरभ द्विवेदी की सुरक्षा बढ़ाने की भी मांग की है।

शाहनवाज़ आलम ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि योगी आदित्यनाथ ख़ुद मॉब लिंचिंग करने वाले आतंकवादियों के प्रेरणास्रोत हैं इसीलिए उन्होंने अपने लोगों पर से अख़लाक़ की हत्या के मुकदमे को हटाने की कोशिश की थी, लेकिन ज़िला अदालत सरकार के दबाव में नहीं आई। उन्होंने कहा कि जिस तरह के तर्क सरकार ने दिए थे वो एक तरह से अल्पसंख्यक समाज को धमकी थी कि अगर मुक़दमा ख़त्म नहीं किया गया तो इससे वो सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ देगी। उन्होंने कहा कि जस्टिस लोया का उदाहरण देखते हुए सरकार के ख़िलाफ़ फ़ैसला देने वाले सूरजपुर कोर्ट के अतिरिक्त ज़िला जज सौरभ द्विवेदी की सुरक्षा बढ़ायी जानी चाहिए। इसके साथ ही ज़मानत पर चल रहे सभी अभियुक्तों को दुबारा जेल भेजा जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि अख़लाक़ मामले में आए इस फ़ैसले ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2018 में भीड़ हिंसा की रोकथाम के लिए जारी गाइडलाइन के अभी तक लागू न किए जाने को भी उजागर कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हर ज़िले में एसपी या उससे ऊपर के रैंक के अधिकारी को भीड़ हिंसा और हेट स्पीच को रोकने के लिए तैनात किया जाएगा, लेकिन योगी सरकार ने किसी भी ज़िले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि गाइडलाइन में भीड़ हिंसा के संभावित स्थानों को चिन्हित करने और वहाँ पुलिस पैट्रोलिंग बढ़ाने का भी निर्देश था, लेकिन योगी सरकार ने जानबूझकर ऐसे इलाक़ों को चिन्हित नहीं किया क्योंकि ऐसे इलाक़ों में ही बजरंग दल और कथित गौ रक्षक गैंग ज़्यादा सक्रिय हैं जो लूटपाट और हत्याएं करते हैं। अगर ऐसा किया गया होता तो सबसे ज़्यादा गिरफ़्तारी आरएसएस और भाजपा से जुड़े अपराधियों की होती। इसलिए योगी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल नहीं किया। शाहनवाज़ आलम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को भीड़ हिंसा के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए स्कीम बनाने का भी निर्देश दिया था। वहीं संसद को भी भीड़ हिंसा के ख़िलाफ़ कठोर क़ानून बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन न तो केंद्र और न राज्य सरकार ने ही सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन किया, लेकिन यह आश्चर्य की बात है कि सुप्रीम कोर्ट अपनी अवमानना पर चुप रहा। जबकि उसे स्वतः संज्ञान लेकर केंद्र और राज्य को नोटिस भेजना चाहिए था। शाहनवाज़ आलम ने कहा कि अख़लाक़ मामले ने फ़िर से अल्पसंख्यक वर्ग की सुरक्षा के लिए दलित ऐक्ट जैसे क़ानून की ज़रूरत को सामने ला दिया है। नागरिक समाज को इस क़ानून के निर्माण के लिए जनमत बनाना चाहिए।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल पैकेट पद्धति से ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 14.01.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुवल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें, यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा फार्म का मूल्य जमा नहीं करना है तथा निविदाकर्ता को धरोहर राशि का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा करेगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

	निविदा सूचना संख्या	01342025 दिनांक 23.12.2025	
1	कार्य का नाम	1. वरि. मण्डल अभियन्ता-तृतीय/उ.रे./लख. के अधीन वाराणसी-जफराबाद-अकबरपुर खण्ड में समपार सं. 20-ए., 21-सी., 31-सी. तथा 56-सी. को बन्द करने हेतु अधोगामी पुल का प्रावधान। (दोहरी पैकेट पद्धति)	
		2. वाराणसी स्टेशन पर दिव्यांग सुविधाओं में बढ़ोत्तरी, प्रतीक्षालय, शौचालय ब्लाक, पानी का कूलर, पानी का बूथ तथा प्लेटफॉर्म शेड के विस्तार इत्यादि के साथ यात्री सुविधा को बढ़ाने का कार्य। (सिंगल पैकेट पद्धति)	
2	अनुमानित लागत	1. रु. 19,04,89,912.16	2. रु. 7,28,77,059.13
3	धरोहर राशि	1. रु. 11,02,500.00	2. रु. 5,14,400.00
4	कार्य की समापन अवधि	क्रम सं. 01 तथा 02 के लिए : स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से बारह (12) माह।	
5	निविदा डालने का प्रारंभ	क्रम सं. 01 तथा 02 के लिए : 31.12.2025	
6	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	क्रम सं. 01 तथा 02 के लिए : 14.01.2026 15:00 बजे	
7	वेबसाइट	www.ireps.gov.in	

नोट : तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज की प्रस्तुति एवं उससे सम्बन्धित निविदा उपरान्त किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नहीं किये जायेंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रों को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा। (प्रधान कार्यालय उ.रे. नयी दिल्ली का पत्र सं. 74-W/O/Pt.XXV/WA/Loose दिनाँक 07.04.2015)

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3971/25

डीएम की अध्यक्षता में निजी विद्यालयों में फीस वृद्धि को लेकर हुई बैठक

जिलाधिकारी ने बैठक में कहा कि फीस निर्धारण में पारदर्शिता रखी जाए और अभिभावकों से किसी भी प्रकार की मनमानी वसूली न की जाए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर । डीएम धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में निजी विद्यालयों में फीस वृद्धि, पुस्तकों की सूची एवं यूनिफॉर्म से संबंधित विषयों पर कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में बैठक हुई।

बैठक में डीएम ने निजी विद्यालयों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालयों की यूनिफॉर्म में किसी भी प्रकार का परिवर्तन बिना अनुमोदन समिति की स्वीकृति के नहीं किया जाएगा। बार-बार यूनिफॉर्म बदलने से अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ता है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुस्तकों से संबंधित व्यवस्था को लेकर निर्देश दिया कि यदि किसी विद्यालय द्वने पुस्तकों की सूची में कोई परिवर्तन प्रस्तावित है, तो उसकी पूरी जानकारी एवं संशोधित पुस्तकों की सूची कम से कम 60 दिन पूर्व विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करें। ताकि अभिभावकों को समय रहते जानकारी मिल सके। कहा कि किसी भी विद्यालय द्वारा 10 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि नहीं की जाएगी। उल्लंघन करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फीस निर्धारण में पारदर्शिता रखी जाए और अभिभावकों से किसी भी प्रकार की मनमानी वसूली न की जाए। कहा कि किसी भी विद्यालय का संचालन प्रातः 10 बजे से पूर्व नहीं किया जाएगा। सभी निजी विद्यालयों को निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। इस दौरान डीआईओएस हरिवंश कुमार, बीएसए दिव्या गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी व विभिन्न निजी विद्यालयों के प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौ.चरण सिंह की जयंती पर किसान मेला व सम्मान दिवस आयोजित

प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित, आधुनिक व ऑर्गेनिक खेती के लिए किया प्रोत्साहित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती पर गन्ना शोध परिषद में किसान मेला व किसान सम्मान दिवस का आयोजन हुआ।

कर्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष डीपीएस राठौर, भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान अतिथियों ने किसान मेला में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा 85 प्रगतिशील किसानों को शॉल ओढ़ाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही कृषि यंत्रों की चाबी भी लाभार्थियों को वितरित की।डीएम ने कहा कि पहले की अपेक्षा इस वर्ष पराली जलाने की घटनाएं बहुत कम हुई हैं। आने वाले समय में भी पराली न जलाएं। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य लगाएं। गन्ना लदी ट्राली में लाल कपड़ा बांधे और रिफ्लेक्टर लगाएं। जिससे दुर्घटना न हो। कहा कि एसआईआर अभियान के तहत 26 दिसंबर तक गणना प्रपत्र अवश्य बीएलओ के पास जमा कर दें। इस दौरान राज्यसभा सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए और उप कृषि निदेशक, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी एवं भूमि संरक्षण आदि ने तमाम सरकारी योजनाओं के साथ ही ड्रैगन फ्रूट की खेती, फसल बीमा, पराली न जलाने, पेस्टीसाइड से बचने के लिए आर्गेनिक विधि का प्रयोग करने के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन इन्दु अजनबी ने किया और अंत में आभार जिला कृषि अधिकारी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख जलालाबाद, मिर्जापुर, खुटार, जिला पशु चिकित्साधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, निदेशक गन्ना शोध परिषद आदि मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

तमंचा-कारतूस व नगदी बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एसओजी टीम एवं थाना सिधौली पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 23 दिसंबर 2025 को थाना सिधौली क्षेत्र के ग्राम बाड़ी के निकट कोनी घाट पुल के पास से 50,000 रुपये के इनामी वांछित अपराधी को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्री दुर्गेश कुमार सिंह के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी सिधौली श्री कपूर कुमार के नेतृत्व में की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल से क्षेत्र में आ रहा है, जिसे रोकने का प्रयास किया गया तो मोटरसाइकिल सवार अपराधी ने पुलिस टीम पर फायर करते हुए भागने की कोशिश की। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त के बाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान छोटू मिश्रा उर्फ सुनील मिश्रा उर्फ संजय मिश्रा पुत्र ओमप्रकाश मिश्रा निवासी शिद्धेश्वर नगर थाना सिधौली जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। अभियुक्त के कब्जे से एक संदिग्ध अपाचे मोटरसाइकिल, एक नाजायज तमंचा 12 बोर, दो अदद जिंदा/खोखा कारतूस, एक मोबाइल फोन तथा 1940 रुपये नगद बरामद किए गए हैं। घायल अभियुक्त को तत्काल उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त थाना सिधौली में पंजीकृत मु0अ0सं0 279/24 धारा 308(5)/351(2)/351(3) बीएनएस एवं मु0अ0सं0 348/25 धारा 352/351(2)/351(3) बीएनएस सहित कई गंभीर मामलों में वांछित था तथा उसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। इस कार्रवाई में एसओजी टीम के निरीक्षक सतेंद्र विक्रम सिंह मय टीम एवं थाना सिधौली के प्रभारी निरीक्षक मय पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

जीआईसी सांडा में कैरियर मेला का हुआ आयोजन

सकरन, सीतापुर । छात्रों के उज्जवल भविष्य व आगामी जीवन में सफलता की असीम ऊंचाइयों को प्रेरित करने के उद्देश्य से जी आई सी परिसर सांडा में भव्य कैरियर मेला का आयोजन किया गया,कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रतिनिधि ब्लॉक प्रमुख व ग्राम प्रधान अजय वर्मा विशिष्ट अतिथि अरुण कुमार उपाध्याय पुलिस चौकी प्रभारी सांडा, फुरकान गाजी पूर्व प्रधान व प्रधानाचार्य सौरभ वैश्य के द्वारा माँ शारदे व भारतमाता के चित्रों पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर किया गया। संस्थान की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी आगंतुकों का मन मोह लिया, बच्चों के द्वारा कौशल दिखाते हुए अनेकानेक माडलों का प्रदर्शन किया गया।इस अवसर पर अध्यक्ष अभिभावक संघ गोविंद विश्वकर्मा,शिक्षक पुतान सिंह यादव, लेखराम वर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सपा नेताओं ने किसान दिवस के रूप में मनाई चौधरी चरण सिंह की जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पार्टी के जिला कार्यालय पर किसान दिवस के रूप में मनाई। इस दौरान पार्टी के सभी नेताओं, पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और उनको याद किया।

इस मौके पर एक गोष्ठी का आयोजन सपा के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खान की अध्यक्षता में हुआ और चौधरी चरण सिंह के योगदान पर चर्चा की गई। तनवीर खान ने कहा कि चौधरी चरण सिंह भारत के पांचवें प्रधानमंत्री रहे। उन्हें भारत के किसानों के चैंपियन के रूप में जाना जाता है। कहा कि आज सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव उनके सपने को साकार करने के लिए किसानों के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। पूर्व विधायक राजेश यादव ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने हमेशा दवे, कुचले, गरीब, बेसहार और किसानो की हको की लड़ाई लड़ने का काम किया था। पूर्व मंत्री अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि उन्होंने किसानों के उत्थान के लिए काम किया और भारत की आजादी के लिए वह कई बार जेल गए। इस मौके पर सपा के जिला महासचिव रणंजय सिंह, सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश प्रमुख महासचिव सैयद रिजवान, सपा प्रदेश सचिव विजय सिंह, रामसूरत यादव, नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्ला सिद्दीकी, सपा महानगर अध्यक्ष चैधरी रामकुमार भोजवाल, सपा जिला उपाध्यक्ष संजीव वर्मा, ओंकार सिंह, लखन प्रताप सिंह, डॉ दोदराम वर्मा, सत्येंद्र यादव, पार्थ यादव, उत्पल यादव, प्रसून कनौजिया, आकाश यादव, विपिन यादव, अशोक यादव, हफीज अंसारी, मोनू कुरैशी, महिला सभा की जिलाध्यक्ष किरन कठेरिया, नीलम, नन्हीं देवी, सविता, पार्वती, ओमवती, पूजा, प्रियंका, जमुना देवी, आदि कई लोग मौजूद रहे।

ओवरलोड व ओवरहाइट गन्ना वाहनों पर प्रशासन की अनदेखी, कब जागेगा परिवहन विभाग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी में ओवरलोड और ओवरहाइट गन्ना वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन हो रहे हादसे इस बात का साफ संकेत हैं कि प्रशासन और परिवहन विभाग की लापरवाही आमजन की जान पर भारी पड़ सकती है।

बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं।मंगलवार को धौरहरा क्षेत्र के ग्राम बसंतापुर के पास एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब अत्यधिक ओवरलोड गन्ने से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभा पूरी तरह टूट गया और इलाके की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। गनीमत यह रही कि उस समय सड़क पर कोई राहगीर या दोपहिया वाहन मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक तेज रफ्तार में था और अत्यधिक वजन के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। हादसे के बाद तेज धमाके की आवाज से ग्रामीणों में दहशत फैल गई और टूटे बिजली तार सड़क पर फैल जाने से कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।इसी तरह अमीनगर खीरी क्षेत्र में कुंभी चीनी मिल की ओर जा रहा ओवरलोड वाहन, गन्ने की खोई ले जाते समय रास्ते में पलट गया। वाहन पलटने से मौके पर मौजूद लोग बाल-बाल बच गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उस समय कोई वाहन या राहगीर पास होता तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। सवाल यह है कि क्या किसी बड़ी जनहानि के बाद ही परिवहन विभाग जागेगा वहीं भीखमपुर खीरी में स्थिति और भी गंभीर नजर आई।

वहीं भीखमपुर खीरी में स्थिति और भी गंभीर नजर आई

लखीमपुर। मोहम्मदी मार्ग स्थित भीखमपुर नहर पुल के पास ओवरलोड व ओवरहाइट गन्ना भरे ट्रक से गन्ना सड़क पर लटक रहा था। इसी दौरान दूसरे ट्रक के पलट जाने से मार्ग पर लंबा जाम लग गया। जाम में फंसे राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।पूरे जिले में ओवरलोड और ओवरहाइट गन्ना ट्रकों का आवागमन रोजमर्रा की बात हो गई है। गन्ना लदे ट्रकों से सड़क पर गन्ना लटकना, संतुलन बिगड़ना और वाहनों का पलटना अब आम होता जा रहा है, लेकिन न तो परिवहन विभाग द्वारा नियमित चेकिंग की जा रही है और न ही पुलिस प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई दिखाई दे रही है।

अन्नपूर्णा मंदिर कफारा में रामचरितमानस पाठ के बाद हुआ भंडारा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा, लखीमपुर। तहसील क्षेत्र के कफारा गांव स्थित प्रसिद्ध माता अन्नपूर्णा मंदिर में मंगलवार को श्रीरामचरितमानस पाठ, हवन-पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संत महावीर बाबा की पुण्य स्मृति में प्रत्येक वर्ष श्रद्धालुओं द्वारा आयोजित किया जाता है।

महावीर बाबा ने इसी मंदिर परिसर में अग्नि समाधि ली थी।कफारा गांव का प्रसिद्ध मां अन्नपूर्णा मंदिर क्षेत्र में एक चमत्कारिक और आस्था का केंद्र माना जाता है। करीब 11 वर्ष पूर्व आज ही के दिन मंदिर में निवास करने वाले संत महावीर बाबा ने अग्नि समाधि ली थी। तभी से उनकी स्मृति में श्रद्धालु रामचरितमानस पाठ, हवन-पूजन और भंडारे का आयोजन करते आ रहे हैं। सोमवार को विधिवत रामचरितमानस पाठ एवं हवन के समापन के बाद मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अन्नपूर्णा माता का प्रसाद ग्रहण किया।इस मौके पर मुख्य आयोजक अशोक कुमार जायसवाल, शिवदयाल जायसवाल,के साथ पंडित हरीश अवस्थी, बृजेंद्र जायसवाल, नरेंद्र वर्मा, राममिलन मिश्रा, सोनू अवस्थी, उमा प्रसाद अवस्थी, उमेश अवस्थी, शिवकुमार सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

पीली ईंटों से हो रहा खड़ंजे का निर्माण

बिसवां, सीतापुर। जहां एक ओर शासन व प्रशासन ग्रामीण क्षेत्र के समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध होने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर विकास खंड के अधिकारियों और ग्राम प्रधानों की कथित मिलीभगत के चलते गांवों में मानकविहीन कार्य कराए जा रहे हैं।ऐसा ही एक मामला विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कदूनी के शंकरपुर गांव में सामने आया है। यहां ग्राम प्रधान द्वारा खड़ंजा निर्माण में खुलेआम पीली ईंटों का उपयोग किया जा गया है। इतना ही नहीं, नाली निर्माण में भी मानकों की अनदेखी करते हुए पीली ईंटों से कार्य कराया गया है। इस अनियमितता को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।इस संबंध मेंखंड विकासअधिकारी बिसवां से वार्ता किए जाने पर उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

श्री मधुमेश धाम में श्री राम कथा का शुभारम्भ

ततरोई, सीतापुर। नैमिषारण्य तीर्थ में चल रही भव्य श्री राम कथा में आज कथा के प्रथम दिवस श्री उमेश पाठक '' प्रवल '' जी महाराज ने नैमिषारण्य की महिमा का वर्णन किया और कथा में प्रवेश कर प्रभु श्री राम कथा की महिमा का सुन्दर वर्णन किया और कहा की अपने अहंकार का त्याग कर हम सभी को प्रभु की शरण में रहना चाहिए क्यूंकि प्रभु को सरल मन और निर्मल मन ही पसंद है निर्मल मन जन सोइ मोहि पवा / मोहि कपट छल छिद्र ना भवा म्मसभी को सनातन को आगे बढ़ाने व सनातन का आदर करने के लिए प्रेरित किया सभी को एक साथ एक मंच पर आकर हिन्दुओ को एक साथ अपने सनातन की रक्षा करनी चाहिए महिन्दू राष्ट्र पर महाराज जी ने कहा की हम सब को सबसे पहले खुद के मन में मानना होगा की तब हम हिन्दू राष्ट्र की स्थापना कर पाएंगे.कागज पर हिन्दू राष्ट्र होने से नहीं अपने विचार और और अपने क्रिया कलापों से हिन्दू राष्ट्र का निर्माण करना होगा गांव व क्षेत्र के लोगों ने इस कथा का रस पान किया बढ़ चढ कर हिस्सा लिया ।

सिधौली में बांग्लादेश में हिंसा पर युवा दल का प्रदर्शन

सीतापुर। सिधौली में बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित अत्याचारों और हत्याओं के विरोध में सोमवार शाम को सिधौली के डाक बंगला चौराहे पर युवा दल के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में युवाओं ने एकत्र होकर शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराया और पीड़ित हिंदुओं के प्रति एकजुटता व्यक्त की।यह विरोध प्रदर्शन युवा दल का नेतृत्व कर रहे नेता अतुल तिवारी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं ने हाथों में प्रतीकात्मक संदेश लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रदर्शन में युवा दल से अतुल तिवारी, आशुतोष पांडे, धर्मराज गुप्ता, विवेक त्रिवेदी, दीपक शुक्ला, रचित, आयुष ठाकुर, प्रतीक सिंह, पुष्कर गुप्ता, सूरज गुप्ता सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। युवा दल के नेताओं ने भारत सरकार से इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाने का आग्रह किया।

कृषक दल का क्रमिक सत्याग्रह जारी, दिया ज्ञापन

तिलहर/ शाहजहांपुर। भारतीय कृषक दल के राष्ट्रीय महासचिव प्रमोद कुमार यादव जनसेवक ने धरना स्थल पहुंचे नायब तहसीलदार मनु माथुर को 15 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा और कहा कि तहसील प्रशासन स्थानीय स्तर की समस्याओं का तत्काल निस्तारण करे और भ्रष्टाचार में लिप्त तहसील कर्मियों को जेल भेजे। कहा कि सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति को तहसील प्रशासन ठेंगा दिखा रहा है और धान खरीद में फर्जी सत्यापन कर रहा है। कहा कि तिलहर तहसील के रतनपुर नगरिया में फर्जी किसानो के नाम सत्यापन किया गया। इसका सीसीटीवी कैमरे चेक कर लिए जाएं। मंडी के केंद्रों पर आवक से कई गुना अधिक धान खरीद दर्ज हो रही है, किसानो से प्रति कुंतल 200 से 300 रूपए की वसूली हो रही है। ग्रामीण क्रय केंद्रों पर किसान का एक दाना नहीं खरीदा गया। उन केन्द्रों पर नेताओं के प्रतिनिधियों का कब्जा है। कहा कि जब तक दोषियों पर कार्यवाही के साथ 15 सूत्रीय मांग पत्र पर कार्यवाही नहीं होगी। तब तक सत्याग्रह जारी रहेगा।

ओयल पुलिस चौकी थाने में उच्चीकृत क्षेत्र को मिली बड़ी राहत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी के ओयल क्षेत्र के लिए लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई है। ओयल पुलिस चौकी को अब विधिवत थाना स्तर पर उच्चीकृत किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही आम जनता को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध हो सकेगी। यह जानकारी विधान परिषद के उच्च सदन के शीतकालीन सत्र के दौरान नियम 110 के अंतर्गत सरकार को दी गई।

विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता ने सदन में इस विषय को उठाते हुए बताया कि ओयल क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है और आबादी के साथ-साथ अपराधों की संख्या में भी वृद्धि देखी जा रही है। ऐसी स्थिति में एक पुलिस चौकी के माध्यम से क्षेत्र की प्रभावी निगरानी संभव नहीं थी। जनहित और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ओयल पुलिस चौकी को थाना बनाने का निर्णय लिया गया है।ओयल थाना बनने से अब क्षेत्रवासियों को छोटी-बड़ी घटनाओं के लिए अन्य थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। थाना स्तर के अधिकारी, पर्याप्त पुलिस बल और संसाधनों की उपलब्धता से अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी। साथ ही, गश्त व्यवस्था सुदृढ़ होने से असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगेगा।स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना बनने से ओयल बाजार, आसपास के गांवों और मुख्य मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होगी। व्यापारियों और आम नागरिकों में इस निर्णय को लेकर उत्साह का माहौल है। क्षेत्रवासियों ने इस उपलब्धि के लिए एमएलसी अनूप गुप्ता के प्रयासों की सराहना करते हुए सरकार का आभार व्यक्त किया है।

खीरी में किसान सम्मान समारोह, मेहनत और नवाचार के लिए 36 किसान सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद खीरी में भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जन्म जयंती किसान सम्मान दिवस के रूप में उत्साह, उल्लास और उमंग के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आईटीआई राजापुर स्थित ऑडिटोरियम कम मल्टीपरपज हॉल में भव्य किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने दीप प्रज्वलित कर एवं चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्पार्पण कर किया।कार्यक्रम में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कृषि, उद्यान, गन्ना एवं पशुपालन सेक्टर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 36 प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र व शाल भेंट कर सम्मानित किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले किसानों को 7-7 हजार रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को 5-5 हजार रुपये की धनराशि आरटीजीएस के माध्यम से उनके खातों में भेजी जा रही है। इसके साथ ही समाज और कृषि क्षेत्र में नई मिसाल पेश करने वाली 09 प्रगतिशील कृषक महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिनके सम्मान से कार्यक्रम का माहौल गौरवपूर्ण बन गया।इससे पूर्व डीएम ने आईटीआई कैंपस में कृषि, कृषि रक्षा, उद्यान, गन्ना, पशुपालन, रेशम सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। विभागीय अधिकारियों ने किसानों को सरकार की योजनाओं, नई तकनीकों और आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी दी। डीएम ने ब्लॉक लखीमपुर की एफपीओ चितन प्रोड्यूसर्स कंपनी लिमिटेड के डायरेक्टर कृषक विद्यासागर को ट्रैक्टर (फार्म मशीनरी बैंक) की चाबी सौंपी तथा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए बेलर मॉडल का अवलोकन कर कृषक रमनदीप से संवाद किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने किसानों के हित में जीवनभर संघर्ष किया और उनके प्रयासों से किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। वे देश के सर्वमान्य किसान नेता थे, जिनका नाम आज भी आदर और सम्मान के साथ लिया जाता है।

डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में सरकार किसानों की आय बढ़ाने, संगठित खेती और सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों से फार्मर आईडी बनवाने, आधुनिक तकनीक अपनाने और इस वर्ष अपने उत्पादन के पुराने रिकॉर्ड तोड़कर नए कीर्तिमान स्थापित करने का आह्वान किया।इन सेक्टर्स में प्रगतिशील किसानों को मिला सम्मानउद्यानिकी में केला, हरी मिर्च और आलू उत्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। गन्ना सेक्टर में विभिन्न प्रजातियों से रिकॉर्ड उत्पादन करने वाले किसानों को प्रथम और द्वितीय स्थान मिला।

किसान सम्मान दिवस पर मिलेट्स महोत्सव का शुभारम्भ, उत्कृष्ट कृषक हुए सम्मानित

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की वन्दना से हुआ समस्त अतिथियों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर लगाये गये राजकीय, निजी एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के स्टॉलों का भ्रमण किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। पूर्व प्रधानमंत्री मा0 स्व0 चौधरी चरण सिंह जी के जन्मोत्सव किसान सम्मान दिवस पर मंगलवार को बदायूँ क्लब बदायूँ में दो दिवसीय मिलेटस महोत्सव के प्रथम दिवस पर कृषि, गन्ना, मत्स्य, रेशम, उद्यान, पशुपालन विभागों के अपनी-अपनी विधाओं में उत्कृष्ट उत्पादन प्राप्त करने वाले कृषकों को भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री बी0एल0 वर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष राजीव गुप्ता, उप कृषि निदेशक मनोज कुमार, जिला कृषि अधिकारी मनोज रावत, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य अमित कुमार शुक्ला, जि0 परि0 सम0 यू0 पी0डॉस्प विवेक कुमार गौरव के साथ प्रमाण पत्र एवं शॉल उड़ाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की वन्दना से हुआ समस्त अतिथियों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर लगाये गये राजकीय, निजी एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के स्टॉलों का भ्रमण किया तथा उनकी प्रशंसा की भूमि संरक्षण विभाग द्वारा खेत तालाब तथा अपनी योजनाओं से सम्बन्धित तैयार किया गया मॉडल लोगो के आकर्षण का केन्द्र रहा। मनोज कुमार उप कृषि निदेशक बदायूँ द्वारा कृषि विभाग में चल रही विभिन्न योजनाओं के विषय में विस्तार से जानकारी दी। श्री राजीव गुप्ता जिलाध्यक्ष भाजपा द्वारा शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के विषय में विस्तार से अवगत कराया। भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री बी0एल0 वर्मा ने नगर के विकास हेतु शासन की प्राथमिकताओं एवं कृषक बन्धुओं को जागरूक होने तथा कार्यक्रम स्थल पर लगे विभिन्न स्टालों के माध्यम से स्वयं को जागरूक करने हेतु प्रेरित किया गया। मुख्य कार्यकारी मतस्य, पशुचिकित्सक पशुपालन विभाग श्री पी0के0 वर्मा वरिष्ठ गन्ना पर्यवेक्षक द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं के विषय में विस्तार से अवगत कराया। अन्त में जिला कृषि अधिकारी मनोज रावत द्वारा समस्त आगुन्तकों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन आनन्द चौहान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में चेतन प्रताप, जयलोक, शिशिर कुमार, अवनीश, शंकर, संतोष, नेकपाल वर्मा, प्रदीप, मनोज, अमित का विशेष सहयोग रहा व बड़ी संख्या में कृषक मौजूद रहे।

कार्य में लापरवाही पर उसहैत इंस्पेक्टर लाइन हाजिर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। डीआईजी बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी ने सोमवार को पुलिस लाइन सभागार कक्ष में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. बृजेश कुमार सिंह के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

समीक्षा के दौरान कार्य में लापरवाही मिलने पर उसहैत इंस्पेक्टर अजयपाल सिंह को डीआईजी ने लाइन हाजिर करने का आदेश जारी कर दिया। डीआईजी ने कहा कि अपराधियों के प्रति किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी। पुलिस की प्राथमिकता जनता को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि लुटेरों, चोरों एवं गम्भीर अपराधों में संलिप्त पेशेवर अपराधियों पर निरंतर निगरानी रखी जाए।डीआईजी ने गैंगस्टर एक्ट के मामलों में अपराधियों की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों को चिन्हित कर धारा 14(1) के तहत जब्तीकरण की कार्रवाई करने पर बल दिया। सड़क हादसे रोकने को बनाएं कार्ययोजना, लंबित मामलों का करें खुलासा डीआईजी ने जिले में घटित घटनाओं के शीघ्र अनावरण के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए गए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से 'जीरो फैटिलिटी डिस्ट्रिक्ट सड़क सुरक्षा कार्ययोजना को प्रभावी रूप से लागू करने पर भी जोर दिया गया। महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर मिशन शक्ति अभियान (फ़ेज-5.0) को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। साइबर अपराध रोकने को चलाएं जागरूकता अभियानसाथ ही साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाने तथा आम जनता को साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताने के निर्देश भी दिए गए। डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों को जनता के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखने, शिकायतों का शीघ्र एवं विधिक निस्तारण करने तथा महिला संबंधी अपराधों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक नगर विजयेन्द्र द्विवेदी, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. हरदेश कठेरिया सहित समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी मौजूद रहे।

मदरसा बोर्ड परीक्षा-2026 के आवेदन के लिये 26 दिसम्बर तक तिथि बढ़ी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। ज़िला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने बताया है कि उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद,लखनऊ द्वारा संचालित मुन्शी/मौलवी (सैकेण्ड्री) तथा आलिम(सीनियर सैकेण्ड्री) परीक्षा वर्ष 2026 के ऑनलाइन आवेदन-पत्र की अन्तिम तिथियों में संशोधन किया गया है। अब चालान के माध्यम से राजकोष में परीक्षा शुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि 24 दिसम्बर 2025 एवं आवेदन-पत्र 26 दिसम्बर 2025 तक ऑनलाइन भरें जा सकेंगे।

उन्होंने बतायाकि मदरसे के प्रधानाचार्य, प्रधानाचार्या द्वारा छात्र व छात्राओं के आवेदन पत्रों को नियमानुसार मदरसा पोर्टल पर लॉक करने की अन्तिम तिथि 29 दिसम्बर 2025 है। ज़िला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा परीक्षा आवेदन पत्रों को ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर सन्देहास्पद डाटा को सम्मिलित करते हुये लॉक करने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर 2025 है। मदरसे के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या आवेदन-पत्र लॉक कर 30 दिसम्बर 2025 तक चालान की छायाप्रति,मान्यता प्रमाण-पत्र की छायाप्रति, छात्र व छात्राओं का कक्षा(कक्षा-10 एव 12) संचालित होते समय का फ़ोटो, मदरसा मुख्य भवन का फ़ोटो एवं लिस्ट ज़िला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा कर दें जिससे आवेदन-पत्र समय से अग्रसारित किया जाना सम्भव हो सके। परीक्षा शुल्क का विवरण एवं विस्तृत दिशा-निर्देश परिषद की वेबसाइट पर उपलब्ध है। परीक्षा वर्ष 2026 में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र,उपस्थिति पत्रक एवं डेस्क-स्लिप जारी किये जाने की तिथि 15 जनवरी 2026 है। मदरसा परीक्षा 2026 माह फ़रवरी के प्रथम सप्ताह में होना प्रस्तावित है। ज़िला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने यह भी बताया कि यदि किसी मदरसा द्वारा परीक्षा वर्ष-2026 के परीक्षा आवेदन पत्र नहीं भरवाये जाते हैं तो उनके विरूद्ध उ0प्र0 अशासकीय अरबी और फ़ारसी मदरसा मान्यता प्रशासन एवं सेवा विनियमावली 2016 में निहित व्यवस्थान्तर्गत कार्यवाही की जायेगी जिसके लिए सम्बन्धित मदरसा प्रबन्धक एवं प्रधानाचार्य स्वयं उत्तरदायी होंगे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जिला कारागार का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सभल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सम्भल स्थित चन्दौसी के द्वारा जिला कारागार सम्भल स्थित मुरादाबाद का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष द्वारा कारागार में निरुद्ध बंदियों की कुल संख्या, विचाराधीन एवं दोषसिद्ध बंदियों की स्थिति, आवास व्यवस्था, स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, प्रकाश एवं वेंटिलेशन, चिकित्सा सुविधाएँ, महिला एवं पुरुष बंदियों की पृथक व्यवस्था, वृद्ध एवं दिव्यांग बंदियों की स्थिति आदि का विस्तृत अवलोकन किया गया तथा जेल अस्पताल का निरीक्षण कर चिकित्सीय सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की जानकारी प्राप्त की। साथ ही संक्रामक रोगों से बचाव हेतु की गई व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की

निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए गए

गई।अध्यक्ष महोदय द्वारा निरीक्षण के दौरान बंदियों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उनकी व्यक्तिगत, विधिक एवं प्रशासनिक समस्याओं को सुना गया। पात्र बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान किए जाने, जेल में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित करने तथा विचाराधीन बंदियों के मामलों में शीघ्र निस्तारण हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए तथा जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों के मानवाधिकारों की पूर्ण रक्षा सुनिश्चित की जाए तथा जेल मैनुअल के प्रावधानों का अक्षरशः पालन किया जाए।

निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए गए। जिला कारागार में निरुद्ध महिला बंदियों के बैरक के निरिक्षण के दौरान उनके पौष्टिक भोजन, उनके साथ रह रहे बच्चो के लिए दूध की व्यवस्था, शिक्षण हेतु व्यवस्था, साफ-सफाई एवं दवा की व्यवस्था कराने के भी निर्देश दिये। साथ ही जेल लीगल एड क्लीनिक के प्रपत्रों का निरिक्षण करते हुए कहा कि यदि किसी बंदी को निःशुल्क विधिक सहायता की आवश्यकता हो तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में एक प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या का निस्तारण करा सकता है। उक्त निरिक्षण के दौरान माननीय जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सम्भल स्थित चन्दौसी डॉ0 विदुषी सिंह, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री पराग यादव, जिला अधिकारी सम्भल श्री राजेन्द्र पैसिंया, पुलिस अधीक्षक सम्भल श्री कृष्ण कुमार विश्नोई जेल अधीक्षक जिला कारागार मुरादाबाद श्री आलोक सिंह, समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार सिंह, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल श्री चन्द्रपाल सिंह आदि सहित अन्य कार्मचारीगण उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सम्भल स्थित चन्दौसी द्वारा दी गयी।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में मंडलीय उद्योग बंधु की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मुरादाबाद। मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में मण्डलीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में डियर पार्क के संचालन के सम्बन्ध में वन विभाग के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि डियर पार्क का पीपीपी मॉडल सम्भव नहीं है डियर पार्क के संचालन हेतु रू 120.40 लाख की सौंदर्यीकरण योजना तैयार कर प्रेषित की गयी है जिसे मण्डलायुक्त द्वारा योजना का निरूपण कराकर इसे पी0पी0पी0 मॉडल पर संचालित कराये जाने हेतु उचित स्तर से अनुमति प्राप्त किये जाने की अपेक्षा की गयी। मण्डलायुक्त द्वारा प्रदूषण कन्ट्रोल बोर्ड उ0प्र0 के प्रतिनिधि को निर्देश दिये गये कि रामगंगा नदी में कूडा कचरा एवं अतिक्रमण हटाये जाने तथा उसका चिन्हाकंन किये जाने के सम्बन्ध में लिखित रूप से अवगत कराये। इसके साथ ही गागन नदी के किनारे कूडा कचरा एवं गन्दगी के सम्बन्ध में भी सिंचाई विभाग से रिपोर्ट मांगी गयी। रामगंगा नदी के किनारे अवैध भट्ठियों के सम्बन्ध में प्रदूषण विभाग के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि 56 भट्ठियों को बन्द कराया गया है जिसके सम्बन्ध में मण्डलायुक्त द्वारा सूची उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये।

ई-वेस्ट रिसाईकिलिग व कलेक्शन कराये जाने के सम्बन्ध में नगर निगम के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि नियमित रूप से जागरुकता अभियान के तहत कार्यवाही की जा रही है। मण्डलायुक्त द्वारा ई-वेस्ट रिसाईकिलिंग कलैक्शन, वार्डवार डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण एवं जागरुकता अभियान तेजी से चलाने के निर्देश दिये गये। लोक निर्माण के अधिकारियों ने बताया कि रामपुर दोराहा की पानी निकासी हेतु आरसीसी नाले के लिए मुरादाबाद विकास प्राधिकरण से डिजाइन व ले-आउट प्लान माँगा गया है, मण्डलायुक्त द्वारा इस प्रकरण को जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश दिये गये। मण्डल के सभी जनपदों के उपायुक्त उद्योग द्वारा मण्डलीय उद्योग नीति 2025 पर चर्चा की गई इस सम्बन्ध में मण्डलायुक्त ने मण्डल में नये उद्योगों को कैसे बढ़ाया जाये और उद्यमियों को पारम्परिक उद्योगों में निवेश हेतु प्रोत्साहित करने के लिए किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। बैठक में सचिव मुरादाबाद विकास प्राधिकरण पंकज वर्मा, अधिशासी अभियन्ता बाढ़खण्ड राजेश कुमार गंगवार, डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर ब्रिज कार्पोरेशन श्री शशिकांत, चीफ इंजीनियर विद्युत श्री अशोक कुमार, प्रतिनिधि यूपीसीडा गेसू मौर्या, अधीक्षक अभियंता लोक निर्माण विभाग एसपी सिंह, उपायुक्त उद्योग बिजनौर अमित जुरैल समेत अन्य लोग मोजूद रहे।

छोटे-छोटे बच्चों ने बिखेरा अपनी प्रतिभा का जलवा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डायट बदायूं में प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक गिरजेश कुमार चौधरी के निर्देशन में जनपद स्तरीय ''स्पेल बी'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्र-छात्राओं की हिंदी एवं अंग्रेजी विषय में दक्षता का आकलन करना रहा। प्राचार्य डायट ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों की भाषा क्षमता को निखारने में सहायक होती हैं और उनमें सीखने की रुचि बढ़ाती हैं। वरिष्ठ प्रवक्ता राकेश कुमार ने प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं सेवारत प्रभारी डॉ. अमित शर्मा ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों को निरंतर सीखने के लिए प्रेरित करती हैं। प्रतियोगिता में जनपद के समस्त विकास क्षेत्रों से प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता परिणाम प्राथमिक स्तर आकाश प्राथमिक विद्यालय मानपुर, विकास क्षेत्र बिसौली सुरभि पीएम कंपोजिट विद्यालय, विकास क्षेत्र दहगवां अमित कश्यप प्राथमिक विद्यालय भोयस, विकास क्षेत्र दहगवां उच्च प्राथमिक स्तर जितेंद्र कुमार उच्च प्राथमिक विद्यालय, विकास क्षेत्र उसावा अंशिका उच्च प्राथमिक विद्यालय देवरिया, विकास क्षेत्र मयाऊँ दिव्या उच्च प्राथमिक विद्यालय कादरबाद, विकास क्षेत्र समरेर समस्त विजेता छात्र-छात्राओं को प्राचार्य डायट द्वारा प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के नोडल मोहम्मद सरवर एवं सुनील कुमार प्रवक्ता, डायट बदायूं द्वारा प्रतियोगिता का सफल आयोजन कराया गया। इस प्रतियोगिता में प्राथमिक एवं जूनियर दोनों कों मिलाकर कुल 55 छात्र छात्राओं ने भाग लिया था।

पांडवों जैसी निष्ट भक्ति से होगी कृष्ण की प्राप्ति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंदौसी। नगर के सीता रोड स्थित सिद्ध पीठ बगिया वाली देवी मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें द्वितीय दिवस के दिन मुख्य यजमान शिवराम वत्स उपस्थित रहे तथा नरवर से पधारे आचार्य गौरव शर्मा व मंदिर सेवक जयशिव मिश्रा के द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ गणेश आदि वेदियों का पूजन अर्जन किया गया।

पूजन के पश्चात मध्यान्ह 2 बजे कथा आरंभ हुई कथा में श्रीमद भागवत कथा प्रवक्ता आचार्य ऋतुपर्ण कृष्ण ने कथा में पांडव प्रसंग की कथा श्रवण कराई जिसमें पांडव प्रसंग की कथा का श्रवण कराते हुए कहा कि जो मानव पांडवों की तरह एक निष्ठ भाव से भक्ति करे कृष्ण की प्राप्ति हो सकती है ऐसी निष्ट भक्ति ही कृष्ण की प्राप्तिकर सकती है क्योंकि पांडव एक भाव से केवल

पूजन के पश्चात मध्यान्ह 2 बजे कथा आरंभ हुई कथा में श्रीमद भागवत कथा प्रवक्ता आचार्य ऋतुपर्ण कृष्ण ने कथा में पांडव प्रसंग की कथा श्रवण कराई

कृष्ण को ही अपना नाथ मानते थे उसके अलावा किसी को अपना नाथ नहीं मानते थे इसलिए सांसारिक जितने भी जीव हैं उन्हें एक अपना इष्ट मानकर ही उसमें निहित भावना से भक्ति करनी चाहिए भाई भक्ति हमको ईश्वर का साक्षात्कार कर सकती है कथा कि पश्चात आरती की गई तथा प्रसाद वितरण किया गया । जिसमें मनीष शर्मा भावना शर्मा शिवानी मीनू शर्मा रिंकी शर्मा दिव्या लक्ष्मी शंखधार कमल गुप्ता अंशु वार्षणेय राजेश शंखधार किरन मोहित शर्मा मानव शर्मा लक्ष्य शर्मा ध्रुव शर्मा संगीता ममता आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मुरादाबाद। जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर तरीके से लागू कराने के लिए विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की।

टीकाकरण अभियान की समीक्षा के दौरान बिलारी क्षेत्र में वैक्सीनेशन की संतोषजनक स्थिति न होने पर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी से कारणों के बारे में जानकारी ली और कहा कि पूर्ण टीकाकरण से छूटे हुए बच्चों की लिस्टिंग हो और उन्हें छूटे हुए टीके लगाए जाएं ताकि बच्चों में पूर्ण टीकाकरण के लक्ष्य में कोई कमी न रहे।जिलाधिकारी ने कहा कि चरणवार छूटे बच्चों का सर्वे, वैक्सीनेशन और जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएं। टीकाकरण अत्यन्त महत्वपूर्ण मुद्दा है इसलिए आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकत्री, सचिव और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ

बैठक में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की हुई समीक्षा, दिये आवश्यक निर्देश

गंभीरतापूर्वक कार्य किए जाएं।उन्होंने आशा और एएनएम के कार्यों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। टीकाकरण दिवस में किसी भी एएनएम को अवकाश प्रदान नहीं किया जाएगा।झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध कार्यवाही में लापरवाही और कार्यवाही के दौरान निर्धारित प्रक्रिया का पालन न किए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जिले में झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस के साथ कठोरतम कार्यवाही होगी।जिलाधिकारी ने कहा कि जिला चिकित्सालय में वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए ओपीडी में पर्चा बनवाने और दवाइयां प्राप्त करने हेतु अलग से लाइन लगवाई जाए ताकि उन्हें किसी भी समस्या का सामना नहीं करना पड़े।जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे लाइसेंस धारक प्राइवेट हॉस्पिटल जहां से विगत 02 माह में कोई डिलीवरी रिपोर्ट नहीं की गई है उनका लाइसेंस निरस्त होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि 02 माह से कोई डिलीवरी न होना इस बात की पुष्टि करता है कि इन लाइसेंस धारक हॉस्पिटलों में कोई भी गाइनोकोलॉजिस्ट उपलब्ध नहीं है और वे हॉस्पिटल डिलीवरी कराने में सक्षम नहीं हैं।जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत डिलीवरी के सापेक्ष भुगतान की स्थिति में मूंढापांडे की खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी से कारणों के बारे में पूंछा।पोषण पुनर्वास केंद्र में गंभीर अति कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य उपचार हेतु भर्ती होने वाले बच्चों की कम संख्या के कारणों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि गंभीर अति कुपोषित बच्चों की प्रतीक्षा सूची तैयार कराएं और क्रमिक रूप से उन्हें भर्ती कराते रहें ताकि पोषण पुनर्वास केंद्र की सार्थकता हो सके।आशाओं के भुगतान की स्थिति पर भी जिलाधिकारी ने गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। कुंदरकी में 07, बिलारी में 04 आशाओं के भुगतान लंबित होने के कारणों के बारे में भी स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी से जानकारी ली।

वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप नहीं होने पर लगेगा 10 हजार रुपये जुर्माना

बदायूं। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद यातायात विभाग हरकत में आ गया है। सीओ ने निर्देश दिए हैं कि बिना रिफ्लेक्टर के कोई बड़ा वाहन सड़क पर न चलें। इसके लिए अभियान चलाकर काम किया जाए। कर्मचारियों ने हर वाहन पर रिफ्लेक्टर लगाने का काम शुरू कर दिया है। वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप नहीं होने पर 10 हजार रुपये जुर्माना लगेगा। एआरटीओ प्रवर्तन अमरीश कुमार ने बताया कि केंद्रीय मोटरयान नियमावली 1989 के नियम 104 का पालन कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत कोई वाहन बिना रिफ्लेक्टर टेप के पहली बार पकड़ा जाता है तो उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना व तीन महीने की जेल या दोनों हो सकती हैं। इसके अलावा तीन महीने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस भी निलंबित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिले में यातायात विभाग लोगों को जागरूक करने का काम कर रहा है। वाहनों से लेकर चौराहों पर लगीं मूर्तियों पर भी रिफ्लेक्टर टेप लगाए जा रहे हैं। उद्देश्य है कि कोहरे में कोई वाहन हादसे का शिकार न हो सके। सोमवार को पटेल चौक से लेकर अन्य चौकों पर लगीं प्रतिमाओं पर भी रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए।

पंचायत निर्वाचन नामावली तैयार 30 दिसम्बर तक दावे-आपत्तियाँ आमंत्रित

बदायूँ। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने जनपद बदायूँ के समस्त तहसील के समस्त विकासखण्ड की समस्त ग्राम पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचकगण को सूचित करते हुए बताया है कि उत्तर प्रदेश पंचायत राज (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण) नियमावली, 1994 के अनुसार निर्वाचक नामावली तैयार हो गई है और उसकी एक प्रति निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय, उपजिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं समस्त ग्राम पंचायत कार्यालय में बी0एल0ओ0 के माध्यम से में निरीक्षण के लिए उपलब्ध है। कोई भी व्यक्ति इस निर्वाचक नामावली का कार्यालय समय में निरीक्षण कर सकता है। उन्होंने बताया कि यदि नामावली में किसी नाम के सम्मिलित किये जाने के लिए कोई दावा अथवा किसी प्रकार के अन्य विवरणों के सम्बन्ध में कोई संशोधन अपेक्षित हो अथवा सम्मिलित किसी नाम के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो उसे 30 दिसम्बर, 2025 को या उससे पूर्व प्रपत्र 2, 3 या 4 में, जो भी उपयुक्त हो, दाखिल किया जाए। प्रत्येक ऐसा दावा या आपत्ति उनके कार्यालय, उपजिलाधिकारी अथवा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं सम्बन्धित बी0एल0ओ को दी गई तिथि तक प्रस्तुत किया जा सकता है।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयन्ती पर होंगे कार्यक्रम आयोजित

बदायूँ। मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य शासन स्तर से भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयन्ती/जन्म शताब्दी वर्ष के समापन के अवसर पर 25 दिसम्बर, 2025 को समारोह पूर्वक कार्यक्रम मनाये जाने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने बतायाकि जनपद बदायूँ में भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयन्ती / जन्म शताब्दी वर्ष के समापन के अवसर पर 25 दिसम्बर 2025 को राजकीय महाविद्यालय आवास विकास, बदायूँ में मा0 जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु सम्बंधित अधिकारीगण को दायित्व सौंपे गए हैं।

डायल 112 को मिली 15 गाड़ियां, आज एसएसपी करेंगे उद्घाटन

बदायूं। शासन से मिली 15 स्कॉर्पियो गाड़ियां 112 में आज तैनात होंगी, वहीं एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह पुलिस लाइन में खड़ी गाड़ियों का उद्घाटन कर, जिले के कोने-कोने में तैनात करेंगे। वहीं एसएसपी ने बताया कि शासन से 31 गाड़ियां मिली है, और 15 गाड़ियों का उद्घाटन होने जा रहा है, बाकी की शेष गाड़ियां जल्द ही जिले में तैनात होगी।

डी जे के साथ डीएम-एसपी ने जिला कारागार मुरादाबाद का किया निरीक्षण

संभल। जनपद न्यायाधीश विधुषी सिंह, जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार द्वारा जिला कारागार मुरादाबाद का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार में विद्यमान व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों एवं बंदियों को प्रदान की जा रही मूलभूत सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया गया।निरीक्षण के क्रम में माननीय अधिकारियों द्वारा बंदियों के आवासीय बैरकों, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाओं, पेयजल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली एवं सुरक्षा मानकों का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही कारागार प्रशासन द्वारा नियमों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने की स्थिति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने कारागार में निरुद्ध बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को सुना तथा उनके निराकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक एवं स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान किए। बंदियों के मानवाधिकारों की रक्षा, स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने तथा कारागार में अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया।निरीक्षण के दौरान कारागार प्रशासन को निर्देशित किया गया कि बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित सभी सुविधाएं समयबद्ध एवं गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराई जाएं तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से न लिया जाए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने, नियमित निरीक्षण किए जाने एवं शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश भी दिए गए।

डीएम की अध्यक्षता में आईजीआरएस की समीक्षा बैठक

सम्भल, बहजोई। कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में आईजीआरएस की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत डिफाल्टर संदर्भ को लेकर चर्चा की गयी एवं संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी डिफाल्टर संदर्भ पोर्टल पर न दिखे। विभिन्न विभागों के लंबित सन्दर्भों पर चर्चा की गयी तथा अपर जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि लंबित सन्दर्भों की समय से आख्या देना सुनिश्चित करें तथा संदर्भ समय से निस्तारित हों तथा शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।संतोषजनक एवं असंतोषजनक फीडबैक को लेकर भी चर्चा की गयी । इसके उपरांत चंदौसी के डॉ नरेन्द्र कुमार गुप्ता द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हृदय संबंधी रोग, हर्ट अटैक, डायबिटीज आदि रोगों से कैसे बचाव किया जाए।

आरटीओ ट्रेनिंग सेंटर पर बड़ा खेल, टेस्ट होते हैं दस, लाइसेंस जारी हो रहा दर्जनों से अधिक

लाइसेंसिंग अथॉरिटी आरआई के रहते हुए खुद की आईडी से कर रहे हैं अप्रूवल

एक क्लिक पर मिल जाता है कोई भी फॉर्म

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले में एआरटीओ के नाक के नीचे च ल रहा है बहुत बड़ा खेल व्यापक स्तर पर लाइ सेंस ट्रेनिंग सेंटर में खेल किया जा रहा है। सूत्रों बता रहे हैं कि एआरटीओ की मूल सहमति से संभागीय परिवहन विभाग में लाइसेंस से संबं धित सभी कार्य एआरटीओ की आईडी से अप्रू वल किया जा रहा हैं जबकि टेस्ट पास आर आ ई की आईडी से किया जा रहा है रोजाना कुल आठ से दस टेस्ट लिया जाता, लेकिन लाइसेंस करीब दर्जनों से अधिक लाइसेंस जारी किया जाता हैं यही नहीं दलालों के बिना एआरटीओ सूत्र बता रहे हैं कि संभागीय परिवहन विभाग के ऑफिस के सभी काउंटर पे प्राइवेट लड़के बैठते है वसूली करने के लिए यही नहीं दलालों ने अब ऑनलाइन में सेंध लगानी भी शुरू कर दी है,संभागीय परिवहन विभाग के ऑफिस के बाहर बोर्ड लगाकर बैठे लोग मनचाहे दाम वसू ल रहे हैं ऐसे में आरटीओ प्रशासन मूक दर्शक बनकर बैठा हुआ है,योगी सरकार में संभागीय परिवहन विभाग में बैठे एआरटीओ सरकार की छवि को धूमिल कर रहे हैं।

एक क्लिक पर मिल जाता है कोई भी फॉर्म

शासन के निर्देश पर संभागीय परिवहन विभाग के सभी पटलों को ऑनलाइन कर दिया गया है यानी आवेदन फॉर्म लेना हो तो भी काउंटर पर जाने की जरूरत नहीं है,घर बैठे एक क्लिक पर फॉर्म उपल ब्ध हो जाएगा,यही स्थिति स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस,टैक्स जमा करने की प्रक्रिया वाहन ट्रांसफर समेत अन्य सभी काउंटरों से संबंधित कार्यों पर देखी जा रही है।लेकिन आ रटीओ ऑफिस के बाहर जो दुकानें सजी हैं ऑनलाइन की वहां पर दलाल मौजूद रहते हैं वहां पर ऑनलाइन प्रक्रिया में भी लूट मची रह ती है वहां पर मौजूद दलाल आपको भ्रम पैदा कर देगा और आपको इतनी प्रकिया बता दि या जाएगा की मरता क्या नहीं करता लाइसेंस के लिए जब दस बार चक्कर लगाता है तो थक हार कर फिर दलालों के ही शरण में जाता है।

कर्मचारी और बिचौलियों का गठजोड़

संभागीय परिवहन विभाग के बाहर दलालों के बड़े काउंटर और कार्यालय खुले हुए हैं।परिवह न विभाग की तर्ज पर यह भी खुद को ऑनला इन होने के दावे कर रहे हैं उपभोक्ता यहां आते हैं और आवेदन करके लौट जाते हैं,यहीं से उन्हें संबंधित आवेदन के प्रमाण पत्र मिल जाते हैं द लालों और संभागीय परिवहन विभाग के कर्म चारियों के गठजोड़ से ऑनलाइन व्यवस्था का लाभ नागरिकों को नहीं मिल पा रहा है। यही अगर सच्चाई जानना है तो जेल रोड पर स्थित संभागीय परिवहन कार्यालय के ऑफिस पर लिए और संभागीय परिवहन कार्यालय के ऑ फिस के काउंटरों पर और कैंपस में घूम रहे व्यक्तियों से कड़ाई से पूछताछ और उनके हाथ में मौजूद फाइलों की गहनता से जांच पड़ताल हो जाए तो आरटीओ प्रशासन की पोल खुल जाएगी और दलालों पर लगाम लगेगा।

ऑनलाइन है सब कुछ, फिर भी बिचौलिए

वही आरटीओ प्रशासन के द्वारा जब बात की जाती है तो बताया जाता है ऑनलाइन फीस जमा कर सकते हैं ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पासपोर्ट जैसी व्यवस्था लागू कर दी गई हैं अब नागरिक अप नी ऑनलाइन फीस जमा करने के साथ अपना स्लेट भी बुक कर सकते हैं,उन्हें इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है,जो तिथि नियत कर उन्हें दी जाती है।लेकिन संभागीय परिवहन विभाग के कैंपस में पहले से दलाल मौजूद रहते हैं वहां पहुंचने पर द लाल अपने चंगुल में फंसा लेता है और कहता है। जल्दी काम करा दूंगा इस तरीके से प्रलोभन देकर लोगों को भटकाते है और व्यक्त दलाल के चंगु ल में फंस जाता है फिर उसे मोटी रकम चुका कर ही ड्राइविंग लाइसेंस मिल पाता है।क्योंकि ऐसा इस लिए है क्यो की बिना बिचौलियों की मदद ड्राइविंग लाइसेंस बनना संभव नहीं है।

मिशन शक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा,सुरक्षा एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभि यान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कृष्णा उच्च माध्यमिक विद्यालय, के शवपुर पहड़वा,विकास खण्ड झंझरी में किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित जनसमुदाय को महिला एवं बाल सशक्तिकरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिस्ट्रिक्ट मिशन कोआर्डिनेटर शि वेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 का मुख्य लक्ष्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित,शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक सामाजिक बुराई है, जिसे समाज की जागरूकता से ही समाप्त किया जा सकता है।उन्होंने छात्राओं से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी प्रकार की समस्या में सरकारी हेल्पलाइन का उपयोग करने की अपील की हैं।वहीं जेंडर स्पे शलिस्ट राजकुमार आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही सशक्तिकरण की सबसे बड़ी कुंजी है।उन्होंने बेटी बचाओऽबेटी पढ़ाओ अ भियान का उल्लेख करते हुए कहा कि जब त क बेटियाँ शिक्षित और सुरक्षित नहीं होंगी, तब तक समाज का समुचित विकास संभव नहीं है। उन्होंने बच्चों को समानता,सम्मान और सहयोग की भावना अपनाने के लिए प्रेरित किया।कार्य क्रम के दौरान उपस्थित सहायक अध्यापक ज ल कुमार सिंह, रामनाथ, रामसुन्दर सिंह, विभा सिंह, उर्वशी,सीमा सिंह, आयुषी, प्रतिभा, आरूष सहित अन्य शिक्षकों ने भी जागरूकता कार्यक्र म में सक्रिय सहभागिता निभाई।

चिलुआताल पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ युवक को किया गिरफ्तार

पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा बरामद हुआ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। थाना चिलुआताल पुलिस ने चेकिंग के दौरान अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार, चेकिंग के दौरान प्रिन्स साहनी पुत्र गणेश साहनी, निवासी ग्राम कुशहरा, थाना चिलुआताल, जनपद गोरखपुर को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से अवैध तमंचा बरामद हुआ। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई की गई।इस संबंध में थाना चिलुआताल पर मु0अ0सं0 823/2025, धारा 9/25 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा अभियुक्त के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रवि राजन कुमार, कांस्टेबल विवेक यादव, कांस्टेबल अमरजीत यादव एवं कांस्टेबल सुजीत सिंह शामिल रहे।

एसओजी,सर्विलांस व पुलिस की संयुक्त टीम ने पांच शातिर चोर को किया गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंड़ा। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी तरबगंज उमेश्वर प्रभात सिंह के नेतृत्व में एसओजी, सर्विलांस व थाना उमरी बेगमगंज पु लिस की संयुक्त टीम के द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमे 275/25, धारा 303(2) से सम्बन्धित चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए पांच शातिर विकाश शुक्ला पुत्र शिव कुमार शुक्ला उमेश चौहान पुत्र राम जीयावन, वृजेश सिंह पुत्र राम सिंह, अजय गुप्ता पुत्र राम बहादुर गुप्ता, राजा मौर्या पुत्र राम कृपाल मौर्या को बाबागंज चौराहे से पीडी बन्धा की तरफ जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 22,850 रूपये नकद व परिवहन में प्रयुक्त दो अदद पिकअप व एक स्पेलेण्डर मोटरसाई किल बरामद किया गया।

बताते हैं कि 16 व 17 / 2025 की रात्रि में थाना उमरीबेगमगंज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम अमदही में अज्ञात चोरों द्वारा सिंह कांस्ट्रेक्शन फर्म के विद्युतीकरण कार्य हेतु रखे गए एलटी लाईन के लगभग डेढ़ बण्डल ता र को शिवम सिंह के घर के सामने सड़क किना रे से चोरी कर लिया गया।इस सम्बन्ध में प्रार्थी धीरेन्द्र सिंह उर्फ बब्बू सिंह पुत्र स्व.चन्द्रभान सिं ह निवासी ग्राम अमदही थाना उमरी बेगमगंज जनपद गोण्डा द्वारा थाना उमरीबेगमगंज में लिखित तहरीर दी गयी थी।जिसके सम्बन्ध में थाना उमरीबेमगंज में अज्ञात अभियुक्तों के वि रूद्ध सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत कि या गया था।जिस पर 23.दिसम्बर 2025 को थाना उमरीबेमगंज व एसओजी सर्विलांस की संयुक्त टीम द्वारा अथक मेहतन एवं प्रयासोपरां त चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए पांच शातिर चोर को बाबागंज चौराहे से पी डी बन्धा की तरफ जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया हैं।उनके कब्जे से 22,850 रूपये न कद व परिवहन में प्रयुक्त दो अदद पिकअप व एक स्पेलेण्डर मोटरसाईकिल बरामद किया गया।

पुलिस पूछताछ के दौरान अभियुक्त वृजे श सिंह पुत्र राम सिंह द्वारा बताया गया कि 16व 17 / 2025 की रात्रि को थाना उमरी बेगम गंज क्षेत्रान्तर्गत अमदही बाजार से तरबगंज जा ने वाले मार्ग पर जेबी सेवा संस्थान अस्पताल से लगभग सौ मीटर पूर्व सड़क किनारे रखे गये बिजली के तारों की चोरी की गई थी।अभियुक्त ने बताया कि घटना से पूर्व उमेश चौहान द्वारा स्थान की रैकी की गई थी।रैकी पूर्ण होने के उप रान्त उमेश चौहान ने दूरभाष के माध्यम से सूच ना दी,जिसके बाद अभियुक्त वृजेश सिंह ने अप ने साथी अजय गुप्ता,राजा मौर्या एवं विकाश शु क्ला को सूचना दी।तत्पश्चात सभी अभियुक्तग ण पिकप वाहन संख्या यूपी 43 एटी 8056 से परसपुर पहुँचे, जहाँ पर उमेश चौहान, शैलेन्द्र श्रीवास्तव एवं संत बक्श उर्फ शुभम यादव पि कप संख्या यूपी 43 एटी 8110 के साथ मौजू द मिले।पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उ क्त पिकप वाहन से वे सभी अमदही बाजार प हुँचे तथा वहाँ सड़क किनारे रखे गये तीन बण्ड लों में रखे बिजली के तार को चोरी कर पिकप वाहन पर लाद लिया।तत्पश्चात चोरी किये गये तार को तरबगंज होते हुए करनैलगंज ले जाया गया,जहाँ पूर्व से मौजूद राजेश गुप्ता पुत्र अज्ञा त,निवासी लखनऊ को वजन कर बेच दिया ग या।

चोरी किये गये तार का कुल वजन लगभग तीन कुन्तल 12 किलोग्राम था,जिसे 38,000 में बेचा गया।इससे पूर्व 18.11.2025 की रात्रि में कडहरा जगदीशपुर, थाना कटरा बाजार क्षेत्र में 11 केवी विद्युत तार की चोरी कर उसे भी उ परोक्त कबाड़ी,व्यापारी राजेश गुप्ता को बेचा ग या था।उक्त गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध था ना उमरीबेगमगंज पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक का र्यवाही कर न्यायालय रवाना किया गया हैं।

कैरियर मार्गदर्शन और प्रतिभा प्रदर्शन का बना मंच

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। छात्राओं को भविष्य के प्रति जागरूक करने तथा उन्हें विभिन्न कैरियर विकल्पों की जानकारी देने के उद्देश्य से समग्र शिक्षा अभियान एवं पंख पोर्टल के तत्वावधान में कैरियर मेला एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रधानाचार्या की अध्यक्षता में विद्यालय प्रांगण में संपन्न हुआ, जिसमें छात्राओं के साथ-साथ अभिभावकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मोनालिसा जौहरी, उप जिलाधिकारी नानपारा, बहराइच रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रद्धा शुक्ला, शाखा प्रबंधक एसबीआई नानपारा तथा थाना प्रभारी रमा शंकर यादव उपस्थित रहे। अतिथियों ने कैरियर मेले के दौरान छात्राओं से संवाद करते हुए विभिन्न कैरियर विकल्पों को लेकर अपने अनुभव साझा किए और उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी नानपारा ने छात्राओं द्वारा लगाए गए विभिन्न कैरियर स्टॉलों का अवलोकन किया तथा छात्राओं को जीवन में सदैव उच्च लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को सही दिशा देने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम का संचालन अम्बरीष शुक्ला द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्या प्रीति झा द्वारा किया गया।

राजकीय हाईस्कूल राजापुर कला में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। समग्र शिक्षा (राजकीय माध्यमिक) के अंतर्गत राजकीय हाईस्कूल राजापुर कला, बहराइच में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों की शैक्षिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। वार्षिकोत्सव के प्रथम दिवस खेल एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य मुक्तेश्वर कुमार पोद्दार द्वारा वाणी की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ किया गया। खेल प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने अनुशासन एवं खेल भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में हरिओम विजेता तथा खुशीराम उपविजेता रहे, जबकि महिला वर्ग में रागनी विजेता एवं रोशनी उपविजेता रहीं। कुर्सी दौड़ में पुरुष वर्ग में दानिश तथा महिला वर्ग में शहनाज विजेता रहीं। खो-खो प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग की विजेता टीम के कप्तान अंकित एवं महिला वर्ग की विजेता टीम की कप्तान नेहा सिंह रहीं।

कबड्डी प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग की विजेता टीम के कप्तान मंसूर अली तथा महिला वर्ग की विजेता टीम की कप्तान रागिनी रहीं। द्वितीय दिवस विद्यालय परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आशुतोष त्रिपाठी, प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज लखैया कला द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में शिवकांत, प्रधानाध्यापक राजकीय हाईस्कूल पकड़िया दीवान; संदीप कुमार, प्रधानाध्यापक राजकीय स्कूल रामपुर धोबियाहार संतोष रजक, प्रधानाध्यापक राजकीय हाई स्कूल परगहवा; प्रधान प्रतिनिधि मनोज कुमार तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय राजापुर कला के प्रधानाध्यापक मोहम्मद अकरम उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यालय की 'पंख' पत्रिका के प्रथम संस्करण का विमोचन भी किया गया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक एवं कविताओं ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उत्कृष्ट कार्य करने पर मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

गोण्डा। जिले के प्रगतिशील किसानों को बेहतर कार्य करने पर सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जा रहा है। जिले के कृषि कार्य से जुड़े उद्यमी ने बीज सप्लाई में रिकॉर्ड काम किया, जिसको लेकर मुख्यमंत्री योगी ने सम्मानित किया है।कृषि क्षेत्र में सरकार लगातार किसाने की आय बढ़ाने को लेकर नए-नए प्रयोग कर रही है। लोगों को नए-नए उद्योग धंधों से भी जोड़ रही है।लखनऊ में भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले के बेलसर ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत लौव्वा टेपरा स्थित अथरिस फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सीईओ कुलदीप मिश्रा को बीज आपूर्ति में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र एवं एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया।उनको यह सम्मान जिले में उत्पादित व शोधित कर कई अन्य जनपदों में बीज आपूर्ति के लिए दिया गया है।

जिला जज,डीएम व पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

गोंड़ा। जिलाजज दुर्ग नरायन सिंह जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन एवं पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने जिला कारागार का संयुक्त निरी क्षण किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वहां पर कैदियों से वार्ता की तथा उन्हें जेल में दी जा रही सुविधाओं एवं उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान का रागार अस्पताल में जाकर वहां पर भर्ती कैदि यों से मुलाकात किया,साथ ही सभी भर्ती कैदि यों से वार्ता कर उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली।जिलाधिकारी तथा एसपी ने स्व यं विभिन्न बैरकों,अस्पताल,भोजनालय, भंडार कक्ष,पुस्तकालय आदि का निरीक्षण किया तथा संबंधित को निर्देश दिए कि जेल में जेल मैनुअ ल के अनुसार कैदियों को सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं।इसके साथ ही ऐसे कैदी जिनके पा स वकील नहीं है उनके लिए सरकारी वकील का भी प्रबंध कराया जाय।जेल में निरुद्ध कैदि यों का बराबर मेडिकल चेकअप कराने के भी निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान कारागार में 35 कैदियों को चश्मा वितरण किया गया।निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सं त लाल पटेल,अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जय गोविंद,जेल अधीक्षक,डिप्टी जेलर, कारागार डॉक्टर सहित अन्य अधिकारीगण उ पस्थित रहे।

राशन कार्ड से सम्बन्धित सभी सेवाएं हुई आनलाइन

बहराइच । जनपद के समस्त अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारकों को सूचित किया जाता है कि खाद्य तथा रसद विभाग के पब्लिक डोमेन एफसीएस डाट यूपी डाट जीओवी डाट इन पर आमजनमानस हेतु राशनकार्ड से सम्बन्धित विभिन्न सेवाएँ यथा राशनकार्ड विभाजन, यूनिट स्थानान्तरण, राशनकार्ड स्थानान्तरण, राशनकार्ड समर्पण एवं यूनिट निरस्तीकरण हेतु आवेदन तथा मृत्यु की दशा में राशनकार्ड की मुखिया परिवर्तन हेतु आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसके माध्यम से आवेदक अपने राशनकार्ड से सम्बन्धित इन सेवाओं हेतु अपने राशकार्ड नम्बर तथा राशनकार्ड से लिंक्ड मोबाइल नम्बर के माध्यम से लॉगिन कर आधार आधारित ओटीपी वेरिफिकेशन के पश्चात आवेदन कर सकेंगे। यह जानकारी देते हुए जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी ने बताया कि राशन कार्ड से सम्बन्धित सुविधाओं हेतु अब राशनकार्ड धारकों को आपूर्ति कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। आवेदक उपरोक्त सुविधाओं हेतु स्वयं आवेदन कर सकेंगे तथा इनके आवेदन सक्षम प्राधिकरियों की लॉगिन्स पर स्वतः प्रदर्शित हो जाएगे।

पूर्वोत्तर रेलवे में 25% एलडीसीई कोटा भर्ती प्रक्रिया तेज, पात्रता सूची जारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ के महामंत्री की मांग के बाद, यांत्रिक विभाग के अंतर्गत 25% एलडीसीई कोटा के तहत जेई/यांत्रिक (पे लेवल-06) के रिक्त पदों पर चयन प्रक्रिया ने गति पकड़ ली है। कार्मिक विभाग ने सभी प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद पात्र/अपात्र कर्मचारियों की सूची जारी कर दी है। जारी सूची में कर्मचारियों से उनके विवरण की जांच करने और किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर 24.12.2025 तक कार्यालय को सूचित करने की मांग की गई है, ताकि आगे की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जा सके।. महामंत्री ने संबंधित कर्मचारियों को इसे संज्ञान में लेने और जल्द से जल्द त्रुटि सुधार कराने हेतु निवेदन किया है जिससे बिना किसी नुकशान के भर्ती प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा कराया जा सकेइस अवसर पर संघ उपस्थित पदाधिकारियों में मंडल अध्यक्ष ईश्वर चंद्र विद्यासागर, मंडल मंत्री कुलदीप मणि, मंडल अध्यक्ष मुख्यालय संजीव धर, सूरज गुप्ता,संयुक्त मंडल मंत्री अंशुमाल पाठक, मनोज शुक्ला, संयुक्त मंत्री अभिषेक गुप्ता, मंडल मंत्री अकाउंट शमशाद, अनिल गौतम, राजू रावत, अखिलेश तिवारी, कोषाध्यक्ष बृजपाल सिंह, कैलाश राजभर, गणेश, जयप्रकाश सिंह, सतीश श्रीवास्तव, लक्ष्मी श्रीवास्तव, अंशुमाला पाठक, गणेश, दीपक प्रजापति, तिवारी एस के खरे अमित सिंह, अविनाश राज, अल्बर्ट पीटर, गंगेश राजवंशी, नवनीत शर्मा,शशि भूषण सिंह अजय त्रिपाठी, नंदन चौधरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

इन्दिरा स्टेडियम में 'सांसद खेल महोत्सव' का हुआ रंगारंग आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददात

बहराइच । ''सांसद खेल महोत्सव 2025'' लोकसभा क्षेत्र-56, बहराइच के जनपद स्तर पर 23 दिसम्बर 2025 से प्रारम्भ होकर 25 दिसम्बर 2025 तक आयोजित की जा रही है। जिसमें मटेरा, बलहा, चित्तौरा, नानपारा, महसी से बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिला स्तर पर वालीबाल, कबड्डी, फुटबाल व हॉकी खेल का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद स्तर पर पर लगभग 500 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

ष्प्रतियोगिता का मुख्य अतिथि सांसद बहराइच डॉ. आनन्द कुमार गोंड ने अन्य गणमान्य व संभ्रान्तजन के साथ इन्दिरा स्टेडियम में मॉ सरस्वती के चित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया। प्रतियोगिता में खुले आसमान में तिरंगे गुब्बारे छोड़े गये। जबकि विभिन्न विद्यालयों से आये हुए बालक, बालिकाओं द्वारा मार्च फास्ट कर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर महत्माबुद्ध बुद्ध इण्टर कालेज की बच्चियों द्वारा स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अन्त में मैदान के बीच जाकर फुटबाल एवं हाकी के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त कर उत्साहवर्धन के साथ प्रतिभागियों का आहवान किया कि इस आयोजन का भरपूर लाभ उठायें। खेल प्रतियोगिताओं से बच्चों में खेल की भावना का संचार होता है।

पूर्व प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी ने किसानों को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जिलाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने कृषक को प्रदान की ट्रैक्टर की चाबी

मेले में कृषि विभाग, गन्ना विभाग, उद्यान विभाग, रेशम विभाग, पशु पालन विभाग, मत्स्य विभाग आदि के द्वारा स्टाल लगाकर विभागीय योजनाओं एवं नई तकनीक/प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया

पीलीभीत। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरीचरण सिंह की जयंती के अवसर पर जनपद में किसान सम्मान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, की अध्यक्षता में ड्रमण्ड राजकीय इण्टर कालेज के प्रांगण में कृषि विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (एसएमएई) योजना के अन्तर्गत एक दिवसीय मेला/प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।

मेले में कृषि विभाग, गन्ना विभाग, उद्यान विभाग, रेशम विभाग, पशु पालन विभाग, मत्स्य विभाग आदि के द्वारा स्टाल लगाकर विभागीय योजनाओं एवं नई तकनीक/प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही मेले में प्राइवेट संस्थाओं के द्वारा स्टाल लगाकर अपने उत्पाद के बारे में कृषकों को जानकारी दी गई।

किसान सम्मान दिवस एवं किसान मेले में जनपद के समस्त विकास खण्डों से लगभग 800 प्रगतिशील कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। किसान मेले में प्रदर्शित सभी स्टालों का ज्ञानेन्द्र सिंह, जिलाधिकारी, संजीव प्रताप सिंह जिलाध्यक्ष, गुरभाग सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि, रामसरन वर्मा, पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी द्वारा कृषक भाईयों से अपील की गई कि कृषक भाई एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाकर मुर्गी पालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन का भी कार्य करें, जिससे अधिक आय प्राप्त होगी। मा0 जनप्रतिनिधियों ने अपने उद्बोधन के द्वारा कृषकों को नई-नई जानकारियां उपलब्ध कराई। मेले में आये हुए समस्त कृषकों को सभी विभागीय अधिकारियों द्वारा उनके विभाग में संचालित योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। कृषि विज्ञान केन्द्र पीलीभीत के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 एस0एस0 ढाका एवं डा0 दीपक कुमार के द्वारा रबी ऋतु की सभी फसलों की समसामयिक क्रिया-कलापों एवं कृषि की विभिन्न नवीनतम तकनीकियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

किसान सम्मान दिवस के अवसर पर जिले के कुल 63 किसानों को उनके द्वारा कृषि के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय योगदान के लिए जिलाधिकारी के द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें 14 कृषकों को जनपद स्तरीय प्रथम पुरस्कार, 14 कृषकों को जनपद स्तरीय द्वितीय पुरस्कार एवं 35 कृषकों को विकास खण्ड स्तरीय प्रथम पुरस्कार प्रदान किये गये। महकफ़ेड प्रोड्यूसर कम्पनी लि0 को 80 प्रतिशत अनुदान पर एवं वीरेन्द्र पाल को 40 प्रतिशत अनुदान पर टेझक्टर की चाबी जिलाधिकारी एवं मा0 जनप्रतिनिधियों के द्वारा भेंट की गईइस अवसर पर जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, जिलापंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरभाग सिंह, रामसरन वर्मा, पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, राममिलन सिंह परिहार, उप कृषि निदेशक, पवन कुमार, परियोजना निदेशक, डी0आर0डी0ए0, इं0 प्रवीन प्रकाश गौतम, अधिशासी अभियंता सिंचाई, नरेन्द्र पाल, जिला कृषि अधिकारी, खशीराम, जिला गन्ना अधिकारी, डा0 प्रदीप कुमार, सहायक निबन्धक सहकारिता, आर0डी0 गंगवार, जिला उद्यान अधिकारी, इं0 कौशल किशोर, उप संभागीय कृषि प्रसाद अधिकारी सहित अन्य अधिकारी, कृषकगण उपस्थित रहे।

तहसील परिसर में युवक और अधिवक्ता के बीच मारपीट, वीडियो वायरल

पूरनपुर। तहसील परिसर मंगलवार दोपहर लगभग 2:30 पर उस समय अफरा-तफरी का केंद्र बन गया, जब एक युवक और अधिवक्ता के बीच कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हो गई। घटना एसडीएम कार्यालय के बाहर हुई, जहां बड़ी संख्या में फरियादी, अधिवक्ता और कर्मचारी मौजूद थे। मारपीट का वीडियो किसी व्यक्ति ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद तहसील परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र का एक युवक किसी काम से तहसील परिसर पहुंचा था। इसी दौरान उसकी एक अधिवक्ता से किसी बात को लेकर बहस हो गई। देखते ही देखते बहस ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों में हाथापाई शुरू हो गई। आसपास मौजूद लोग व पुलिस ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक मारपीट जारी रही। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि संवेदनशील माने जाने वाले तहसील परिसर में लोग बेखौफ होकर आपस में भिड़ रहे हैं।

मतदाता सूची प्रकाशन की जानकारी लेने बूथ पर पहुंचे किसान नेता

पूरनपुर। विकास खंड की ग्राम पंचायत शेरपुर कला में चुनाव आयोग द्वारा सभी बूथ पर किए जा रहे ग्राम पंचायत मतदाता सूची के प्रकाशन के मौके पर पहुंचकर किसान नेता हाजी रियाजत नूर खा ने बूथ संख्या एवं अन्य बूथ स्थलों के विद्यालयों में जाकर मतदाता सूची का बारीकी से निरीक्षण कर मतदाताओं का मिलान किया जिसमें कोई भी ग्राम पंचायत का मतदाता मतदान करने से वंचित न रह जाए इसी कड़ी में बूथ स्थलों पर नए वोटो की संख्या कम बढ़ पाना जानकारी की है ।जिसमें ग्राम पंचायत के सभी मतदाताओं से जिम्मेदारों से अपील की अपने-अपने परिवारों के 18 साल की आयु पूरी कर चुके या जो बाहर से शादी होकर आई बहू बेटियों के अपने नए मतदाता बनाने का सहयोग कर जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें यहां पर उपस्थित हाजी रियाजत नूर खान रामदीन भारती डॉक्टर कैफ खान निर्वाचन से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी गण सुपरवाइजर फुरकान ,कपिल गुप्ता, श्री चरण,शाहिद खान सहित तमाम नागरिकों ने मतदाता सूची प्रकाशन में भाग लिया है।

गौ रक्षा हिंदू दल ने बांग्लादेश का फूंका पुतला

पूरनपुर। गौ रक्षा हिंदू दल ने बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंककर विरोध दर्ज किया गौ रक्षा हिंदू दल के जिला अध्यक्ष सचिन भारती पीलीभीत और जिला अध्यक्ष बरेली टीम के नेतृत्व में बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंका गया इस दौरान तहसील उपाध्यक्ष हेमंत मोर्य सुधांशु पाठक जिला मंत्री जितेंद्र मोरिया जिला उपाध्यक्ष गजेंद्र भास्कर मुकेश बाबू इसी दौरान जिला बरेली से पहुंचेदेवेंद्र भास्कर गौ रक्षा हिंदू दल के युवा जिला अध्यक्षरजत पंडित जिला प्रभारी रविंद्र प्रताप सिंह जिला मंत्री संतोष गंगवार जी आदि लोग उपस्थित रहे सुरक्षा के मद्दे नजर थाना अध्यक्ष अमरिया में फोर्स के साथ मौके पर मौजूद रहे

विवाह मुक्त भारत अभियान

पीलीभीत। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष अधिनियम 2013 से सम्बंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी द्वारा सभी अधिकारियों का स्वागत किया ततपश्चात कार्यशाला के बारे विस्तार से बताया गया कि सभी कार्यालयों आन्तरिक परिवाद समिति का गठन किया जाना आवश्यक है। सभी कार्यालयों में शी बॉक्स पोर्टल पर समिति की जानकारी अपडेट करनी है , जिसका उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 पर विस्तृत जानकारी साझा की गई । इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शीघ्र ही समितियों का गठन कराए व पोर्टल पर अपडेट कराएं ।इसी क्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा बताया गया कि शासन से वाल विवाह मुक्त भारत अभियान चलाए जाने हेतु 100 दिवस की कार्ययोजना भेजी गई जिसमें सभी विभागों की जिम्मेदारी तय की गई है कि उनके द्वारा सभी ग्राम पंचायतों जागरूकता कार्यक्रम करें जिससे बाल विवाह पर रोक लगाई जाए। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पिछड़े क्षेत्रों में सभी ग्राम प्रधानों के साथ बृहद बैठक का आयोजन कर आंगनवाड़ी केन्द्रों, स्कूलों आदि में जागरूकता कार्यक्रम करें साथ ही बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ ली गई कार्यशाला में मा0 सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुख्य विकास अधिकारी आर0के0 श्रीवास, जिला विकास अधिकारी संजय कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल, सीएमओ एवं महिला कल्याण के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे है।

छः माह के बहिष्कार के बाद चली नायब तहसीलदार की कोर्ट

सुलतानपुर। तहसील बल्दीराय में नायब तहसीलदार की कोर्ट का विगत लगभग छः माह से चला आ रहा बहिष्कार मंगलवार को समाप्त हो गया। बहिष्कार खत्म होते ही कोर्ट का नियमित संचालन शुरू हो गया, जिससे क्षेत्र के वादकारियों में न्याय मिलने की नई उम्मीद जगी है। बताया जा रहा है कि नायब तहसीलदार बल्दीराय की कोर्ट का बहिष्कार अधिवक्ता संघ के कानूनी एवं आपसी मतभेदों के चलते चल रहा था। इस कारण लंबे समय से वादों की सुनवाई प्रभावित हो रही थी और वादकारी न्याय के लिए भटकने को मजबूर थे। मंगलवार को आपसी सहमति और मतभेद समाप्त होने के बाद बहिष्कृत कोर्ट का संचालन पुनः शुरू हो गया। अब यह कोर्ट प्रतिदिन नियमित रूप से चलेगी, जिससे लंबित मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है। कोर्ट के दोबारा शुरू होने से तहसील क्षेत्र के वादकारियों में राहत का माहौल है और लोगों को भरोसा है कि अब उनके मामलों की सुनवाई समयबद्ध तरीके से हो सकेगी।

विद्युत डिवीजन कार्यालय में मारपीट का मामला गरमाया, दोनों पक्ष पहुंचे कोतवाली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिजली काटे जाने से मचा हड़कंप

पूरनपुर । विद्युत डिवीजन कार्यालय में अधिवक्ता और विद्युत कर्मियों के बीच हुई मारपीट का मामला मंगलवार को तूल पकड़ गया। घटना के बाद दोनों पक्ष शिकायत लेकर कोतवाली पहुंचे, वहीं विवाद के चलते नगर और देहात क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित होने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विद्युत डिवीजन कार्यालय में तैनात सहायक कैशियर शिवांशु मिश्रा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 23 दिसंबर 2025 को सुबह करीब 11:45 बजे वह कैशरूम में प्रतिदिन की तरह कैश जमा कर रहे थे। इसी दौरान अधिवक्ता संजय पांडे अपने लगभग आठ साथियों के साथ कैशरूम में घुस आए और सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने हाथापाई और मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आईं। आरोप है कि इस दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया, अन्य कर्मचारियों को ढूंढकर मारने की धमकी दी गई और महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज अस्त-व्यस्त कर दिए गए।कैशियर का आरोप है कि जमा की गई विद्युत बिलों की कुल रकम 2,66,769 रुपये में से 1,39,189 रुपये लूट लिए गए, घटना के बाद कार्यालय में भय का माहौल है और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई है। वहीं दूसरी ओर अधिवक्ता संजय पांडे ने भी कोतवाली में तहरीर दी। उन्होंने बताया कि वह अधिवक्ता जैतराम पासवान के साथ विद्युत बिल संबंधी समस्या के समाधान और सरकारी योजना का लाभ लेने एसडीओ कार्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि वहां मौजूद एसडीओ गुप्ता ने अभद्र टिप्पणी की और जातिसूचक गालियां दीं, साथ ही अन्य लोगों को बुलाकर जान से मारने की धमकी दी गई। दोनों पक्ष कोतवाली पहुंचे और हंगामे की जानकारी होते ही एसडीएम अजीत प्रताप सिंह व पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रतीक दहिया कोतवाली पहुंचे और दोनों पक्ष से वार्ता की। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

बालिका इण्टर कालेज में छात्राओं को दी गई आत्मरक्षा और साइबर सुरक्षा की सीख

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर पुलिस ने मिशन शक्ति 5.0 के तहत

पूरनपुर। महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर थाना पूरनपुर पुलिस टीम ने एक सराहनीय पहल की है मिशन शक्ति 5.0 – सुरक्षित नारी सशक्त नारीङ्क के अंतर्गत बालिका इण्टर कालेज में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं को व्यक्तिगत सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सरकारी सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई

इस कार्यक्रम में महिला उपनिरीक्षक ऋतु चौधरी (मिशन शक्ति प्रभारी), और महिला हेड कांस्टेबल दीपिका ने छात्राओं को सुरक्षा के व्यावहारिक उपायों के साथ-साथ साइबर अपराध से बचाव, नारी स्वावलंबन, और कानूनी अधिकारों की जानकारी दी छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और सुरक्षा से जुड़े कई सवाल पूछे पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में चल रहे ह्लमिशन शक्तिङ्क अभियान के तहत जनपद के सभी थानों में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं इन केंद्रों के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण, मनोवैज्ञानिक सहायता और कानूनी सलाह दी जा रही है पुलिस का कहना है कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि समाज में सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम साबित होता है टीम ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण कानून बनाए गए हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक, मानसिक और कानूनी रूप से सशक्त बनाना है। छात्राओं को घरेलू हिंसा अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों तथा बाल संरक्षण कानूनों के बारे में सरल भाषा में समझाया गया। इसके साथ ही विभिन्न आपातकालीन एवं सहायता हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। महिला सुरक्षा केंद्र टीम ने 112, 1090, 1091, 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सहित अन्य महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में बताते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न या आपात स्थिति में इन नंबरों पर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सकती है कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराध से बचाव को लेकर भी विशेष रूप से जागरूक किया गया टीम ने छात्र-छात्राओं को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, अनजान कॉल या लिंक से बचने, ओटीपी एवं व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने तथा ऑनलाइन ठगी के तरीकों के बारे में जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। महिला सुरक्षा केंद्र टीम ने छात्राओं से निर्भीक होकर आगे बढ़ने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बिना संकोच पुलिस की मदद लेने का संदेश दिया

कटसारी कादीपुर में शिमला मिर्च की खेती पर किसान गोष्ठी

कृषि विशेषज्ञ ने किसानों से किया संवाद, कम लागत में अधिक उत्पादन पर दिया जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कादीपुर, सुल्तानपुर। कादीपुर तहसील के ग्राम सभा कटसारी कादीपुर में शिमला मिर्च की उन्नत खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में कृषि विशेषज्ञ डॉ. जे.पी. सिंह ने किसानों को शिमला मिर्च की खेती से जुड़ी आधुनिक तकनीकों और आर्थिक लाभ की जानकारी दी। डॉ. सिंह ने बताया कि सही किस्म का चयन, संतुलित खाद व उर्वरक का प्रयोग, समय पर सिंचाई और कीट एवं रोग प्रबंधन से शिमला मिर्च की खेती किसानों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। उन्होंने नर्सरी तैयार करने की विधि, पौध रोपण की उचित दूरी, मल्चिंग तकनीक तथा पॉलीहाउस और खुले खेत में खेती के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर भी विस्तार से चर्चा की। गोष्ठी के दौरान किसानों ने अपनी समस्याएं और अनुभव साझा किए, जिनका समाधान विशेषज्ञ द्वारा मौके पर ही किया गया। किसानों ने बाजार की संभावनाओं और फसल से बेहतर आमदनी को लेकर भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर योगेंद्र पांडेय, राजकुमार पांडेय, नितिन पांडेय, डब्बू वर्मा, राजेश वर्मा, उमेश पांडेय, अनिल पाठक, मनीष पांडेय, संतोष पांडेय सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। किसानों ने गोष्ठी को उपयोगी बताते हुए भविष्य में इस तरह की बैठकों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की।

बस स्टेशन पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर । सुल्तानपुर जिले के रोडवेज बस स्टेशन स्थित रैन बसेरे में एक यात्री का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। यात्री की मौत से हड़कंप मच गया। रोडवेज प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने मृत यात्री के शव को कब्जे में लेकर सुल्तानपुर चिकित्सा महाविद्यालय भिजवाया। शुरुआती आशंका जताई जा रही है कि यात्री ने बीती रात शराब पी रखी थी। पुलिस पड़ताल में जुटी है। रैन बसेरे के रजिस्टर में यात्री ने अपना नाम राजकुमार शर्मा और पता ग्राम महरुआ, अंबेडकरनगर दर्ज कराया था। हालांकि, यात्री के पास से मिले आधार कार्ड में उसका नाम राजकुमार राम केवल शर्मा, उम्र 45 वर्ष और पता जैतूनपुरा, भिवंडी, ठाणे, महाराष्ट्र लिखा मिला है। इस घटना से जिला प्रशासन में भी हड़कंप मच गया है। हालांकि, मौत के सही कारण का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन ठंड से मौत की आशंका भी जताई जा रही है। गौरतलब है कि बीती रात जिलाधिकारी ने स्वयं बस स्टेशन पर रैन बसेरे का दौरा किया था और सभी यात्रियों को अतिरिक्त कंबल वितरित किए थे। सभी यात्री रजाई भी ओढ़े हुए थे।

डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुई उद्योग बंधु व व्यापार बंधु की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। उद्योग बंधु व व्यापार बंधु की संयुक्त बैठक में जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में जिले के प्रमुख 25 निवेशकों को आमंत्रित न किए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रमुख निवेशकों के साथ अलग से बैठक आयोजित की जाए। डीएम कुमार हर्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशानुसार जिले के औद्योगिक विकास को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

बैठक में जर्जर सुपर मार्केट चौक, अतिक्रमण की समस्या, बिना जीएसटी भुगतान के खुर्शीद क्लब में संचालित प्रदर्शनी, तथा चौक क्षेत्र में दुकानदारों द्वारा दुकान के सामने की पटरी को अवैध रूप से किराए पर देने जैसे गंभीर मुद्दे उठाए गए। व्यापारिक संगठनों ने अतिक्रमण के कारण व्यापारियों को हो रहे आर्थिक नुकसान का मुद्दा उठाते हुए प्रशासन से राहत की मांग की। वहीं चौक क्षेत्र में ई-रिक्शा प्रतिबंध को लेकर पूछे गए सवाल पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन सभी वर्गों के हितों का समान रूप से ध्यान रखते हुए रोजी-रोटी और रोजगार को प्राथमिकता देता है। डीएम ने व्यापारियों से स्वयं अतिक्रमण हटाकर सड़कों को साफ रखने की अपील की और संकेत दिए कि जिला प्रशासन जल्द ही बड़े स्तर पर अभियान चलाने जा रहा है। अतिक्रमणकारियों और अवैध कब्जाधारियों पर भारी जुर्माना लगाने व कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में सराफा व्यापार मंडल के अध्यक्ष देवी प्रसाद सोनी और स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष राजकुमार सोनी ने व्यापारी, मजदूर और पटरी दुकानदारों के बीच संतुलन बनाने की मांग उठाई। वहीं किराना व्यापार मंडल के अध्यक्ष आलोक सागर द्वारा चलाए जा रहे व्यापार बचाओ अभियान पर भी चर्चा हुई। अतिक्रमण हटाने और व्यापारियों के हितों को लेकर व्यापारी संगठनों के नेताओं के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली, जिसे जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने किसी तरह नियंत्रित किया। कुल मिलाकर उद्योग बंधु और व्यापार बंधु की यह बैठक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। बैठक के बाद आम चर्चा का विषय यह रहा कि व्यापारी नेताओं द्वारा मुद्दे अपने-अपने स्वार्थ के अनुसार उठाए गए।

सीओ ने वाहन चालकों को पढ़ाया जागरुकता का पाठ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तिलोई अमेठी। क्षेत्राधिकारी तिलोई द्वारा मंगलवार को कस्बा मोहनगंज में आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया और घने कोहरे को देखते हुये वाहनों में रेट्रो रिफ्लेक्टर लगाये गये। मंगलवार को क्षेत्राधिकारी तिलोई यातायात दिनेश कुमार मिश्र द्वारा कस्बा मोहनगंज में यातायात के संबंध में जनजागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें यातायात नियमों का पालन करने तथा तेज गति से वाहन न चलाने,नशे की हालत में वाहन न चलाने, निर्धारित मानक से अधिक सवारी न बैठाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, अवयस्क को वाहन न चलाने देने, सीट बेल्ट का प्रयोग करने, दो पहिया वाहनों पर हेलमेट का प्रयोग करने, वाहनों को ओवर लोड न चलाने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गयी।यातायात नियमों से संबंधित पम्पलेट व हैण्डबिल वितरित किये गये।घने कोहरे व धुंध को देखते हुये सड़क दुर्घटनाओं में रोकथाम हेतु अभियान चलाकर वाहनों में आगे पीछे रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगाये गये।इस दौरान थाना मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह, यातायात प्रभारी व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

घने कोहरे के चलते आधा दर्जन गाड़ियां आपस में टकराने से तीन की मौत, बीस लोग घायल

अमेठी। थाना मुसाफिरखाना क्षेत्र के मंगलम डिग्री कॉलेज के पास से होकर गुजरने वाले लखनऊ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीती रात करीब दो बजे भीषण सड़क हादसा हो गया जिसमें एक साथ करीब आधा दर्जन गाड़ियां आपस में टकराई जिसके चलते इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि बीस लोग घायल हो गये हैं। घटना के बाद स्थानीय पुलिस के साथ एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक के साथ ही सीएमओ मौके पर पहुंचकर दिशा निर्देश दिया। लखनऊ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात्रि करीब दो बजे के आसपास घने कोहरे के कारण एक ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया उसके पीछे लगातार तीन ट्रकों एक दूसरे में टकराती रही और उसके बाद पीछे से सवारी से भरी हुई हरदोई डिपो की रोडवेज जनरथ बस आकर दुर्घटनाग्रस्त ट्रक में टकरा गई तभी उसके पीछे आ रही कार बस में टकराई जैसे ही टक्कर होती गई गाड़ियों से सवारियां निकालकर मौके से भागने लगी।कार के पीछे भी आ रही एक ट्रक में कार को इतनी जबरदस्त टक्कर मारी की कर सीधा बस में जा घुसी।गनीमत इतनी ही रही कि कार सवार लोग कार से निकलकर बाहर जा चुके थे। स्थानीय लोग बताते हैं कि देर रात चीख पुकार के साथ अफरा तफरी का माहौल बन गया।सूचना पर पहुंची स्थानीय कोतवाली पुलिस ने दुर्घटना स्थल के पहले डिवाइडर लगाकर वाहनों का डायवर्जन कर दिया उसके बाद घायलों को वाहनों से निकाला जाने लगा. 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को नजदीक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुसाफिरखाना में भेजा गया. जहां पर डॉक्टर ने दो घायलों को मृत घोषित कर दिया और सामान्य रूप से घायल लोगों का इलाज किया जा रहा है परंतु गंभीर रूप से घायल लोगों को प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।सीएमओ डॉ अंशुमान सिंह ने बताया कि इस दुर्घटना में कल बीस लोगों को घायलावस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुसाफिरखाना ले जाया गया जिसमें से दस घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया और गंभीर अवस्था को देखते हुए सुल्तानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया जबकि अन्य दस घायलों का इलाज सीएचसी में ही चल रहा है और दो ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई थी।मृतकों की पहचान मंजीत उम्र पच्चीस वर्ष पुत्र जीत सिंह निवासी गजरौला कला जनपद पीलीभीत और शमशाद पुत्र जगन उम्र चौबीस वर्ष निवासी जायस जनपद अमेठी के रूप में हुई है।तीसरे व्यक्ति की मौत हायर सेंटर में इलाज के दौरान हुई है खबर लिखे जाने तक उसका डिटेल नही मिल पाया है।अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र मुसाफिरखाना में लखनऊ से बनारस जाने वाले हाईवे पर घने कोहरे के कारण एक ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई।उसके पीछे से आते हुए तीन ट्रक बारी बारी से टकराते चले गये उसके पीछे एक जनरथ बस टकराई उसके पीछे एक कार आकर टकरा ग़ई . घटना की सूचना मिलते ही तत्काल सभी उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे. इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों को तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा गया जहां पर डॉक्टर के द्वारा दो लोगों को मृत घोषित कर दिया गया. अन्य दो लोग गंभीर रूप से घायल है. घायलों में कुछ का इलाज जिला अस्पताल सुल्तानपुर में चल रहा है. जबकि कुछ लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुसाफिरखाना में भर्ती कराया गया है. मृतकों के पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्यवाही कराई जा रही है. मृतकों के परिजनों को सूचना दी जा रही है तथा दुर्घटना के विषय में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है. दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को मौके से हटवा कर हाईवे को सुचारू रूप से आवागमन के लिए चला दिया गया है।

चार दिवसीय किसान मेला में अड़तीस प्रगतिशील किसान हुये सम्मानित

अमेठी। कृषि विभाग द्वारा मंगलवार को चार दिवसीय पारम्परिक ग्राम्य किसान मेला एवं किसान सम्मान दिवस का आयोजन कृषि भवन ताला अमेठी में किया गया। किसान मेले में कृषि, उद्यान, मत्स्य, पशुपालन, बैंक, सहकारिता, समाज कल्याण, उद्योग, स्वयं सहायता समूह, दुग्ध सहित विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाये गये जहां किसानों को विभागीय योजनाओं, अनुदान, तकनीकी सहायता एवं लाभकारी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि एवं मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह द्वारा किया गया।जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा जनपद में उत्कृष्ट उत्पादन करने वाले अड़तीस प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।मेले के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिकों, कृषि एवं अन्य विभागों के अधिकारियों तथा प्रगतिशील किसानों द्वारा मृदा परीक्षण, फसल चक्र, संतुलित उर्वरकों के प्रयोग एवं उन्नत खेती के तरीकों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

सम्पादकीय

जानलेवा आबोहवा

देश-दुनिया में दिल्ली में प्रदूषण को लेकर भारी चिंता है, लेकिन यह सिर्फ दिल्ली का ही संकट नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हरियाणा, उ.प्र. व राजस्थान के कई शहर भी प्रदूषणग्रस्त हैं। इसके अलावा लखनऊ, वाराणसी, जयपुर, पटना, मुजफ्फरपुर, कानपुर व देश के अन्य शहरों में भी प्रदूषण संकट आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहा है। हालांकि, इन शहरों में संकट दिल्ली जैसा नहीं है, लेकिन पूरे देश के लिए दीर्घकालीन योजना बनाने की जरूरत तो है। दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में तीसरे स्थान पर आने वाली दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक का 450 के आसपास बना रहना, निश्चय ही खतरे की घंटी है। दिल्ली सरकार द्वारा उत्सर्जन मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के शहर में प्रवेश पर रोक, दफ्तरों में वर्क फ्रॉम-होम, स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई, तोड़फोड़ व निर्माण पर रोक के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। इसी बीच, चीन के दूतावास ने दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण में मदद की पेशकश की है। चीनी दूतावास की एक प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट में स्क्रीनशॉट साझा किया है, जिसमें दिल्ली में एक्यूआई 447 व बीजिंग में 67 दिखाई दे रहा है। निस्संदेह, भारत व चीन दोनों ही तीव्र शहरीकरण की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। लेकिन चीन ने योजनाबद्ध ढंग से उस परिदृश्य को दूर किया है, जिसमें चीन के तमाम शहर सर्दियों में स्मॉग से ढके रहते थे। हालांकि, साम्यवादी चीन व लोकतांत्रिक भारत में नीतियों के क्रियान्वयन में मूलभूत अंतर है। फिर भी चीन की सफलता से सीखा जा सकता है। चीन ने पिछले दो दशकों में आक्रामक ढंग से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाया। वाहन उत्सर्जन पर नियंत्रण किया। लाइसेंस प्लेट लॉटरी व ऑड-ईवन से सड़कों पर वाहनों को कम किया। उसने बड़े मेट्रो-बस नेटवर्क को बढ़ाकर सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाया। करीब तीन हजार के करीब भारी उद्योगों को बीजिंग व आसपास के शहरों से हटाया गया। एक बड़ी स्टील कंपनी को हटाने से घातक कणों में बीस फीसदी की कमी आई। सबसे अधिक जोर कोयले पर आधारित बिजली संयंत्रों व उद्योगों पर रोक लगाने में लगा। इसके अलावा, निर्माण स्थलों पर धूल-रोधी जाली लगाने, पानी के छिड़काव-सफाई, किसानों को पराली भत्ता देने व प्रदूषण के पीक समय में निर्माण पर रोक जैसे कदम उठाए। वहां पौधारोपण को बढ़ावा दिया गया। निस्संदेह, बीजिंग व दिल्ली की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन बीजिंग मॉडल पर विचार होना चाहिए। दरअसल, दिल्ली की भौगोलिक परिस्थिति बीजिंग से भिन्न है, दिल्ली लैंडलॉक्ड क्षेत्र है, आसपास समुद्री इलाका भी नहीं है। लेकिन कोयला आधारित संयंत्रों को बंद करने, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने तथा औद्योगिक संस्थानों को राजधानी की सीमा से बाहर किया जाना चाहिए। इस कार्य के लिए विशेष बजट की भी व्यवस्था हो। चिंता की बात यह भी है कि दिल्ली की तीन सौ किमी की परिधि में ग्यारह कोयला आधारित पॉवर प्लांट्स हैं, जिन्हें सर्वाधिक प्रदूषण का स्रोत माना जाता है। बहरहाल, दीर्घकालिक नीति बनाने व फैसलों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है।

> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हरियाणा, उ.प्र. व राजस्थान के कई शहर भी प्रदूषणग्रस्त हैं। इसके अलावा लखनऊ, वाराणसी, जयपुर, पटना, मुजफ्फरपुर, कानपुर व देश के अन्य शहरों में भी प्रदूषण संकट आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहा है। हालांकि, इन शहरों में संकट दिल्ली जैसा नहीं है, लेकिन पूरे देश के लिए दीर्घकालीन योजना बनाने की जरूरत तो है। दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में तीसरे स्थान पर आने वाली दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक का 450 के आसपास बना रहना, निश्चय ही खतरे की घंटी है।

भूमि की बिगड़ती सेहत और किसान

संयुक्त राष्ट्र की जलवायु परिवर्तन संबंधी अंतर-सरकारी समिति द्वारा अगस्त-2019 में जारी एक अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में 23 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि का क्षरण हो चुका है। भारत में यह आंकड़ा 30 प्रतिशत भूमि के क्षरण का है। इसे देखते हुए निकट भविष्य में भूमि में व्यापक सुधार नहीं हुए तो यह समस्या एक प्राकृतिक आपदा में बदलती चली जाएगी। यह विडंबना है कि भारत में रोटी और रोजगार का सबसे बड़ा संसाधन बनी भूमि की गुणवत्ता अथवा उसकी बिगड़ती सेहत को जांचने का अब तक कोई राष्ट्रव्यापी पैमाना नहीं है। जबकि देश की कुल आबादी में से सत्तर प्रतिशत आबादी कृषि और प्राकृतिक संपदा से रोजी-रोटी जुटाती है। भूमि की उर्वरता और क्षरण को लेकर टुकड़ों में तो आकलन आते रहते हैं, लेकिन इस स्थिति की वास्तविक हालत का खुलासा करने वाला कोई एक मानचित्र नहीं है। हालांकि अशासकीय स्तर पर इस मांग की आपूर्ति अहमदाबाद की संस्था 'स्पेस एप्लिकेशन सेंटर' ने सत्रह अन्य इसी काम से जुड़ी एजेंसियों के साथ मिलकर की है। जमीन की सेहत से जुड़ा यह शोध बताता है कि आधुनिक व औद्योगिक विकास, जल व वायु प्रदूषण और कृषि भूमि में खाद व कीटनाशकों के बढ़ते चलन ने किस तरह से उपयोगी भूमि को रेगिस्तान में तब्दील करने का सिलसिला जारी रखा हुआ है। 'स्पेस एप्लिकेशन सेंटर' द्वारा किए शोध के मुताबिक राजस्थान का 21.77 प्रतिशत, जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाख का 12.79 और गुजरात में 12.72 प्रतिशत क्षेत्र रेगिस्तान में बदल चुका है।

दुनिया के अनेक देशों की तरह भारत भी वन क्षरण, अत्यधिक कृषि गतिविधियों से भूमि की नमी घटने और उसकी उर्वरता कम होने की समस्या से जूझ रहा है। इन कारणों के चलते भारत की 30 प्रतिशत से भी ज्यादा भूमि की सेहत बिगड़ गई है। शहरीकरण और औद्योगिक विकास से कृषि भूमि नष्ट हो रही है। वहीं उद्योग, बिजली और सिंचाई व पेयजल के लिए बड़े बांधों के अस्तित्व में आ जाने के कारण दलदली भूमि भी बढ़ रही है। यह समस्या मध्य-प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और पंजाब में सर्वाधिक होने के साथ, इन्हीं राज्यों के क्षेत्रफल के बराबर है। इससे 72000 करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। क्षरण और भूमि के मरुस्थलीकरण से हमारे सकल घरेलू उत्पाद में 2.5 प्रतिशत और फसल की पैदावार में भी कमी आई है। इधर खेतों में रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक और जीएम फसलों की पैदावार ने भी खेतों की सेहत बिगाड़ने का काम बड़ी मात्रा में किया है। नतीजतन जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव भी गहरा गए हैं। वैश्विक स्तर पर भूमि क्षरण की समस्या के समाधान के लिए 450 अरब डॉलर का वार्षिक खर्च आएगा। यदि इसमें सुधार जल्दी नहीं किया गया तो विश्व में 3.2 अरब लोगों का जीवन संकटग्रस्त हो सकता है। भारत के लिए यह समस्या इसलिए विकराल है क्योंकि दुनिया की 18 प्रतिशत जनसंख्या भारत में बसती है, जबकि दुनिया की कुल भूमि का भारत के पास महज 2.4 प्रतिशत भू-भाग ही है। साफ है, उपजाऊ जमीन का बंजर भूमि में बदलना चिंता का विषय है। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु परिवर्तन संबंधी अंतर-सरकारी समिति द्वारा अगस्त-2019 में जारी एक अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में 23 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि का क्षरण हो चुका है। भारत में यह आंकड़ा 30 प्रतिशत भूमि के क्षरण का है। इसे देखते हुए निकट भविष्य में भूमि में व्यापक सुधार नहीं हुए तो यह समस्या एक प्राकृतिक आपदा में बदलती चली जाएगी। यह विडंबना है कि भारत में रोटी और रोजगार का सबसे बड़ा संसाधन बनी भूमि की गुणवत्ता अथवा उसकी बिगड़ती सेहत को जांचने का अब तक कोई राष्ट्रव्यापी पैमाना नहीं है। जबकि देश की कुल आबादी में से सत्तर प्रतिशत आबादी कृषि और प्राकृतिक संपदा से रोजी-रोटी जुटाती है। भूमि की उर्वरता और क्षरण को लेकर टुकड़ों में तो आकलन आते रहते हैं, लेकिन इस स्थिति की वास्तविक हालत का खुलासा करने वाला कोई एक मानचित्र नहीं है। हालांकि अशासकीय स्तर पर इस मांग की आपूर्ति अहमदाबाद की संस्था 'स्पेस एप्लिकेशन सेंटर' ने सत्रह अन्य इसी काम से जुड़ी एजेंसियों के साथ मिलकर की है। जमीन की सेहत से जुड़ा यह शोध बताता है कि आधुनिक व औद्योगिक विकास, जल व वायु प्रदूषण और कृषि भूमि में खाद व कीटनाशकों के बढ़ते चलन ने किस तरह से उपयोगी भूमि को रेगिस्तान में तब्दील करने का सिलसिला जारी रखा हुआ है। 'स्पेस एप्लिकेशन सेंटर' द्वारा किए शोध के मुताबिक राजस्थान का 21.77 प्रतिशत, जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाख का 12.79 और गुजरात में 12.72 प्रतिशत क्षेत्र रेगिस्तान में बदल चुका है। मध्यप्रदेश में चंबल के बीहड़ पिछले 60 साल में 45 प्रतिशत बढ़े हैं। महाराष्ट्र में विदर्भ और उत्तर-प्रदेश व मध्यप्रदेश में बुंदेलखण्ड क्षेत्र की कृषि का अनावृष्टि के कारण तेजी से क्षरण हो रहा है। वहीं भू-जल के बेतहाशा दोहन और अल्पवर्षा के चलते खेतों में दस सेंटीमीटर नीचे एक ऐसी कठोर परत बनती जा रही है, जो कालांतर में फसल की उत्पादन क्षमता को प्रभावित करेगी। रेगिस्तान के विस्तार की तह में अतिवृष्टि और अनावृष्टि का चक्र तो है ही 1999 के बाद से मानसून की दगाबाजी ने उपजाऊ भूमि को बंजर भूमि में बदल देने का काम किया है। इन्हीं वजहों से देश के पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्र भूमिक्षरण के प्रभाव में आए जंगलों का विनाश, चरनोई की भूमि को कृषि व आवासीय भूमि में तब्दील करना और एक तरह की फसल पैदा करने के बढ़ते चलन से भूमि की सेहत बिगड़ी है। कुछ ऐसी ही वजहों के चलते बर्फीली वादियों से लेकर घने वनों वाले क्षेत्र भी फैलते रेगिस्तान की गिरफ्त में आ गए हैं। जिस हरित क्रांति के बूते पंजाब को देश में अनाज के अटूट भंडार का दर्जा हासिल हुआ था, वही पंजाब आज रासायनिक खादों का बेतहाशा उपयोग करने के कारण बड़े क्षेत्र में अपनी कृषि भूमि बर्बाद कर चुका है। देश के कुल कृषि क्षेत्र का 1.5 प्रतिशत भाग पंजाब के हिस्से में है। जबकि देश में कीटनाशकों की कुल खपत का 18 फीसदी उपयोग पंजाब के किसान करते हैं। इसी तरह पंजाब के मालवा क्षेत्र का कपास क्षेत्र पूरे पंजाब का केवल 15 फीसदी है, जबकि यहां पंजाब के कुल कीटनाशकों की खपत 70 फीसदी है। पंजाब के मालवा का क्षेत्र देश के कुल भू-भाग का मात्र 0.5 भाग है, जबकि यहां देश में कुल खपत होने वाले कीटनाशकों की 10 फीसदी खपत होती है। जिस भांखड़ा नांगल बांध को हम पंजाब की उन्नत खेती का आधार मानते हैं, इस बांध से जल रिसाब के चलते पंजाब की अब तक ढाई लाख हेक्टेयर कृषि भूमि दलदल में बदल चुकी है। यही नहीं कीटनाशकों और रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते इस्तेमाल ने यहां कैंसर की बीमारी को खतरनाक ढंग से बड़ी आबादी में फैला दिया है। कृषि के आधुनिकीकरण व यांत्रिकीकरण ने भी भूमि की सेहत को बिगाड़ने का काम किया है। इस बाबत ग्वालियर चंबल क्षेत्र में किए गए एक शोध के मुताबिक इस अंचल की भूमि में दो तरह के विकार पैदा हुए हैं। एक कृषि भूमि की सतह में दस सेंटीमीटर नीचे एक कठोर परत (हार्ड-लेयर) बन गई है। दूसरे, भू-गर्भ में करीब एक सौ मीटर की गहराई पर पानी से भरी रहने वाली जगह (पोर-स्पेस) रिक्त पड़ी है। क्षेत्रीय पर्यावरण में आए ये परिवर्तन भू-गर्भीय अथवा सतह पर भूकंप जैसी हलचल की वजह भी बन सकते हैं। डिस्कवरी चैनल द्वारा इस क्षेत्र में किए गए एक अध्ययन के प्रस्तुतिकरण ने भी दावा किया है कि चंबल व ग्वालियर अंचल में तेजी से रेगिस्तान का विस्तार हो रहा है। इस अध्ययन से जुड़े वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसा परंपरागत खेती को नकारने से हुआ। पहले हलों से खेतों की जुताई होती थी लेकिन अब हैरो, कल्टीवेटर और प्लाऊ जैसे उपकरणों से हो रही है। ये जमीन को आठ से बारह सेंटीमीटर तक गहरा जोत कर भूमि की ऊपरी परत को उधेड़ कर पलट देते हैं। नतीजतन, मिट्टी सूख कर शुष्क होती जा रही है और इसके नीचे की परत कठोर। यह परत अब इतनी कठोर हो गई है कि खेतों की मिट्टी का आनुपातिक कुदरती जैविक समीकरण ही गड़बड़ा गया है। इधर, चंबल क्षेत्र में भूमि के लगातार बिगड़ रहे पर्यावरण से बीहड़ के विस्तार का ऐसा भयावह सिलसिला जारी है, जो गांव के गांव लीलता जा रहा है। इस अंचल के भिण्ड, मुरैना और श्योपुर जिलों में हर साल पन्द्रह सौ एकड़ भूमि बीहड़ में तब्दील हो रही है। इन जिलों की कुल भूमि का 25 फीसदी हिस्सा बीहड़ों का है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक चंबल नदी घाटी क्षेत्र में 3000 वर्ग किलोमीटर इलाके में बीहड़ों का विस्तार है। इन तीनों जिलों के क्षेत्र में जितनी भी छोटी-बड़ी नदियां बहती हैं, वे जैसे बीहड़ों के निर्माण के लिए अभिशप्त हैं। चंबल में 80 हजार, कुआंरी में 75, आसन में 2036, सीप में 1100, बैसाली में 1000, कूनों में 8072, पार्वती में 700, सांक में 2122 और सिंध में 2032 हेक्टेयर बीहड़ हैं। बीते दस सालों में करीब 45 प्रतिशत बीहड़ों में वृद्धि दर्ज की गई है। इन बीहड़ों का जिस गति से विस्तार हो रहा है, उसके मुताबिक साल 2050 तक 55 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि बीहड़ों में तब्दील हो जाएगी। नतीजतन करीब दो हजार आबाद गांव बीहड़ लील लेंगे। इन बीहड़ों का विस्तार एक बड़ी आबादी के लिए विस्थापन का संकट पैदा करेगा। जमीन की सेहत अब प्राकृतिक कारणों की तुलना में मानव निर्मित कारणों से ज्यादा बिगड़ रही है। पहले भूमि का उपयोग रहवास और कृषि कार्यों के लिए होता था लेकिन अब औद्योगीकरण, शहरीकरण, बड़े बांध और बढ़ती आबादी के दबाव भी भूमि को संकट में डाल रहे हैं। जमीन का खनन कर जहां उसे छलनी बनाया जा रहा है, वहीं जंगलों का विनाश करके जमीन को बंजर बनाए जाने का सिलसिला जारी है। जमीन की सतह पर ज्यादा फसल उपजाने का दबाव है तो भू-गर्भ से जल, तेल व गैसों के अंधाधुंध दोहन के हालात भी भूमि पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। पंजाब और हरियाणा में सिंचाई के जो नलकूप जैसे आधुनिक संसाधन हरित क्रांति के उपाय साबित हुए थे, वही उपाय खेतों में पानी ज्यादा मात्रा में छोड़े जाने के कारण कृषि भूमि को क्षारीय भूमि में बदलने के कारक सिद्ध हो रहे हैं। दरअसल, अलग-अलग क्षेत्रों में भूमि की सेहत अलग-अलग कारणों से प्रभावित हो रही है, जिसकी देशव्यापी पड़ताल अब तक नहीं हुई है। धरती की बिगड़ती इस सेहत को मानचित्र पर लाना जरुरी है। **-प्रमोद भार्गव**

खेलो एमपी : मध्यप्रदेश में खेल संस्कृति की नई परम्परा

पवन वर्मा

मध्यप्रदेश में खेल अब केवल प्रतियोगिता नहीं रह गए हैं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की अगुवाई में प्रदेश सरकार ने खेलों को लेकर जो स्पष्ट सोच दिखाई है, वह खेलो एमपी के जरिए सामने आ रही है। यह आयोजन किसी एक शहर या वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि प्रदेश के हर कोने तक खेलों को पहुंचाने की कोशिश है। बीते समय में खेलों को अक्सर शहरी केंद्रों से जोड़कर देखा गया। बड़े स्टेडियम, सीमित खिलाड़ी और चुनिंदा खेल,यही तस्वीर रही। लेकिन अब सरकार का फोकस गांव, कस्बे और ब्लॉक स्तर तक खेलों की पहुंच बनाने पर है। यही वजह है कि खेलो एमपी को प्रदेश का ह्लओलिम्पिकङ्क कहा जा रहा है। यह केवल नाम नहीं, बल्कि संरचना और मंशा दोनों में दिखाई देता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने कार्यकाल की शुरुआत से ही खेलों को युवाओं से जोड़ने का एजेंडा स्पष्ट किया है। उनका मानना है कि खेल सिर्फ शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास का निर्माण करते हैं। इसी सोच के तहत प्रदेश सरकार खेलों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग भी लगातार इस बात पर जोर देते रहे हैं कि खेलों में भागीदारी बढ़ेगी तो प्रतिभा अपने आप सामने आएगी। खेलो एमपी यूथ गेम्स इसी सोच का विस्तार है। जनवरी में प्रस्तावित यह आयोजन ब्लॉक से लेकर राज्य स्तर तक एक सुनियोजित श्रृंखला में होगा। इसका उद्देश्य यह है कि कोई भी खिलाड़ी केवल संसाधनों की कमी या मंच न मिलने के कारण पीछे न रह जाए। प्रदेश के सभी 313 ब्लॉकों में प्रतियोगिताओं का आयोजन इस बात का संकेत है कि सरकार खेलों को केवल इवेंट नहीं, बल्कि जनआंदोलन के रूप में देख रही है। खेलो एमपी की सबसे अहम विशेषता यह है कि इसमें खेल विभाग और खेल संघ एक साथ काम कर रहे हैं। पहले यह अक्सर देखने में आता था कि चयन प्रक्रिया और प्रतियोगिताएं अलग-अलग दिशाओं में चलती थीं। अब यह प्रयास किया गया है कि आयोजन, चयन और प्रशिक्षण एक ही धारा में आगे बढ़ें। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि राज्य की टीमों के गठन में भी मजबूती आएगी। प्रदेश के अलग-अलग संभागों (भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, सागर, उज्जैन और शहडोल) को आयोजन से जोड़कर यह सुनिश्चित किया गया है कि भौगोलिक संतुलन बना रहे। आदिवासी अंचल से लेकर औद्योगिक शहरों तक, हर क्षेत्र की खेल प्रतिभा को सामने लाने की कोशिश की जा रही है। यह वह वर्ग है, जहां अक्सर खेलों के प्रति जुनून तो होता है, लेकिन अवसर नहीं मिल पाते। इस पूरी कवायद के बीच सांसद खेल महोत्सव का अनुभव भी अहम है। हाल ही में मध्यप्रदेश की हर लोकसभा सीट पर सांसद खेल महोत्सव का आयोजन हुआ। इन आयोजनों में ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। सांसदों की मौजूदगी और स्थानीय स्तर पर प्रतियोगिताओं ने यह साफ कर दिया कि खेल अब जनप्रतिनिधियों के एजेंडे का हिस्सा बन चुके हैं। इन महोत्सवों से यह भी सामने आया कि प्रदेश में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ मंच और निरंतरता की है। सांसद खेल महोत्सव ने खेलो एमपी जैसे बड़े आयोजन के लिए जमीन तैयार की है। लोकसभा स्तर पर हुए इन आयोजनों ने यह साबित किया कि जब स्थानीय स्तर पर खेलों को प्रोत्साहन मिलता है, तो युवाओं की भागीदारी स्वतः बढ़ती है। यही मॉडल अब राज्य स्तर पर विस्तार पा रहा है। खेलो एमपी उसी अनुभव को एक व्यवस्थित ढांचे में बदलने की कोशिश है। प्रदेश सरकार ने इस बार पारंपरिक खेलों को भी विशेष महत्व दिया है। पिट्ठू और रस्साकशी जैसे खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामूहिकता और टीम भावना के प्रतीक हैं। इन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल करना सांस्कृतिक जुड़ाव का संकेत है। इसके साथ ही क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेल को भी औपचारिक रूप से शामिल किया गया है, जिससे युवाओं की रुचि और भागीदारी दोनों बढ़ें। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग का जोर इस बात पर है कि खिलाड़ियों को किसी भी स्तर पर खुद को अकेला न महसूस करना पड़े। नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, व्यवस्थाओं का दावा और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन की तैयारी इस दिशा में उठाए गए कदम हैं। सरकार यह संदेश देना चाहती है कि खिलाड़ी सिर्फ प्रतियोगिता के दिन नहीं, बल्कि पूरे सफर में सिस्टम का हिस्सा है। खेलों के प्रति यह सक्रियता केवल राज्य स्तर तक सीमित नहीं है।

सेहत मंत्र

होलमियम लेजर से आसान हुआ गुर्दे की पथरी का इलाज, नहीं लगेंगे चीरे

गुर्दे की पथरी का इलाज बिना चीरा लगाए अब होलमियम लेजर तकनीक से आसानी से किया जा सकता है। एक नामी अस्पताल में इस तकनीक से उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों का दावा है कि इस विधि से मरीज का उपचार करने से न शरीर से रक्त का नुकसान होता है और न ही मरीज को लंबे वक्त अस्पताल में भर्ती रहना पड़ता है। इतना जरूर है कि उपचार की विधियों की अपेक्षा लेजर तकनीक महंगी है। डॉक्टर्स का कहना है कि लेजर तकनीक से गुर्दे की पथरी व टयूमर का एंडोस्कोपिक उपचार आसानी से किया जा सकता है। यह मिनीमली इनवेसिव तकनीक है, जो गुर्दे/मूत्राशय में मौजूद दो सेमी तक की पथरी को तोड़ने के लिए प्रभावी है। इस तकनीक में मूत्रमार्ग के माध्यम से पथरी तक एक लेक्सिबल लेजर फाइबर डाला जाता है। लेजर एक्टिव होने के बाद लेजर बीम पथरी को पाउडर जैसे कण में तोड़ देती है। यह कण बाद में मूत्रमार्ग से बाहर निकल जाते हैं। इस प्रक्रिया से पथरी का उपचार करते समय मरीज को सहज बनाए रखने के लिए जनरल एनेस्थिसिया दिया जाता है। यूरोलॉजी विभाग के कंसल्टेंट डॉ. दीपक गर्ग ने कहा कि दिल के मरीजों या उन मरीजों के लिए यह तकनीक पूरी तरह सुरक्षित है, जो खून पतला करने की दवाएं लेते हैं। इसमें एक और फायदा यह है कि पथरी बारीक कणों में टूट जाती है। जिससे उपचार के बाद पथरी के गुर्दे में रहने की संभावना बिल्कुल नहीं रहती है। पत्रकार वार्ता में अस्पताल के वाइस प्रेजीडेंट डॉ. संदीप तंवर भी मौजूद रहे। विशेषज्ञों के अनुसार, पथरी का कारण अधिकतर किडनी में कुछ खास तरह के साल्ट्स का जमा हो जाना होता है। इसमें सबसे पहले स्टोन का छोटा खंड (निडस) बनता है, जिसके चारों ओर सॉल्ट जमा होता रहता है। पुरुषों में महिलाओं की तुलना में पथरी होने की आशंका ज़्यादा होती है। इसके पथरी के कई जेनेटिक कारण, हाइपरटेंशन, मोटापा, मधुमेह और आंतों से जुड़ी कोई अन्य समस्या भी हो सकती हैं।

धर्म मंत्र

शक्ति स्वरूपा दुर्गा का एक रूप प्रेम का भी है प्रतीक

हिंदू परंपरा में मुख्य रूप से तीन देवियां हैं। एक हैं लक्ष्मी, दूसरी हैं सरस्वती और तीसरी देवी दुर्गा या शक्ति हैं। लक्ष्मी धन-धान्य या संपत्ति की देवी मानी जाती हैं। सरस्वती ज्ञान की देवी हैं, तो दुर्गा शक्ति की देवी मानी जाती हैं। दुर्ग शब्द से दुर्गा बना है। दुर्गा का मतलब है, जिसे जीता नहीं जा सकता। इसका मूल अर्थ है शक्ति। दुर्गा विशिष्ट देवी हैं। अब यहां सवाल उठता है कि शक्ति की पूजा क्यों होनी चाहिए? कुछ लोगों का मानना है कि राज-काज चलाने या राजनीति के लिए शक्ति की जरूरत पड़ती है। इस तरह राजाओं की देवी दुर्गा हैं। दुर्गा के दो रूप हैं। एक, जो भयानक हैं। उनके बाल खुले होते हैं और वह रक्त पान करती हैं। दूसरा रूप है गौरी। गौरी माता का रूप हैं। वह प्यार करती हैं। दक्षिण भारत में गौरी मंदिरों की मूर्तियां देखें, तो उनके हाथ में त्रिशूल नहीं होता है। उनके हाथ में येसुदंड, यानी ईख होती है। येसुदंड कामदेव का चिह्न है या प्रेम का चिह्न है। प्रेम और शक्ति में क्या संबंध होता है? कुछ लोगों का मानना होता है कि दुष्टों का नाश करने के लिए दुर्गा काली का रूप धारण करती हैं, लेकिन वह दुर्गा रूप में भी दुष्टों को नष्ट करती हैं। फिर कभी काली और कभी दुर्गा का वेष क्यों धारण करती हैं? दुर्गा और काली के रूप में फर्क क्यों है? देखा जाए, तो तीनों देवियों में एक बात सामान्य है। तीन देवियां प्रतीक स्वरूप हैं, जिन्हें व्यक्ति किसी को दे या किसी से ले सकता है। हम धन धान्य और संपत्ति किसी को दे सकते हैं या ले सकते हैं। ज्ञान भी हम दे सकते हैं या ले सकते हैं। लेकिन क्या हम शक्ति ले या दे सकते हैं? देखा जाए तो हम शक्ति भी दे सकते हैं और ले सकते हैं।

पर्यटन

बर्फबारी का मजा लूटना चाहते हैं तो चले आइए पटनीटॉप में

पटनीटॉप-सनासर (जम्मू कश्मीर)। चारों ओर बिछी हुई बर्फ की सफ़ेद चादर, देवदार तथा चीड़ के पेड़ों से गिरते बर्फ के टुकड़े सच में यहां आने वालों को नई दुनिया का आभास देते हैं। जिधर नजर दौड़ाएं, बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और उस पर दिखते हैं बर्फ के खेलों का आनंद उठाते हुए लोग, जो देश के विभिन्न भागों से आए थे। यह है पटनीटॉप का प्रसिद्ध और मनमोहक पर्यटन स्थल जहां सिर्फ गर्मियां ही नहीं बल्कि सर्दियां भी मनोहारी होती हैं। जम्मू से 108 किमी दूर पटनीटॉप का रमणीय और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थल समुद्रतल से 6400 फुट की ऊंचाई पर है। लंबे लंबे चीड़ और देवदार के पेड़ हर उस शख्स को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं जो प्रकृतिप्रेमी हैं। साल भर इसकी खूबसूरत ढलानों पर जमी रहने वाली बर्फ भी पर्यटकों को अपनी ओर खींच लेने की शक्ति रखती है। जम्मू पर्यटन विभाग पटनीटॉप में बर्फ के खेलों का मजा आने वाले पर्यटकों को देने के लिए अगले कुछ दिनों में 'स्कीइंग फैस्टिवल' आयोजित करने जा रहा है। जम्मू क्षेत्र में यह अपने किस्म का वार्षिक स्कीइंग फ़ेस्टिवल होता है जिसमें पर्यटकों को स्कीइंग तो सिखाई ही जाती है और साथ ही पर्यटक बर्फ के खेलों का आनंद भी लूटते हैं। जब कश्मीर में आतंकी घटनाओं ने देश-विदेश के पर्यटकों को गुलमर्ग के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल से मुख मोड़ने पर विवश किया तो उत्तर प्रदेश व हिमाचल प्रदेश के बर्फीले क्षेत्र बर्फ के खेलों के विकल्प के रूप में उभर कर सामने आए थे। अब जम्मू क्षेत्र के 'पहलगाम' के रूप में जाने जाना वाला पटनीटॉप नए और महत्वपूर्ण बर्फ के पर्यटन स्थल के रूप में पूरी तरह से उभर चुका है। पहलगाम के उपरांत पटनीटॉप को स्कीइंग स्थल के रूप में ख्याति प्राप्त करवाने में पर्यटन विभाग के जम्मू विंग का अच्छा खासा सहयोग रहा है। विभाग की मेहनत ही है कि आज पटनीटॉप में स्कीइंग और पैराग्लाइडिंग करने वालों की भीड़ लगी रहती है। स्कीइंग के लिए तो पटनीटॉप की सबसे ऊंची पहाड़ी पर बनी छोटी और बड़ी स्लोपों के साथ ही पटनीटॉप के साथ लगते नथाटाप क्षेत्र को भी इस्तेमाल में लाया जा रहा है।

नगरपालिका सहित सभी नगर पंचायतों में शत प्रतिशत हो डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन : जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। मंगलवार को लोकसभागार में जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी श्री अन्ना सुदन, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट सुश्री मधुमिता सिंह सहित जिले के अन्य सम्बंधित अधिकारियों के साथ नगर विकास विभाग के कार्यो की गहन समीक्षा की। समीक्षा बैठक में जनपद के सभी नगर निकायों की कार्यप्रगति, स्वच्छता व्यवस्था, अतिक्रमण नियंत्रण, राजस्व वसूली और विकास योजनाओं की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर स्वच्छता समेत विभिन्न श्रेणियों में आने वाली रैंकिंग में जनपद की स्थिति बेहतर करने के लिए सभी निकाय गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने अधिशासी अधिकारियों से अपेक्षा की कि स्वच्छता के प्रत्येक बिंदु पर समयबद्ध प्रगति दर्ज हो तथा किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मार्गों, फुटपाथों और नालियों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्ज़ा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण की स्थिति मिलने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई की जाए और जुर्माना वसूला जाए। साथ ही, नगर निकायों में अवैध प्लाटिंग पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निकायों में निर्माणाधीन कल्याण मंडपों की प्रगति पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इसकी गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इन मंडपों का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जाए ताकि जनता को समय पर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। तालाबों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के विषय में जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक निकाय अपने-अपने क्षेत्र में स्थित तालाबों पर विशेष ध्यान दे। उन्होंने निर्देशित किया कि इन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न होने पाए तथा तालाबों को सुंदर और आकर्षक बनाने की दिशा में कार्य किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि तालाबों को साफ-सुथरा और सुरक्षित रखकर इन्हें आमजन के लिए उपयोगी बनाया जाए। जिलाधिकारी ने नगर पालिका सहित सभी नगर पंचायतों में प्रतिदिन शतप्रतिशत डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन करने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में राजस्व वसूली की प्रगति पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व की बकाया वसूली में लापरवाही करने वाले कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने कहा कि सभी नगर निकाय अपने-अपने राजस्व लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। समीक्षा बैठक में अमृत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना तथा शहरी आजीविका मिशन जैसी योजनाओं की प्रगति पर भी जानकारी ली। बैठक में नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कहा कि नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत के अंतर्गत आने वाली गौशालाओं का संबंधित अधिशासी अधिकारी और नामित नोडल अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण करते रहें। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक नगर निकाय में एक विकसित पार्क बनाया जाए जिसे सभी संसाधनों से लैस करते हुए अन्य समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही समस्त पार्कों की साफ सफाई भी सुनिश्चित की जाए।

डीएम ने नगर विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

अतिक्रमण नियंत्रण एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता दें : डीएम

प्रत्येक नगर निकाय में बनेगा एक विकसित पार्क

गौशालाओं का किया जाए नियमित निरीक्षण

जन्म जयंती पर श्रद्धा से याद किए गए पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी जी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। पूर्व प्रधाननमंत्री स्व.चौधरी चरण सिंह जी के जन्मदिवस के अवसर पर आज मंगलवार को पूर्वान्ह 10:00 बजे से जनपद के पल्हरी प्रक्षेत्र प्रांगण में मुख्य अतिथ, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राजरानी रावत विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष राम सिंह वर्मा 'भुल्लन जी' पूर्व विधान परिषद सदस्य हरगोविंद सिंह मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन की उपस्थिति में किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। और सब मिशन आन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एण्ड टेक्नालाजी (आत्मा) योजनान्तर्गत एक दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी तथा शोध केन्द्र द्वारा संचालित राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत आर.ए.टी.डी.एस कार्यक्रम के अन्तर्गत कृषि मेला/कृषि ज्ञान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषक विक्रान्त सैनी, श्री गुड्डू यादव, सुनील कुमार यादव, उप कृषि निदेशक, श्धीरेन्द्र सिंह, जिला कृषि अधिकारी राजित राम, जिला उद्यान अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा उपाध्याय, सहायक निदेशक, मत्स्य, अच्छेलाल निषाद, जिला गन्ना अधिकारी दुष्यन्त कुमार समेत, कृषि विभाग के कार्मिक एवं भारी संख्या में किसान उपस्थित रहे। महिला कृषकों द्वारा भी किसान मेले में भारी संख्या में प्रतिभाग किया गया। ''सिरौलीगसपुर'' चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय,बरदरी में देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व.चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती पूर्ण श्रद्धा से मनाई गई। मुख्य अतिथि पूर्व कारागार मंत्री राकेश कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि चौधरी साहब पहले ऐसे नेता थे जिन्होंने किसान हित को संसद में लाकर उसे कानून का रूप दिलाया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के कला संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ0 बृजेश सिंह, शिक्षा समन्वयक लल्लू वर्मा, कार्यालय अधीक्षक अनुपम जायसवाल, आंनद जयसवाल, सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार रामनगर में विरोध प्रदर्शन

रामनगर बाराबंकी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार से आक्रोशित भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आक्रोश रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया गया।यह रैली दोपहर 1बजे टाउन के विभिन्न वार्डों से होकर बुढ़वल चौराहे पहुंची।जहां सभी ने प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस का पुतला व बांग्लादेश के झंडे का दहन किया।बांग्लादेश मुर्दाबाद आतंकवाद मुर्दाबाद व हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारों वातावरण गूंजा।कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर घोर अत्याचार किए जा रहे हैं।उन्होंने भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस मुद्दे पर कठोर कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शन में अनूप पांडे पुष्कर मिश्र इंद्रमणि उपाध्याय दिव्य शुक्ला राजेंद्र सोनी अनुराग शुक्ला सुंदरम शुक्ला वेदांत मिश्रा प्रत्यक्ष जायसवाल अमित शुक्ला विकास शुक्ला दिव्य प्रकाश विनय मिश्रा गौरव सोनी व शुभम सोनी आदि भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे।इस दौरान थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडे सहित पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

धूमधाम से मनाया विद्यालय का वार्षिकोत्सव

बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शिक्षा क्षेत्र बनीकोडर अंतर्गत ग्राम पंचायत अहमदपुर, छंदवल निकट स्थित गुड शेफर्ड विद्यालय में मंगलवार को पारंपरिक वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया।विद्यालय के प्रबंधक सुरेश कुमार राणा ने संबोधित करते हुए बच्चों व अभिभावक को बताया कि जिस तरह माता-पिता अपने बच्चों की खुशी के लिए समर्पित रहते तमाम संघर्ष करते हैं ठीक उसी तरह प्रभु यीशु ने अपने आप को क्रूस पर बलिदान कर दिया! ताकि हमें आप को सभी को जीवन और शांति मिले। उन्होंने सभी को आगामी नव वर्ष व क्रिसमस की बधाई दी। छोटे छोटे बच्चों के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अभिभावक व अध्यापकों का मन मोह लिया।इस अवसर बच्चों के अभिभावकगण समेत राजू सिंह,विनय राय,सोनाली पाउल,सोना देवी, पिंकी कुमारी, रमेश कुमार,बाबु लाल प्रजापति, चंद्रशेखर रावत, शांति सहित विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

निंदूरा , कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजकीय हाईस्कूल काजी बेहटा में छात्राओं को किक बॉक्सिंग एवं आत्मरक्षा की आवश्यक तकनीकों का विस्तृत एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण प्रशिक्षक संतोष कुमार द्वारा दिया जा रहा है, जो किक बॉक्सिंग एवं आत्मरक्षा के अनुभवी प्रशिक्षक हैं। उनके मार्गदर्शन में छात्राओं को विभिन्न सेल्फ-डिफेंस तकनीकें, आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, मानसिक दृढ़ता तथा व्यक्तिगत सुरक्षा के व्यावहारिक उपाय सिखाए जा रहे हैं। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई की अदम्य वीरता से प्रेरित यह प्रशिक्षण छात्राओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ज्ञान गुरु जी की पहचान

निंदूरा , कैनविज टाइम्स संवाददाता। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में वृद्धि के उद्देश्य से जिला विद्यालय निरीक्षक ओ.पी त्रिपाठी के निर्देश पर विकासखंड निंदूरा क्षेत्र के राजकीय इंटर कॉलेज निंदूरा में ज्ञान गुरु जी की पहचान शीर्षक के अंतर्गत मिशन पहचान परीक्षा का आयोजन किया गया। जीआईसी निंदूरा में कक्षा नौ के कुल 581 नामांकित विद्यार्थियों में से 508 विद्यार्थियों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया। परीक्षा में 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए, जिन्हें अध्यापक द्वारा बोर्ड पर विकल्प सहित लिखा गया। विद्यार्थियों ने सभी प्रश्नों के उत्तर ओएमआर शीट पर अंकित किए।

डीएम व जिला बार के मध्य समस्याओं को लेकर बैठक

बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों व जिला प्रशासन के मध्य कलेक्ट्रेट कोर्ट, चकबंदी व तहसील कोर्ट्स में अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान हेतु आज मंगलवार को कलेक्ट्रेट में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला अधिकारी शशांक त्रिपाठी ने एक सप्ताह में निराकरण का आश्वासन दिया। आज की बैठक में जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार वर्मा , महामंत्री रामराज यादव व अन्य पदाधिकारी तथा अपर जिला अधिकारी वित्तीय और राजस्व समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बार अध्यक्ष श्री वर्मा ने? बैठक को सकारात्मक बताया ।

तहसीलदार को किसानों की समस्याओं का ज्ञापन

रामनगर , कैनविज टाइम्स संवाददाता। किसानों की लंबित समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन भदौरिया गुट के अध्यक्ष हाकिम सिंह भदौरिया ने पदाधिकारियों के साथ तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इसी दौरान बताया गया कि बीते सितंबर माह में हुई किसान महापंचायत में दिए गए आश्वासनों के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है।अब यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आगामी 22 जनवरी को गनेशपुर में महापंचायत आयोजित कर मुख्यमंत्री निवास तक पैदल मार्च किया जाएगा।

बिक गई वन विभाग की जमीन, किसानों का विरोध प्रदर्शन

निंदूरा , कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन प्रदेश अध्यक्ष लालजी यादव के नेतृत्व में मंगलवार को किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर अमरसंडा में धरना दिया। प्रदेश अध्यक्ष लालजी ने कहा कि अमरसंडा गांव लखनऊ जनपद सीमा से मिला हुआ है।जहां पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित है।जिससे जमीनों के दाम इस गांव में आसमान छू रहे हैं।भूमि गाटा सं0-1131 पर गांव अन्सार नगर की आबादी बसी हुई है।इसी भूमि का बैनामा कानपुर जनपद की विधायक सरोज कुरील द्वारा लिया गया है। जबकि उक्ति भूमि वन विभाग की आरक्षित हैं। विधायक द्वारा वन विभाग एवं राजस्व कर्मियों की मिली भगत से वनविभाग की बहुकीमती करोडों की भूमि पर उक्त विधायक द्वारा अवैध तरीके से अपने गुर्गों के साथ मिलकर कब्जा कर लिया है। उक्त मामले को लेकर मुख्यमंत्री ,जिलाधिकारी, तहसीलदार व वन अधिकारी को ज्ञापन पत्र दिया गया।लेकिन उस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है।देर शाम तक चले धरना प्रदर्शन के बाद तहसीलदार वैशाली अहलावत टीम के साथ मौके पर पहुंची। जहां पर घंटों भाकियू पदाधिकारी से चली वार्ता के बाद कार्रवाई का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया। तहसीलदार वैशाली अहलावत ने बताया कि वन विभाग भूमि की पैमाइश कर चिन्हांकन करा दिया गया है।वन विभाग एक दो दिन अपना बोर्ड लगा देगा।

लोधेश्वर क्रिकेट टूर्नामेंट, गौरीकांत ने काटा फीता, पट्टी टाइगर इलेवन विजयी

बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। महादेवा धाम के मेला क्षेत्र में श्रीलोधेश्वर महादेव क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 5 का शुभारंभ समाजसेवी गौरी कांत दीक्षित ने फीता काटकर किया।उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर बैटिंग कर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया और ग्रामीण खेलों को प्रतिभा निखारने का माध्यम बताया।आयोजकों के अनुसार टूर्नामेंट में अंडर 20 खिलाड़ियों के 6 ओवर के मुकाबले 23 से 27 दिसंबर तक खेले जाएंगे। विजेता को 5100 व उपविजेता को 2500 नकद पुरस्कार दिया जाएगा।वहीं उद्घाटन मैच में ही पट्टी टाइगर इलेवन ने रामनगर किंग इलेवन को 26 रनों से हराया।

प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की बुनियाद : शरद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। सुंदरलाल दीक्षित इंटर कालेज औरेला में मंगलवार को समग्र शिक्षा अभियान के तहत ब्लॉक स्तरीय ''हमारा आंगन-हमारे बच्चे'' उत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री सुंदर लाल महाविद्यालय, औरेला, सैदनपुर में नोडल शिक्षक संकुल, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, शिक्षकों और अभिभावकों की सहभागिता से संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक रामनगर शरद कुमार अवस्थी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बाराबंकी, श्री नवीन कुमार पाठक, और खंड शिक्षा अधिकारी, फ़िज़ा मिर्ज़ा ने किया। अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की।इसके बाद, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय महमूदाबाद के बच्चों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान निपुण विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि शरद कुमार अवस्थी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव होती है। उन्होंने ''हमारा आंगन हमारे बच्चे'' कार्यक्रम को आंगनबाड़ी और प्राथमिक विद्यालयों के समन्वय से बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक पहल बताया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने कहा कि बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान के लक्ष्यों की प्राप्ति में ऐसे कार्यक्रम सहायक होते हैं।इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप कुमार रावत, मंडल महामंत्री अमित कुमार पाण्डेय रामजी, राजेश अवस्थी, बाल विकास परियोजना अधिकारी अर्चना वर्मा, एसआरजी अवधेश कुमार पाण्डेय सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना की और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अध्यापकों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, नोडल संकुलों और निपुण बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

किरण, अल्फिशा, विद्यांशी, आंचल, राशि, सूर्य प्रताप, अनुज कुमार, प्रज्ञा, सृष्टि, नवीन, समृद्धि, लवलेश, आयुष पाल, ऋषि पटेल, नैतिक वर्मा और सौरभ जैसे निपुण बच्चों को स्टेशनरी और आर्ट किट भी प्रदान की गई।कार्यक्रम का संचालन मनीष बैसवार और रुद्र प्रताप पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर दिलीप तिवारी, अभिषेक सिंह, नवीन मिश्रा, प्रहलाद कुमार विमल, आशुतोष कुमार, सुरेन्द्र जायसवाल, बृजेश शुक्ला, खुर्शीद अली, अंकित जायसवाल, अर्चना मिश्रा, विकास वर्मा, अनूप अवस्थी, सूरज वर्मा, राज कुँवर दुबे, दीपक कुमार, अमित मिश्रा, अपर्णा श्रीवास्तव, सौरभ वर्मा और सिद्धार्थ शुक्ला सहित कई लोग उपस्थित रहे।

प्रीति की भावभीनी विदाई, तेजस का स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। तहसील सभागार में मंगलवार को उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह को भावभीनी विदाई और नवागत ज्वाइंट मजिस्ट्रेट उपजिलाधिकारी तेजस के.का सहर्षस्वागत किया गया। इस अवसर पर तहसील के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह का स्थानांतरण रामनगर में उपजिलाधिकारी न्यायिक के पद पर हुआ है।

वहीं, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट तेजस के0 को सिरौलीगौसपुर का नया उपजिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। इस दौरान तहसीलदार बालेन्दु भूषण वर्मा, नायब तहसीलदार अन्नू सिंह, दिनेश कुमार पांडे सहित समस्त लेखपाल, कानूनगो, अमीन और पूरा तहसील स्टाफ मौजूद था।प्रीति सिंह ने अपने संबोधन में तहसील स्टाफ के सहयोगपूर्ण कार्कीय की सराहना की। बताया कि इस तहसील ने दो बार आईजीआरएस निस्तारण में प्रदेश में प्रथम स्थान अर्जित किया। उप जिलाधिकारी तैनाती की पहली तहसील थी। इसलिए सिरौली गौसपुर हमेशा उनकी यादों में रहेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों व कार्मिकों से नए ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के सहयोग का आग्रह भी किया।नव नियुक्त ज्वाइंट मजिस्ट्रेट उप जिलाधिकारी तेजस के ने कहा कि सभी के सहयोग बिना वह कुछ नहीं कर सकते।इस अवसर पर लेखपाल संघ अध्यक्ष सुभेन्द्र अवस्थी, महेंद्र जायसवाल, महेंद्र वर्मा, बृजेश वर्मा, प्रदीप वर्मा, आनंद शर्मा, आशुतोष मिश्रा शिक्षक अभिषेक सिंह, प्रहलाद कुमार विमल,सहित सभी लेखपाल, अमीन और तहसील के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

पुलिस आयुक्त ने किया क्षेत्रों का भ्रमण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल द्वारा शहर में सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अतिक्रमण, सड़क सुरक्षा तथा चाइनीज मांझे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई को लेकर कड़े निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त महोदय द्वारा रोहनिया एवं मण्डुवाडीह क्षेत्र में स्वयं दुकानों पर चाइनीज मांझे की सघन चेकिंग कराई गई तथा सभी थानाध्यक्षों को इसके विक्रय में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अभियान के दौरान 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लगभग 202 किलोग्राम चाइनीज मांझा बरामद किया गया। अतिक्रमण के विरुद्ध सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को प्रतिदिन अभियान चलाकर सड़क एवं फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जे.पी. मेहता, फुलवरिया, मण्डुवाडीह, ककरमत्ता, भिखारीपुर तिराहा, अखरी बाईपास, मोहनसराय, चांदपुर एवं बौलिया तिराहा सहित प्रमुख मार्गों पर यातायात की व्यवहारिक स्थिति एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया गया। हाईवे व सर्विस लेन पर अवैध पार्किंग रोकने, कोहरे में ओवरस्पीडिंग पर नियंत्रण, रिफ्लेक्टर के व्यापक प्रयोग तथा दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदारी तय करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर पुलिस उपायुक्त यातायात श्री अंशुमान मिश्रा सहित संबंधित सहायक पुलिस उपायुक्त, थाना प्रभारी व अन्य पुलिस बल मौजूद रहे ।

'किसान अन्नदाता ही नहीं, राष्ट्र निर्माता भी'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी।जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार की अध्यक्षता में कृषि भवन कलेक्ट्री फार्म चॉदपुर चैराहा में स्व0 चौधरी चरण सिंह भूतपूर्व प्रधानमंत्री की जयन्ती पर किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमे जिला पंचायत अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रुप मे प्रतिभाग किया गया जिसमें कृषि विभाग के साथ-साथ , मत्स्य, उद्यान, रेशम, पशुपालन, एवं जनपद के समस्त विकास खण्डों से 700 से अधिक कृषकों द्वारा सहभागिता किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने कहा कि किसान कृषि विविधिकरण अपनाकर अपनी आमदनी को बढा सकते है, उन्होने कहा कि किसान अन्नदाता ही नही बल्कि राष्ट्र निर्माता भी है ऐसे मे हम सभी का यह कर्तव्य है कि किसानो को सभी प्रकार की सुविधाए समय पर उपलब्ध कराये। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जनपद के जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने किसानो को फसलचक्र अपनाकर खेती करने का सुझाव दिया जिससे किसानो की आमदनी मे वृद्धि हो सके। कृषि को उद्योग की तरह अपनाकर ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं की लम्पी बीमारी के बारे में विस्तार से बताते हुए टीकाकरण के बारे में बताया गया। पशुओं का बीमा कराने के लिए विकास खण्ड के पशु चिकित्सालय में कृषकों से सम्पर्क करने हेतु अनुरोध किया गया। मत्स्य विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि मत्स्य विभाग की योजनाओ की जानकारी देते हुए किसानो को लाभ उठाने की अपील की गयी।

उद्यान निरीक्षक ज्योती सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि उद्यान विभाग में आम, अमरूद्ध, केला, डेझ्रगनफूड इत्यादि योजना में 40 प्रतिशत तक का अनुदान उपलब्ध है । तकनीकी सत्र मे कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक श्री प्रकाश सिंह एवं ईरी से वैज्ञानिक विपिन कुमार ने किसानो को तकनीकी जानकारी के साथ ही जैविक खेती, प्राकृतिक खेती को अपनाकर विषमुक्त खाद्यान उत्पादन करने की सलाह दी। जिला पंचायत अध्यक्षा वाराणसी द्वारा जनपद मे कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य विभागो के क्षेत्रो मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषको 26 कृषको को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए किसानो का उत्साहवर्धन किया गया। जिनमे कृषि विभाग से श्री लालजी मिश्रा, श्री राजेन्द्र कुमार मिश्रा, श्री रामआसरे पटेल, श्री हौसिला प्रसाद एवं श्री सन्तोष सिंह, श्री सुरेन्द्र प्रसाद, श्री सुदामा, श्री बाबूलाल पटेल ने धान, उर्द, गेहूँ, सरसो की फसलो के उत्पादन मे प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

आईसीसी रैंकिंग : दीप्ति शर्मा बनीं नंबर 1 टी-20 गेंदबाज़

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने अपने करियर में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी-20 गेंदबाज़ों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज़ के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के दम पर हासिल की। आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, विशाखापत्तनम में खेले गए इस मैच में दीप्ति ने चार ओवर में सिर्फ 20 रन देकर एक विकेट लिया था। ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड अगस्त से टी-20 गेंदबाज़ों की रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई थीं लेकिन दीप्ति के इस प्रदर्शन ने उन्हें पीछे छोड़ दिया। भारत की आठ विकेट की जीत के बाद दीप्ति को पांच रेटिंग अंक का फायदा हुआ और अब वह सिर्फ एक अंक की बढ़त के साथ नंबर-1 स्थान पर काबिज हैं। वहीं, वनडे बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट ने स्मृति मंधाना से नंबर-1 का ताज वापस छीन लिया है। आयरलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज़ के आखिरी मैच में शानदार शतक जड़ने के बाद वोलवार्ड्ट शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ अंतिम दो मैचों में लगातार शतक लगाए और दक्षिण अफ्रीका ने यह सीरीज़ 3-0 से अपने नाम की। इस प्रदर्शन के साथ वोलवार्ड्ट ने करियर का सर्वश्रेष्ठ रेटिंग स्कोर भी हासिल किया। स्मृति मंधाना अब वनडे बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं। भारतीय टीम की अन्य खिलाड़ियों को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। अरुंधति रेड्डी टी-20 गेंदबाज़ों की सूची में पांच स्थान की छलांग लगाकर 36वें नंबर पर पहुंच गई हैं। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स टी-20 बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में पांच स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका के खिलाफ नाबाद अर्धशतक के लिए जेमिमा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था। वह अब टॉप-10 टी-20 बल्लेबाज़ों में शामिल हो गई हैं, जहां उनके साथ स्मृति मंधाना (तीसरे) और शैफाली वर्मा (10वें) स्थान पर मौजूद हैं। दक्षिण अफ्रीका की सुने लूस ने भी वनडे रैंकिंग में सुधार किया है। वह वनडे बल्लेबाज़ों की सूची में सात स्थान की छलांग लगाकर 34वें और वनडे ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 11 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गई हैं। आयरलैंड की खिलाड़ियों को भी फायदा हुआ है। अर्लीन केली वनडे गेंदबाज़ों की सूची में पांच स्थान ऊपर चढ़कर 27वें

जूनियर वर्ल्ड कप के हीरो सुनील पीबी पर कर्नाटक की हॉकी विरासत आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। कर्नाटक की धरती ने भारतीय हॉकी को कई दिग्गज खिलाड़ी दिए हैं। एमपी गणेश, एमएम सोमैया, एबी सुब्बैया, आशीष बल्लाल, अर्जुन हलप्पा जैसे दिग्गजों से लेकर हाल के वर्षों में वीआर रघुनाथ, एसके उथप्पा, निक्किन थिमैया और एसवी सुनील तक ने भारतीय हॉकी में कर्नाटक की मजबूत पहचान बनाई है। 2016 के रियो ओलंपिक में भी इन चार खिलाड़ियों ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था। अब इसी विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी उभरते हुए खिलाड़ी पीबी सुनील के कंधों पर आ गई है। हालांकि, कर्नाटक के मोहम्मद रहील, अभरण सुदेव और एचएस मोहित जैसे खिलाड़ी सीनियर कोर ग्रुप और राष्ट्रीय टीम के लिए संघर्ष करते रहे हैं, लेकिन हाल ही में पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम में सुनील के शानदार प्रदर्शन ने राज्य की हॉकी को फिर से नई उम्मीद दी है। शिवमोग्गा जिले के सोराब तालुक के अनावत्ती गांव जैसे छोटे से कस्बे से निकलकर सुनील ने 10 साल की उम्र में अपने जिले के स्पोर्ट्स हॉस्टल से हॉकी की शुरुआत की थी। कृषि क्षेत्र में दिहाड़ी

मजदूरी करने वाले माता-पिता के लिए सुनील की यह सफलता किसी उम्मीद की किरण से कम नहीं है। सुनील को हॉकी इंडिया लीग में वेदांता कलिंगा लांसर्स ने 2 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया है। लीग में अच्छे प्रदर्शन के महत्व को समझते हुए सुनील ने कहा, ल्लजूनियर वर्ल्ड कप मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था, लेकिन अब वह अतीत बन चुका है। अब मेरा पूरा ध्यान कलिंगा लांसर्स के लिए अच्छा प्रदर्शन करने पर है। टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और इस सीजन मुझे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। कर्नाटक की समृद्ध हॉकी विरासत पर बात करते हुए सुनील ने कहा, ल्लजब मैंने हॉकी खेलना शुरू किया था, तब मुझे न तो इस खेल की ज्यादा जानकारी थी और न ही कर्नाटक के योगदान के बारे में। लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर आने के बाद मुझे अपने कंधों पर आई जिम्मेदारी का अहसास हुआ है, जो मुझे राज्य के पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों की तरह कुछ हासिल करने के लिए प्रेरित करता है। डिफेंडर के तौर पर खेलने वाले सुनील को हॉकी इंडिया लीग में बेल्जियम के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता आर्थर वान डोरेन और एलेक्जेंडर हेंड्रिक्स जैसे दिग्गजों के साथ खेलने का मौका मिलेगा, जिसे लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ल्लएक डिफेंडर के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से सीखने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। आर्थर और एलेक्स दोनों ही शानदार डिफेंस, बेहतरीन गेम नॉलेज और पेनल्टी कॉर्नर डिफेंस में माहिर हैं। सुनील ने आगे कहा कि वह सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि उनसे मैच की तैयारी, मैदान के बाहर व्यवहार और मानसिक रूप से खुद को तरोताजा रखने के तरीके भी सीखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ल्लएक महीने की हॉकी इंडिया लीगके दौरान किसी अंतरराष्ट्रीय स्टार के इतना करीब रहने का मौका मिलना बड़ी बात है और इससे बेहतर मंच कोई नहीं हो सकता।

संक्षिप्त समाचार

चिन्नास्वामी स्टेडियम में 24 दिसंबर को मैच के आयोजन को नहीं मिली मंजूरी

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह ने मंगलवार को कहा कि शहर के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 24 दिसंबर को विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने फिलहाल दर्शकों के बिना मैच आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने स्टेडियम में क्रिकेट मैचों के आयोजन की अनुमति देने पर विचार करने के लिए एक समिति का गठन किया था। समिति ने सोमवार को स्टेडियम का दौरा किया था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिताबी जीत का चार जून को जश्न मनाए जाने के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से इस स्टेडियम में मैचों के आयोजन पर रोक लगा दी गई थी। सीमंत कुमार सिंह ने पत्रकारों से कहा, ''समिति ने कल स्टेडियम का दौरा किया था और उसकी सिफारिश पर मैच खेलने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया गया। इसलिए कल वहां कोई मैच नहीं होगा। राज्य के गृह मंत्री ने सोमवार को विधान सौध में केएससीए के पदाधिकारियों, राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ स्टेडियम में क्रिकेट मैच आयोजित करने के संबंध में बैठक की थी। उन्होंने समिति को स्टेडियम का दौरा करने और क्रिकेट मैचों के आयोजन के लिए अनुमति देने के संबंध में सिफारिश देने के लिए कहा था।

एशेज के दौरान इंग्लैंड के क्रिकेटरों की शराब पीने की लत की होगी जांच

मेलबर्न। इंग्लैंड की पुरुष क्रिकेट टीम के प्रबंध निदेशक रॉब की ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज श्रृंखला के दौरे में समुद्र तट पर स्थित एक रिसॉर्ट में छुट्टियां मनाने के दौरान शराब के अत्यधिक सेवन की खबरें सामने आने के बाद वह इंग्लैंड टीम की शराब पीने की लत जांच करेंगे। इंग्लैंड का वर्तमान श्रृंखला में अभी तक प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और उसे तीनों टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा जिससे आस्ट्रेलिया ने एशेज को अपने पास बरकरार रखा। इंग्लैंड पिछले 18 मैच से ऑस्ट्रेलिया में एक भी टेस्ट मैच नहीं जीत पाया है। उसने ऑस्ट्रेलिया में अपनी आखिरी श्रृंखला 2010-11 में जीती थी। इंग्लैंड जब श्रृंखला में 0-2 से पीछे चल रहा था तब उसकी टीम ने दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच मिले ब्रेक के दौरान ब्रिस्बेन के उत्तर में स्थित शहर नूसा में एक रिसॉर्ट में चार रात बिताई थी। यह हालांकि उसके कार्यक्रम का हिस्सा था। रॉब की ने कहा कि उन्हें इस ब्रेक से कोई समस्या नहीं है, लेकिन अगर उन्हें अत्यधिक भोग-विलास के सबूत मिलते हैं तो वह इसकी जांच करेंगे। उन्होंने कहा, ''अगर ऐसी बातें सामने आती हैं कि हमारे खिलाड़ियों ने अत्यधिक शराब पी, तो निश्चित रूप से हम इसकी जांच करेंगे। यह अस्वीकार्य है। रॉब की ने कहा, ''किसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीम का अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन करने की मैं किसी भी स्तर पर उम्मीद नहीं कर सकता हूं और वहां जो कुछ हुआ अगर मैं उसकी जांच नहीं करता हूं तो यह गलती होगी। लेकिन अब तक मैंने जो कुछ भी सुना है, उससे यही लगता है कि उनका व्यवहार बहुत अच्छा था। उन्होंने कहा, ''हमारे पास यह पता लगाने के पर्याप्त तरीके हैं कि वास्तव में क्या हुआ था। अब तक मैंने जो कुछ भी सुना है, उससे यही पता चलता है कि वे बैठे, दोपहर का भोजन किया, रात का खाना खाया, देर रात को बाहर नहीं गए, वगैरह-वगैरह। उन्होंने थोड़ी-बहुत शराब भी पी। मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। अगर बात इससे आगे बढ़ती है तो फिर जहां तक मेरा सवाल है यह एक मुद्दा बन जाएगा। रॉब की ने यह भी कहा कि उन्होंने पहले उन रिपोर्टों की जांच की थी जिनमें कहा गया था कि एशेज से पहले न्यूजीलैंड में एक मैच से पहले वाली रात को खिलाड़ियों को शराब पीते हुए देखा गया था। इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर साझा किया गया था, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि इसे एक नवंबर को तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले वेलिंगटन में बनाया गया था। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगा कि यह औपचारिक चेतावनी देने लायक था। मुझे लगता है कि यह अनौपचारिक चेतावनी देने लायक था। मुझे खिलाड़ियों का रात के खाने में एक गिलास वाइन पीने से कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन इससे कुछ भी ज्यादा हास्यास्पद होगा।

इंग्लैंड का कोच बने रहने का फैसला करना मेरे हाथ में नहीं है: मैकुलम

मेलबर्न। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ऑस्ट्रेलिया के हाथों एशेज श्रृंखला में हार के बावजूद अपने पद पर बने रहना चाहते हैं लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कोच के रूप में उनका भविष्य अब उनके नियंत्रण में नहीं है। इंग्लैंड ने पहले तीन टेस्ट मैचों के अंदर ही एशेज को 3-0 से गंवा दिया जिसके बाद मैकुलम की भूमिका पर सवाल उठने लग गए हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान का इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के साथ अनुबंध 2027 वनडे विश्व कप तक है। मैकुलम ने इंग्लैंड के कोच के रूप में अपने भविष्य के बारे में पूछे जाने पर पत्रकारों से कहा, ''मुझे नहीं पता। यह वास्तव में मेरे हाथ में नहीं है। मैं बस अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाने की कोशिश करता रहूंगा। यह सवाल किसी और के लिए है, मेरे लिए नहीं। इस भूमिका को ''काफी अच्छा काम'' बताते हुए मैकुलम ने कहा कि कड़ी आलोचना के बावजूद वह अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ''यह काफी अच्छा काम है। मुझे इसमें बहुत मज़ा आता है। आप अपने साथियों के साथ दुनिया भर में घूमते हैं, रोमांच से भरा क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं और कुछ उपलब्धियां हासिल करने का प्रयास करते हैं। मेरे लिए यह खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने और उनके साथ मिलकर जितना हो सके उतना हासिल करने से जुड़ा है। इंग्लैंड के मीडिया के अनुसार मैकुलम ने कहा, ''मेरे कोच पद पर बने रहने का फैसला अन्य लोगों को करना है। मुझे लगता है कि जब मैंने पदभार संभाला था तब से लेकर अब तक हमने कुछ प्रगति की है।'' मैकुलम को पहले इंग्लैंड का टेस्ट कोच नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें इस साल की शुरुआत में सीमित ओवरों की क्रिकेट के लिए भी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। इंग्लैंड पिछले 18 मैच से ऑस्ट्रेलिया में एक भी टेस्ट मैच नहीं जीत पाया है। ऑस्ट्रेलिया में उसने अपनी आखिरी श्रृंखला 2010-11 में जीती थी। इस बीच ईसीबी के प्रबंध निदेशक रॉब की ने उन रिपोर्टों की जांच करने का वादा किया है जिनमें आरोप लगाया गया है कि खिलाड़ियों ने एशेज के दौरान मिले ब्रेक में अत्यधिक शराब का सेवन किया था। उन्होंने इस तरह के व्यवहार को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है। इंग्लैंड जब श्रृंखला में 0-2 से पीछे चल रहा था, तब उसके खिलाड़ियों ने क्वींसलैंड के एक शहर नूसा में एक रिसॉर्ट में चार रात बिताई थी। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार की ने कहा, ''अगर ऐसी बातें सामने आती हैं जिनमें कहा जा रहा है कि हमारे खिलाड़ियों ने अत्यधिक शराब पी, तो निश्चित रूप से हम इसकी जांच करेंगे। यह अस्वीकार्य है लेकिन अब तक मैंने जो कुछ भी सुना है, उससे यही लगता है कि उनका व्यवहार बहुत अच्छा था।

फॉर्मूला 1 वार्षिकी: मोटरस्पोर्ट के लिए ऐतिहासिक साल, भारत में बढ़ी लोकप्रियता

एजेंसी

नई दिल्ली। फॉर्मूला 1 ने वर्ष 2025 में भारतीय उपमहाद्वीप में अभूतपूर्व लोकप्रियता हासिल की है। भारत में इस खेल के प्रशंसकों की संख्या बढ़कर रिकॉर्ड 7.88 करोड़ तक पहुंच गई है। यह ऐतिहासिक वृद्धि ऐसे सीज़न के साथ आई है, जिसे शानदार प्रदर्शन, रोमांचक मुकाबलों और आख़िरी रेस तक खिंची ड्राइवर्स चैंपियनशिप की लड़ाई ने यादगार बना दिया। मोनाको में कुश मैनी की जुझारू जीत और आर्विड लिंडब्लाड का फॉर्मूला 1 ग्रिड तक पहुंचना इस सीज़न की खास झलकियां रहीं। वहीं, 15 वर्षों में सबसे करीबी फिनाले में लैंडो नॉरिस की खिताबी जीत ने दुनिया भर के फैंस को रोमांचित कर दिया। 2025 का अभियान फॉर्मूला 1 के आधुनिक इतिहास में एक क्लासिक के रूप में दर्ज होगा। लैंडो नॉरिस ने अपने करियर का पहला विश्व खिताब जीतकर इतिहास रचा, जबकि मैकलारेन की शीर्ष पर वापसी ने लंबे समय से चला आ रहा खिताबी सूखा खत्म किया। वैश्विक स्तर पर भी इस खेल की लोकप्रियता नए शिखर पर पहुंची, जहां रिकॉर्ड 67 लाख दर्शकों ने दुनियाभर में रेस ट्रैक्स पर पहुंचकर मुकाबलों का आनंद लिया। भारतीय बाजार के लिहाज़ से फॉर्मूला 1 से जुड़ाव पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है। रिकॉर्ड व्यूअरशिप ने भारत को खेल की वैश्विक रणनीति का अहम स्तंभ बना दिया है। इसके साथ ही फैनकोड के साथ एक्सक्लूसिव ब्रॉडकास्ट पार्टनरशिप का 2028 तक विस्तार भारतीय फैंस के लिए बड़ी राहत और उत्साह की खबर है, जिससे वे आने वाले वर्षों में भी इस रोमांच से जुड़े रहेंगे। 2025 का सीज़न केवल ट्रैक पर रोमांच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने 2026 में भारतीय प्रतिभाओं की वैश्विक मंच पर दमदार वापसी की नींव भी रखी। तकनीकी समस्याओं से जूझने के बावजूद कुश मैनी ने इनविक्टा रेसिंग के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को फॉर्मूला 2 कंस्ट्रक्टर्स खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। मोनाको ग्रां प्री की प्रतिष्ठित स्प्रिंट रेस में उनकी यादगार जीत भारतीय मोटरस्पोर्ट के लिए गर्व का पल रही। पोस्ट-सीज़न टेस्टिंग में अल्पाइन के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद अब कुश, अपने नए फॉर्मूला 2 टीम एआरटी ग्रां प्री के साथ शीर्ष स्तर तक पहुंचने की तैयारी में हैं। वहीं, रेड बुल जूनियर टीम के उभरते सितारे आर्विड लिंडब्लाड, जिनकी जड़ें भारत से जुड़ी हैं, को रेसिंग बुल्स टीम में प्रमोशन मिला है। 2025 में उनके शानदार रेसक्राफ्ट और रफ्तार ने सभी का ध्यान खींचा।

नेपोली ने बोलोन्या को 2-0 से हराकर जीता इटैलियन सुपर कप का खिताब

जेद्दा। इटली के मौजूदा सेरी ए चैंपियन नेपोली ने सोमवार को इटैलियन सुपर कप का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में नेपोली ने बोलोन्या को 2-0 से हराया। यह मैच सऊदी अरब के जेद्दा स्थित अल-अव्वाल पार्क में खेला गया। यह नेपोली का इटैलियन सुपर कप में तीसरा खिताब है। इससे पहले टीम ने 1990 और 2014 में यह ट्रॉफी जीती थी। ब्राजीलियाई विंगर डेविड नेरेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों गोल दागे। उन्होंने पहले हाफ में दूर से बेहतरीन कर्लिंग शॉट लगाकर नेपोली को बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में बोलोन्या के गोलकीपर फ़ेडेरिको रावाग्लिया की कमजोर पास को इंटरसेप्ट कर नेरेस ने दूसरा गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। नेरेस ने इस टूर्नामेंट में कुल तीन गोल किए। इससे पहले उन्होंने एसी मिलान के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में भी 2-0 की जीत के दौरान एक गोल किया था।

बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए मर्फी और रिचर्डसन टीम में शामिल, नाथन लियोन की होगी सर्जरी

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया को बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले बड़ा झटका लगा है। अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन चोट के कारण चौथे एशेज टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह 25 वर्षीय ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी को 15 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। वहीं तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन भी चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी की दहलीज पर हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि 38 वर्षीय नाथन लियोन को एडिलेड टेस्ट के आखिरी दिन फील्डिंग के दौरान दाहिनी हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट लगी थी। विशेषज्ञ से परामर्श के बाद उनके सर्जरी कराने का फैसला लिया गया है, जिसके चलते वह लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। लियोन के विकल्प के तौर पर टॉड मर्फी को मैथ्यू कूनमैन, कोरी रोचिचियोली और अनुभवी लेग स्पिनर मिचेल स्वीपसन पर तरजीह दी गई है। मर्फी अब तक खेले गए सात टेस्ट में 22 विकेट ले चुके हैं, सभी टेस्ट विदेश में रहे हैं। इसके अलावा मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर शील्ड क्रिकेट में उनके आंकड़े भी प्रभावशाली रहे हैं। अगर मर्फी एमसीजी टेस्ट खेलते हैं, तो यह 14 साल में पहला मौका होगा, जब ऑस्ट्रेलिया घरेलू टेस्ट में नाथन लियोन के अलावा किसी अकेले विशेषज्ञ स्पिनर को उतारेगा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट के चलते चौथा टेस्ट नहीं खेलेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि यह फैसला उनके ल्लवर्कलोड मैनेजमेंट प्लानङ्क के तहत लिया गया है। उनकी अनुपस्थिति में स्टीव स्मिथ एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे। कमिंस के बाहर होने से तेज गेंदबाजी आक्रमण में एक स्थान खाली हुआ है, जिसके लिए ब्रेंडन डॉगेट, माइकल नेसर और झाय रिचर्डसन के बीच मुकाबला है। रिचर्डसन हाल ही में कंधे की सर्जरी से लौटे हैं और उनका टेस्ट में खेलना तय नहीं माना जा रहा। बल्लेबाजी में भी टीम चयन को लेकर मंथन जारी है। उस्मान ख्वाजा ने तीसरे टेस्ट में 82 और 40 रनों की पारियां खेलकर वापसी को मजबूत किया है, जबकि जोश इंग्लिस नंबर 7 पर अभी तक खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। एमसीजी के क्यूरेटर मैट पेज ने संकेत दिए हैं कि इस बार पिच पर स्पिन गेंदबाजों को भी मदद मिल सकती है, जैसा कि हाल ही में शील्ड मैच और भारत के खिलाफ टेस्ट में देखने को मिला था।

बेल्जियम के डिफेंडर वैन डोरेन ने कहा, भारत 2026 हॉकी विश्व कप का प्रबल दावेदार

एजेंसी

नयी दिल्ली। बेल्जियम के डिफेंडर आर्थर वैन डोरेन का मानना है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है जिससे वह अगले साल होने वाले पुरुष हॉकी विश्व कप में खिताब का प्रबल दावेदार बन गया है। भारत ने पिछले दो ओलंपिक खेलों में कांस्य जीता था और वैन डोरेन का मानना है कि भारतीय टीम को किसी भी दृष्टिकोण से कम करके नहीं आंका जा सकता है। वैन डोरेन ने पीटीआई वीडियो से कहा, ''भारत को बड़े दावेदारों के रूप में न मानना असंभव है। भारतीय टीम ने लंबे समय से अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। वह पिछले दो ओलंपिक खेलों की पदक विजेता है। इसलिए विश्व कप की बात करते समय भारत को नजरअंदाज करना अब उचित नहीं होगा। लगभग 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके बेल्जियम के इस दिग्गज खिलाड़ी ने भारतीय टीम के शानदार संतुलन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''उनके पास लगभग हर विभाग में अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके पास एक अच्छा कोच है, अनुभवी खिलाड़ी हैं और उसके युवा खिलाड़ी भी प्रतिभावान हैं। भारतीय टीम आज जिस मजबूत स्थिति में हैं वह महज संयोग नहीं है। इसके लिए उन्होंने लंबे समय से काम किया जिसके परिणाम अब मिल रहे हैं। वैन डोरेन ने इसके साथ ही कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को काम करके नहीं आंका जा सकता है और खिताब की दौड़ बेहद कड़ी होने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''भारत और बेल्जियम जैसी टीमों के लिए चुनौती आसान नहीं होगी क्योंकि पांच, छह या सात और टीमें हैं जो हमारी तरह ही आत्मविश्वास से भरी हैं। यही इस समय अंतरराष्ट्रीय हॉकी की खूबसूरती है। शीर्ष पर मुकाबला बेहद कड़ा है। वैन डोरेन ने भारतीय खिलाड़ियों विशेषकर युवा पीढ़ी के उभरते खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता की भी जमकर प्रशंसा की।

न्यूजीलैंड एफटीए के तहत भारतीय वस्तुओं के जीआई पंजीकरण के लिए कानून में संशोधन करेगा

एजेंसी

नयी दिल्ली। न्यूजीलैंड ने भारत के साथ अपने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत एक बाध्यकारी प्रतिबद्धता जताई है। इसके तहत वह समझौते के लागू होने के 18 महीनों के भीतर अपने कानून में संशोधन करेगा ताकि वहां वाइन और स्पिरिट के अलावा भारतीय वस्तुओं के भौगोलिक संकेतक (जीआई) पंजीकरण को सुगम बनाया जा सके। न्यूजीलैंड का वर्तमान जीआई कानून केवल भारत की वाइन और स्पिरिट के पंजीकरण की अनुमति देता है। जीआई, एक प्रकार का बौद्धिक संपदा अधिकार है। यह मुख्य रूप से एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न कृषि, प्राकृतिक या विनिर्मित उत्पाद (हस्तशिल्प और औद्योगिक वस्तुएं) को दर्शाता है। आमतौर पर, जीआई दर्जे वाला उत्पाद गुणवत्ता और विशिष्टता को दर्शाता है, जो मूल रूप से इसके उत्पत्ति स्थान से संबंधित होता है। एक बार किसी उत्पाद को जीआई का दर्जा मिल जाने के बाद, कोई भी व्यक्ति या कंपनी उस नाम से समान वस्तु नहीं बेच सकती। इसके अन्य लाभों में उस वस्तु को कानूनी संरक्षण, दूसरों द्वारा अनधिकृत उपयोग की रोकथाम और निर्यात को बढ़ावा देना शामिल है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारत की वाइन, स्पिरिट और 'अन्य वस्तुओं' के पंजीकरण को सुगम बनाने के लिए कानून में संशोधन सहित सभी आवश्यक कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई गई है। यह लाभ न्यूजीलैंड ने यूरोपीय संघ (ईयू) को दिया है। मंत्रालय ने कहा, समझौते के लागू होने के 18 महीने के भीतर यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। दोनों देशों ने सोमवार को मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता के समापन की घोषणा की। समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद इसे लागू किए जाने की संभावना है और इस प्रक्रिया में लगभग सात से आठ महीने लग सकते हैं।

भारत, न्यूजीलैंड के बीच एफटीए निर्यात में विविधता लाने, निवेश आकर्षित करने में सहायक होगा: विशेषज्ञ

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) निर्यात में विविधता लाने और कृषि जैसे क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने में मदद करेगा। विशेषज्ञों ने यह बात कही। समझौते पर बातचीत संपन्न होने की घोषणा 22 दिसंबर को की गई। इस पर अगले साल हस्ताक्षर होने के बाद इसके लागू होने की संभावना है। भारत और न्यूजीलैंड ने सोमवार को कहा कि उन्होंने एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी कर ली है जिससे भारत को द्वीप राष्ट्र के बाजारों में बिना किसी शुल्क के प्रवेश मिलेगा। साथ ही अगले 15 वर्ष में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आएगा और अगले पांच वर्ष में वस्तुओं तथा सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। फ़ेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स (फियो) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लागू होने पर भारत के 100 प्रतिशत निर्यात पर शून्य शुल्क की सुविधा प्रदान करेगा। इसमें सभी प्रकार के उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, '' इससे न्यूजीलैंड के बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और रोजगार सृजन करने वाले क्षेत्रों को खासा बढ़ावा मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञ और हाई-टेक गियर्स के चेयरमैन दीप कपूरिया ने कहा कि न्यूजीलैंड द्वारा विशेष रूप से दुग्ध, कृषि और बुनियादी ढांचे में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता से भारत के कृषि क्षेत्र की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा, '' कीवी, सेब और दुग्ध जैसे उच्च मूल्य वाले कृषि उत्पादों में न्यूजीलैंड की विशेषज्ञता और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत सहयोग करने की उनकी प्रतिबद्धता भारतीय कृषि के लिए एक सकारात्मक बदलाव लाएगी। न्यूजीलैंड भारत के लिए सेवाओं के निर्यात का एक बड़ा संभावित बाजार भी है। यह समझौता भारत के पहले से ही फलते-फूलते सेवा क्षेत्र के निर्यात को और बढ़ावा देगा। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने कहा कि केवल एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) से भारत-न्यूजीलैंड के आर्थिक संबंधों की पूरी क्षमता का लाभ मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि व्यापार की मात्रा अब भी मामूली है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, '' न्यूजीलैंड वर्तमान में लागू 'एमएफएन' शुल्क पर भी भारत को दुग्ध तथा उत्पादों का निर्यात बढ़ा सकता है जबकि भारत न्यूजीलैंड को दवा, वस्त्र तथा आईटी सेवाओं का निर्यात बढ़ा सकता है।

जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है: राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि सामुदायिक भागीदारी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है और लोगों को अपने आसपास होने वाली घटनाओं से बेपरवाह नहीं बने रहना चाहिए क्योंकि जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है।

खुफिया ब्यूरो (आईबी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुर्मू ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया ने सूचना और संचार की दुनिया को बदल दिया है तथा इसमें सृजन और विनाश दोनों की क्षमता है। मुर्मू ने कहा, ''लोगों को गलत सूचनाओं से बचाना एक बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस कार्य को निरंतर और अत्यंत प्रभावी ढंग से किया जाना

चाहिए। राष्ट्रीय हित में तथ्यों पर आधारित जानकारी को लगातार प्रस्तुत करने वाले सक्रिय सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें जागरूक नागरिकों ने सुरक्षा संकटों को टालने में पेशेवर बलों की मदद की है।

राष्ट्रपति ने कहा, ''लोगों को अपने आसपास घटित होने वाली घटनाओं से बेपरवाह नहीं बने रहना चाहिए। उन्हें अपने परिवेश और उससे परे के क्षेत्रों की सुरक्षा में सचेत और सक्रिय भागीदार बनना चाहिए। जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है। मुर्मू ने कहा कि स्वतंत्रता-पूर्व काल से चले आ रहे विरासत के बोझ के कारण, कुछ लोग आम तौर पर सरकारी कर्मचारियों और विशेष रूप से पुलिस बलों के प्रति दूरी की भावना महसूस कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''विकसित समाजों और देशों में, लोग आम तौर पर पुलिसकर्मियों को एक मित्रवत व्यक्ति के रूप में देखते हैं जिन पर मदद के लिए भरोसा किया जा सकता है। हमारी नागरिक पुलिस और आंतरिक सुरक्षा एजेंसियों को जनता की सेवा की भावना के साथ काम करना होगा। राष्ट्रपति ने 'जन-केंद्रित राष्ट्रीय सुरक्षा : विकसित भारत के निर्माण में सामुदायिक भागीदारी' विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और आईबी प्रमुख तपन कुमार डेका सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। देश द्वारा जन भागीदारी के माध्यम से मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ एक प्रभावी अभियान शुरू किए जाने का जिक्र करते हुए मुर्मू ने कहा कि कट्टरवाद की समस्या से निपटने के लिए भी इसी तरह के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे जटिल चुनौतियां गैर-पारंपरिक और डिजिटल प्रकृति की हैं। राष्ट्रपति ने कहा, ''इनमें से अधिकतर समस्याएं अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों से उत्पन्न होती हैं। इस संदर्भ में, तकनीकी रूप से सक्षम समुदायों को विकसित करने की आवश्यकता है। डिजिटल धोखाधड़ी की बढ़ती समस्या के लिए घरेलू, संस्थागत और सामुदायिक स्तर पर सतर्कता आवश्यक है।

सड़क परियोजनाओं की डीपीआर के लिए मार्गदर्शिका का विमोचन किया राजनाथ ने

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सड़क परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में होने वाली देरी की समस्या के समाधान के लिए मंगलवार को यहां एक मार्गदर्शिका का विमोचन किया। यह मार्गदर्शिका देश के दूर-दराज और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में राजमार्गों एवं सामरिक सड़कों के निर्माण तथा रखरखाव का दायित्व निभाने वाले

सीमा सड़क संगठन ने तैयार की है। डीपीआर एक व्यापक दस्तावेज होता है जिसमें परियोजना के अभियांत्रिकी डिजाइन, निर्माण पद्धति, क्रियान्वयन रणनीति, गुणवत्ता नियंत्रण तथा लागत विश्लेषण शामिल होते हैं।

सड़क संगठन ने यह मार्गदर्शिका डीपीआर तैयार करने के लिए विनिर्देशों, मानकों, दिशानिर्देशों एवं प्रक्रियाओं को समाहित करते हुए एक संक्षिप्त, व्यापक एवं एकरूप संदर्भ प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की है। यह मार्गदर्शिका नई सड़क परियोजनाओं के निर्माण अथवा मौजूदा सड़क अवसंरचना के उन्नयन, दोनों ही स्थितियों में परियोजना की परिकल्पना के प्रत्येक चरण में अभियंताओं की सहायता करेगी।

इस मार्गदर्शिका का उद्देश्य अपर्याप्त रूप से तैयार डीपीआर के कारण होने वाली समय एवं लागत में वृद्धि की समस्याओं को दूर करना है। इससे रिपोर्टों की गुणवत्ता और एकरूपता में उल्लेखनीय सुधार होने की अपेक्षा है, जिससे परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा। साथ ही, सुनियोजित योजना, तकनीकी सटीकता, गुणवत्ता आश्वासन एवं लागत-प्रभावशीलता के माध्यम से सीमा क्षेत्रों में रणनीतिक संपर्कता और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर, महानिदेशक सीमा सड़क लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन तथा अन्य वरिष्ठ नागरिक एवं सैन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अधिवक्ताओं ने दिया डॉ. यादव को भरपूर आशीर्वाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कानपुर देहात/सिकंदरा। बार काउंसिल उत्तर प्रदेश सदस्य पद के प्रत्याशी डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव (क्रम संख्या 325) ने मंगलवार को जनपद कानपुर देहात की तहसील पुखरायां, सिविल कोर्ट सिकंदरा और जनपद औरैया में अधिवक्ता बंधुओं से व्यापक जनसंपर्क किया।

इस दौरान उन्होंने अधिवक्ताओं से अपने पक्ष में अमूल्य मत एवं आशीर्वाद देने का विनम्र आग्रह किया, जिस पर अधिवक्ता बंधुओं ने उन्हें भरपूर समर्थन दिया। पुखरायां क्षेत्र के वरिष्ठ एवं सम्मानित अधिवक्ता तथा गणमान्य जन भी उपस्थित रहे। प्रमुख उपस्थितियों में यशवंत सिंह, तहसील बड़ोसन अध्यक्ष रामजन्म सिंह, महामंत्री शेख सलीमुद्दीन, नरेंद्र पाल सिंह 'मनु', संपत लाल यादव, सज्जाद, रामअचल यादव, रामनाथ, अमर सिंह पाल, जय राम सिंह, एडवोकेट शिव प्रकाश समेत कई वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल थे। डॉ. यादव ने उपस्थित अधिवक्ताओं को संबोधित

करते हुए कहा कि यदि उन्हें बार काउंसिल उत्तर प्रदेश का सदस्य चुना जाता है, तो अधिवक्ताओं को मार्कशीट सत्यापन और COP (Certificate of Practice) से जुड़ी समस्याओं से मुक्ति दिलाई जाएगी और यह पूरी प्रक्रिया निशुल्क कराई जाएगी।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि अधिवक्ताओं के लिए निशुल्क चिकित्सा सुविधाएं, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट का क्रियान्वयन, ऑल इंडिया बार काउंसिल परीक्षा को निशुल्क कराना, अधिवक्ताओं के टोल शुल्क समाप्त करना, युवा, वरिष्ठ एवं महिला अधिवक्ताओं के लिए आरक्षण, बार काउंसिल उत्तर प्रदेश की कार्यकारिणी में प्रतिनिधित्व, अधिवक्ताओं के लिए पेंशन व्यवस्था लागू करना तथा प्रत्येक बार में आधुनिक और उत्कृष्ट पुस्तकालय की स्थापना सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अधिवक्ताओं ने डॉ. यादव की घोषणाओं का स्वागत किया और आगामी चुनाव में उन्हें पूर्ण समर्थन एवं आशीर्वाद देने का भरोसा दिलाया।

पीएम मोदी से मिले ओलंपियन नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी

एजेंसी

नयी दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने उनके आवास पर हुई इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में फोटो साझा करते हुए यह जानकारी दी।

श्री मोदी ने कहा , '' आज सुबह 7 लोक कल्याण मार्ग पर नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर से मुलाकात हुई। हमने खेलों के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर बातचीत की। ''

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के शुरू में श्री मोदी ने फिटनेस को बढावा देने के नीरज चोपड़ा के प्रयासों की सोशल मीडिया पर काफी सराहना की थी। फिट इंडिया योजना के महत्व पर नीरज चोपड़ा के लेख पर प्रतिक्रिया करते हुए श्री मोदी ने कहा था कि यह दूरदर्शी और प्रेरक लेख मोटापे से

लड़ने और स्वस्थ रहने की जरूरत पर बल देता है। नीरज चोपड़ा ट्रैक और फील्ड एथलीट प्रतिस्पर्धा में भाला फेंकने वाले खिलाड़ी हैं। नीरज ने 87.58 मीटर भाला फेंककर टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा है। अभिनव बिंद्रा के बाद किसी विश्व चैम्पियनशिप स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाले वह दूसरे भारतीय हैं। हालांकि नीरज चोपड़ा के लिए साल 2025 काफी उतार-चढाव वाला रहा। उन्होंने दोहा में खेले गए डायमंड लीग में भाला फेंक में 90 मीटर की दूरी हासिल की थी. हालांकि, इसी साल टोक्यो में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में वो मेडल जीतने में नाकाम रहे थे।

अरावली मुद्दे पर पर्यावरण मंत्री का स्पष्टीकरण संदेहास्पद और अस्पष्ट : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि अरावली को लेकर केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने जो स्पष्टीकरण दिया है उससे कई और सवाल खड़े होते हैं तथा पूरे मुद्दे को गहरे संदेह में ले जाते हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि अरावली मुद्दे पर पर्यावरण मंत्री का स्पष्टीकरण अस्पष्ट है और इसमें जो आंकड़े दिए गए हैं वह भ्रामक है और उससे कई सवाल और संदेह पैदा होते हैं।

उन्होंने कहा ''केंद्रीय मंत्री के अनुसार अरावली के 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में से फिलहाल केवल 0.19 प्रतिशत हिस्सा ही खनन पट्टों के अंतर्गत है लेकिन यह भी लगभग 68,000 एकड़ है जो अपने आप में एक बहुत बड़ा क्षेत्र है। हालांकि 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर का आंकड़ा भ्रामक है। इसमें चार राज्यों के 34 अरावली ज़िलों का पूरा भौगोलिक क्षेत्र शामिल कर लिया गया है। यह एक गलत आधार है, क्योंकि सही आधार तो इन ज़िलों के भीतर वास्तव में अरावली के अंतर्गत आने वाला भूभाग होना चाहिए। यदि अरावली के वास्तविक क्षेत्र को आधार माना जाए, तो 0.19 प्रतिशत का आंकड़ा बहुत कम आकलन साबित होगा। श्री रमेश ने आरोप लगाया कि तीन चार राज्यों के 34 ज़िलों में से जिन 15 ज़िलों के लिये आंकड़े सत्यापित किए जा सकते हैं, उनमें अरावली क्षेत्र पूरे भूभाग का लगभग 33 प्रतिशत है। नयी परिभाषा के तहत इन अरावली क्षेत्रों में से कितना हिस्सा बाहर कर दिया जाएगा और खनन तथा अन्य विकास कार्यों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा-इस बारे में किसी भी तरह की स्पष्टता नहीं है। उनका कहना था कि अगर पर्यावरण मंत्री के सुझाव के अनुसार स्थानीय प्रोफाइल को आधार बनाया जाता है, तो 100 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली कई पहाड़ियाँ भी संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएँगी। संशोधित परिभाषा के बाद दिल्ली-एनसीआर में अरावली की अधिकांश पहाड़ी इलाके रियल एस्टेट विकास के लिए खोल दी जाएँगी, जिससे पर्यावरण पर दबाव और बढ़ेगा। श्री रमेश ने कहा कि खनन की अनुमति देने के उद्देश्य से सरिस्का टाइगर रिज़र्व की सीमाओं को फिर से परिभाषित करने की अगुवाई कर रहे श्री यादव इस बुनियादी चिंता को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं कि मूल रूप से आपस में जुड़े हुए पारिस्थितिकी तंत्र का विखंडन उसके पारिस्थितिकी मूल्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुँचाता है।

रक्षा तैयारियों और विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण खनिज रणनीतिक आवश्यकता: एयर मार्शल दीक्षित

एजेंसी

नयी दिल्ली। एकीकृत रक्षा स्टाफ प्रमुख, एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने महत्वपूर्ण खनिजों को रक्षा संबंधी तैयारियों और विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण से रणनीतिक रूप से जरूरी बताते हुए कहा है कि देश को इस क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करनी होगी।

एयर मार्शल दीक्षित ने मंगलवार को यहां सेंटर फॉर जॉइंट वॉरफ़ेयर स्टडीज के 'महत्वपूर्ण खनिजः भू-राजनीति, संप्रभुता और मूल्य श्रृंखला' विषय पर आयोजित उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन में कहा कि महत्वपूर्ण खनिज राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा क्षमता विकास और तकनीकी संप्रभुता के लिए रणनीतिक सहायक के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा कि जेट इंजन, मिसाइलें, सटीक गोला-बारूद, रडार, उपग्रह, बैटरी और सेमीकंडक्टर सहित आधुनिक रक्षा प्रणालियां इन खनिजों की सुनिश्चित उपलब्धता पर सहज रूप से निर्भर हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं अत्यधिक केंद्रित हैं और निर्यात नियंत्रण तथा भू-राजनीतिक दबावों के अधीन होती जा रही हैं जिससे आयात पर अत्यधिक निर्भरता सामरिक रूप से कमजोरी बन जाती है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण और संचालन संबंधी तैयारी सुरक्षित और पर्याप्त खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं से अलग नहीं हैं और यह देश के विकसित भारत 2047 और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से जुड़ी हुई हैं। एयर मार्शल दीक्षित ने कहा कि देश में महत्वपूर्ण खनिजों की पहचान, राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की स्थापना और सरकार की ओर से खनन से लेकर प्रसंस्करण, विनिर्माण और पुनर्चक्रण तक संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को बेहतर बनाने के प्रयत्न किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास भारत के नीतिगत उद्देश्यों को ठोस परिणामों में बदलने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण खनिजों के संबंध में 30 तकनीकी रिपोर्टों के संग्रह का भी अनावरण किया जिनमें आईपी (बौद्धिक संपदा) परिदृश्य का गहन अध्ययन और बाजार विश्लेषण प्रस्तुत किए गए हैं।

पेज एक का शेष

बांग्लादेश में ...

हमले कोई नई बात नहीं हैं और इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। पार्टी नेताओं का कहना है कि ऐसे मामलों को कूटनीतिक स्तर पर सुलझाया जाना चाहिए। इस बीच, बांग्लादेश में भी दीपू चंद्र दास की मौत के विरोध में शांति मार्च और मानव श्रृंखला आयोजित की जा रही है। हालांकि, वहां हिंदू समुदाय में डर और असुरक्षा का माहौल बताया जा रहा है। कई लोग खुलकर सामने आने से बच रहे हैं। घटना के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक स्तर पर भी तनाव बढ़ा है। कुछ वीजा सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद किए जाने और दोनों देशों के राजनयिकों को तलब किए जाने की चर्चाएं हैं। फिलहाल दोनों देशों की सरकारें और सुरक्षा एजेंसियां हालात पर नजर बनाए हुए हैं। दिल्ली और कोलकाता में अतिरिक्त बलों की तैनाती जारी है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि इस मामले पर कूटनीतिक स्तर पर क्या कदम उठाए जाते हैं और हालात किस दिशा में आगे बढ़ते हैं।

कोहरे और कड़ाके...

श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत। शीत दिवस की संभावना वाले जिलों की सूची 20 जिलेः प्रतापगढ़, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर।

आजम को छोड़...

कांग्रेस के किसी भी व्यक्ति को सपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना है तो उनको पुनर्जन्म लेना पड़ेगा। 403 विधानसभा क्षेत्रों में करेंगे अटल स्मृति सम्मेलन पंकज चौधरी ने कहा कि यूपी देश की राजनीति का केंद्र है। सभी को साथ लेकर चलते हुए 2027 विधानसभा चुनाव में 2017 से भी अच्छे परिणाम के लिए पार्टी एकजुटता से मिलकर काम करेगी। उन्होंने नई जिम्मेदारी के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार जताया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा 'अटल जन्म शताब्दी समारोह अभियान' के तहत 25 दिसंबर को स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती मनाएगी। 24 दिसंबर को महापुरुषों के स्मारकों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। भाजपा 25 से 31 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह के अंतर्गत सभी 403 विधानसभाओं में अटल स्मृति सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे। एसआईआर में जुटे भाजपा कार्यकर्ता चौधरी ने कहा कि 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लखनऊ में नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करेंगे। बड़ी जनसभा को भी संबोधित करेंगे। 26 को पार्टी वीर बाल दिवस मनाएगी। गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों बाबा फतेह सिंह व बाबा जोरावर सिंह की अमर गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का लक्ष्य है। एसआईआर अभियान में राजनैतिक दल के तौर पर भाजपा कार्यकर्ता मृत, विस्थापित एवं अपात्र लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने तथा सभी पात्र व्यक्तियों के नाम जुड़वाने के लिए काम कर रहे हैं।

सर्दी के मद्देनजर...

आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही इस आदेश की प्रमाणिकता जनपद की आधिकारिक वेबसाइट lucknow.nic.in पर भी देखी जा सकती है। आदेश की प्रतिलिपि जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (एनआईसी), उपनिदेशक सूचना, जिला विद्यालय निरीक्षक तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही एवं प्रचार-प्रसार के लिए भेजी गई है।

अवैध मादक पदार्थों की...

भी जागरूकता अभियान चलाया गया। उत्तर प्रदेश में मादक पदार्थों का निस्तारण एवं डिस्पोजल नियमित रूप से किया जा रहा है। एएनटीएफ के गठन के बाद 2022 से 2025 (नवंबर तक) कुल 2,67,234 किलोग्राम माल का निस्तारण किया जा चुका है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 875 करोड़ रुपये है। वर्ष 2025 में गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत अवैध संपत्ति की जब्ती का अनुमानित मूल्य 9,17,23,164.6 रुपये रहा है। इस दौरान 2 गैंगों का पंजीकरण किया गया तथा 61 हिस्ट्रीशीट खोली गई। कोडीन युक्त कफ सीरप की सप्लाई एवं बिक्री की ट्रैकिंग के लिए 2 सहायक आयुक्त (औषधि) एवं 2 औषधि निरीक्षकों की समिति गठित की गई है। वर्ष 2025 में अक्टूबर माह तक 11 प्रकरणों में 16 अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर 3.39 करोड़ रुपये मूल्य की औषधि सीज की गई है। बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केजीएमयू में लव...

मामला गत शनिवार को सामने आया था। निलंबित रेजिडेंट डॉक्टर ने अपनी शादी छिपाकर महिला साथी को प्रेम जाल में फंसाया और शादी के लिए धर्म बदलने के लिए तरह-तरह से दबाव बनाया। हिंदू महिला डॉक्टर ने जब धर्म बदलने से मना किया तो आरोपित जूनियर रेजीडेंट उसे और तंग करने लगा। इसकी प्रताड़ना से परेशान महिला रेजिडेंट ने आत्महत्या का प्रयास किया। गंभीर स्थिति में उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। पीड़िता के परिवारीजन की ओर से मुख्यमंत्री जन सुनवाई पोर्टल और राज्य महिला आयोग में भी शिकायत की है। इस महिला रेजिडेंट केजीएमयू के हास्टल में रहती है। जुलाई 2025 में उसे एमडी पैथोलाजी में दाखिला लिया था। महिला डॉक्टर के परिवार का आरोप है कि आरोपित रेजिडेंट ने उनकी बेटी को प्रेमजाल में फंसा कर शोषण किया, लेकिन जब शादी की बात आई तो रेजिडेंट ने धर्म बदलने का दबाव बनाने लगा, लेकिन उनकी बेटी ने मना कर दिया। इसी दौरान आरोपित रेजिडेंट डॉक्टर की पत्नी ने उसे पहले से ही शादीशुदा होने की जानकारी दी।

किसान जब ऊर्जा का प्रवाह...

व्यवस्था का भी उन्मूलन किया। लघु-सीमांत किसानों के साढ़े तीन एकड़ तक के भूखंड को भूराजस्व के भुगतान में छूट भी दिलाई। उर्वरकों को बिक्री कर से मुक्त कराया। काम के बदले अनाज कार्यक्रम की शुरूआत भी की। कृषि व ग्रामीण विकास योजना के लिए ऋण उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 1996 से 2017 (21-22 वर्ष) में किसानों को जितना गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं हुआ था, उससे लगभग 75 हजार करोड़ रुपये अधिक धनराशि 8 वर्ष में किसानों के खाते में डाली है। अभी हाल में ही गन्ना मूल्य का दाम बढ़ाया है। पेराई सत्र 2025-26 में अगेती गन्ना 400 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। सीएम ने कहा कि यूपी में किसान समृद्धि की तरफ अग्रसर हुआ है। किसानों ने नई तकनीक और अच्छी क्वालिटी के बीज पर ध्यान दिया तो कम लागत में अच्छा उत्पादन कर उत्तर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। योगी ने कहा कि 8 वर्ष में डबल इंजन सरकार ने भारत सरकार के सहयोग से 20 नए कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित किए हैं। यूपी में इनकी संख्या अब 89 हो गई है। 9 क्लाइमेटिक जोन में इतने कृषि विज्ञान केंद्र किसी राज्य में नहीं हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जा रहे हैं। कृषि विभाग लगातार काम कर रहा है। हमारे मंत्री (सूर्य प्रताप शाही, चौधरी लक्ष्मी नारायण, बलदेव सिंह औलख) किसान हैं और संजय निषाद मत्स्य उत्पादन के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए लखनऊ में आधुनिक तकनीक पर आधारित सीड पार्क बन रहा है। उत्तम क्वालिटी का बीज किसानों को समय पर मिल जाए और वह समय पर खेती करे तो 30 फीसदी उत्पादन बढ़ सकता है। बाराबंकी में टिश्यू कल्चर की अत्याधुनिक लैब के लिए 31 एकड़ चिह्नित किया है, जो टिश्यू कल्चर (गन्ना, केले, आलू आदि फसलों) के क्षेत्र में बड़ी भूमिका का निर्वहन करेगा। योगी ने पद्मश्री रामसरन वर्मा का जिक्र करते हुए कहा कि किसानों ने जमीन के नीचे आलू व ऊपर टमाटर पैदा किया है। हर किसान को प्रशिक्षित भी करते हैं। इस बार किसान पाठशाला उनके गांव दौलतपुर में लगाई थी। योगी ने कहा कि शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच में गन्ना किसानों ने एक-एक हजार कुंतल प्रति हेक्टेयर उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाया है। सीएम ने कृषि व गन्ना विभाग से कहा कि हर किसानों को वहां ले जाकर तकनीक से अवगत कराया जाए। किसान तब समृद्ध होगा, जब उसे तकनीक, समय पर खाद-बीज देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंसर, किडनी-लीवर और बीमारियों से बचाना है तो उसका एकमात्र साधन प्राकृतिक खेती है। मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में किए गए कार्य को गिनाया। बोले कि 16 लाख निजी ट्यूबवेल से जुड़े किसानों का ऋण माफ कर दिया है। हर वर्ष सरकार 3600 करोड़ रुपये पावर कॉरपोरेशन को देती हैं। सहकारिता के माध्यम से संचालित एलडीबी के द्वारा किसानों को साढ़े 11 प्रतिशत ब्याज दर पर लोन मिलता था, अब यह छह फीसदी पर मिलेगा। किसान के हित में सरकार सब कुछ करेगी। अब योजनाओं की स्पीड सुस्त नहीं है। अब किसानों को सुरक्षा की चिंता नहीं है। सरकार किसानों के साथ खड़ी है। चौधरी चरण सिंह की सोच के अनुरूप डबल इंजन सरकार किसानों के हितों के लिए सदा कार्य करेगी। किसान सम्मान दिवस में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, योगी सरकार के मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, धर्मपाल सिंह, डॉ. संजय निषाद, अनिल कुमार, दिनेश सिंह, कपिलदेव अग्रवाल, बलदेव सिंह औलख, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता समेत भाजपा व रालोद के कई विधायक भी मौजूद रहे।

सीएम धामी ने ताड़ीखेत में बहुद्देशीय शिविर में सुनीं जनता की समस्याएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अल्मोड़ा के ताड़ीखेत में आयोजित बहुद्देशीय शिविर में प्रतिभाग किया और मुख्य सेवक के रूप में जनता की समस्याओं को सुना।

प्रशासन गाँव की ओर अभियान के अंतर्गत विकासखंड ताड़ीखेत की जैनोली न्याय पंचायत में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में श्री धामी ने जनता से सीधे संवाद स्थापित करते हुए कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सेवाएं आमजन को उनके द्वार पर उपलब्ध हों ताकि उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से दौड़-भाग न करनी पड़े। अधिकारी स्वयं गांव में आकर जनता के कार्य करेंगे और उनकी परेशानियों का समाधान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के सभी विभाग एक ही मंच पर जनता के द्वार पर उपस्थित हैं और आमजन को इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। यह कार्यक्रम विशेष रूप से जनता की सुविधा के लिए आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर के दौरान

पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज जैनोली के जर्जर भवन को लेकर प्राप्त शिकायत पर मुख्यमंत्री ने विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। श्री धामी ने कहा कि प्रशासन गाँव की ओर अभियान शासन और जनता के बीच संवाद, विश्वास और सहभागिता को सशक्त करने की दिशा में एक प्रभावी पहल है, जिससे जनसमस्याओं का समाधान त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी रूप से किया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री रानीखेत में सुबह की सैर पर निकले और आम लोगों के साथ ही पर्यटकों से मुलाकात की। उन्होंने स्थानीय नागरिकों के साथ चाय पर संवाद स्थापित कर 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान को लेकर उसकी जानकारी ली।

पटियाला में स्कूलों-कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटियाला। असामाजिक तत्वों ने पंजाब के अमृतसर और जालंधर के बाद अब पटियाला में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी है। यह धमकी ई-मेल के जरिए भेजी गयी है, जिसमें साफ तौर पर दोपहर एक बजे से रात नौ बजे के बीच बम विस्फोट किये जाने की बात कही गयी है। धमकी भरा यह मेल अलग-अलग शिक्षण संस्थानों को भेजा गया, जिसके बाद प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड पर आ गयीं। धमकी भरा ई-मेल भेजने वाले ने खुद को खालिस्तानी समर्थक संगठन से जुड़ा बताया है। इस मेल में पटियाला के स्कूलों और कॉलेजों के साथ-साथ रेलवे स्टेशन को भी निशाना बनाने की बात लिखी गई है। जैसे ही यह जानकारी सामने आई, जिला प्रशासन ने पुलिस और बम निरोधक दस्तों को मौके पर भेज दिया। पुलिस ने संबंधित स्कूलों, कॉलेजों और रेलवे स्टेशन परिसरों में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और सुरक्षा बलों की टीमों ने सभी संदिग्ध जगहों की जांच की। एहतियात के तौर पर कुछ शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी गयी है, जबकि अन्य जगहों पर छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित स्थानों पर रहने के निर्देश दिये गये हैं। पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वरुण शर्मा ने कहा कि स्कूलों के जरिये उन्हें सूचना मिली है, इसके बाद सुरक्षा के प्रबंध बढ़ा दिये गये हैं। इसके अलावा रेलवे स्टेशन पर भी चेकिंग बढ़ा दी गयी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी भी संदिग्ध वस्तु की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन धमकी को गंभीरता से लिया जा रहा है। साइबर सेल ई-मेल की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि धमकी किसने और कहां से भेजी। साथ ही सुरक्षा एजेंसियां यह भी जांच कर रही हैं कि कहीं इसके पीछे किसी संगठित साजिश का हाथ तो नहीं है। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, लेकिन किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को जानकारी दें, फिलहाल पूरे पटियाला में सुरक्षा बढ़ा दी गयी है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अमृतसर और जालंधर के स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल आये थे, जिसके बाद स्कूलों की छुट्टी कर दी गयी थी। जांच में कुछ पता नहीं चला कि धमकी किसकी तरफ से दी गयी है। जालंधर में 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप मच गया था। इन स्कूलों के प्रिंसिपल को धमकी भरी मेल भेजी गयी। कुछ स्कूलों को वॉयस मैसेज भेजकर धमकी दी गयी। धमकी का पता चलते ही तुरंत स्कूलों में चलती क्लास को बंद कर लाइटें बुझा दी गयीं। इसके बाद अभिभावकों को वॉट्सऐप, फोन कॉल और स्कूल एप की मदद से सूचना दी गयी थी, कि वह तुरंत अपने बच्चों को ले जाये।

संक्षिप्त समाचार

'वीर बाल दिवस' नामकरण गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों की शहादत को कम करता है: खैरा

कपूरथला। कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा ने मंगलवार को दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदानों की गंभीर याद को 'वीर बाल दिवस' नाम देने पर सवाल उठाया है और कहा है कि ऐसे नामकरण साहिबजादों की अद्वितीय बहादुरी, शहादत और ऐतिहासिक महत्व को बहुत कम करता है। श्री खैरा ने कहा कि साहिबजादे सिर्फ आम अर्थों में 'बच्चे' नहीं थे, बल्कि आस्था और विवेक के दैवीय प्रेरणा वाले योद्धा थे, जिन्होंने समर्पण के बजाय शहादत को चुना और साहस, धर्म और अन्याय के खिलाफ प्रतिरोध के उच्चतम आदर्शों को बनाये रखा। साहिबजादों ने मुगल साम्राज्य के अत्याचार और उत्पीड़न के खिलाफ मजबूती से खड़े होकर मुकाबला किया। उन्होंने जोर देकर कहा, ह्ल उनके सर्वोच्च बलिदान को एक ऐसे शब्द में बदलना जो उम्र पर जोर देता है न कि वीरता और शहादत पर, सिख इतिहास और भावनाओं के साथ घोर अन्याय है। ह्ल कांग्रेस विधायक ने इस बात पर जोर दिया कि साहिबजादा बाबा अजीत सिंह, साहिबजादा बाबा जुझार सिंह, साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह और साहिबजादा बाबा फतेह सिंह की शहादत विश्व इतिहास में बलिदान की पराकाष्ठा का प्रतिनिधित्व करती है, जहां सबसे कम उम्र के लोगों ने भी आस्था और मानवीय गरिमा के लिए क्रूर अत्याचार के खिलाफ निडर होकर मुकाबला किया। श्री खैरा ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह तुरंत नामकरण पर पुनर्विचार करे और उसकी समीक्षा करे, और एक ऐसा नाम अपनाये जो सिख परंपराओं और दुनिया भर के सिख समुदाय की सामूहिक भावनाओं के अनुरूप साहिबजादों की शहादत, बहादुरी और शाश्वत विरासत को सही मायने में दर्शाता हो। उन्होंने चेतावनी दी कि साहिबजादों के बलिदानों को कम करने, तुच्छ बनाने या प्रतीकात्मक रूप से कम करने का कोई भी प्रयास स्वीकार्य नहीं होगा और इससे धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचेगी। श्री खैरा ने कहा, ह्ल साहिबजादों की विरासत को अत्यंत श्रद्धा, ऐतिहासिक सटीकता और गरिमा के साथ याद किया जाना चाहिए।

विधवा और आश्रित महिलाओं को दी 895 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता: डॉ बलजीत कौर

चंडीगढ़। पंजाब के सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने सोमवार को बताया कि राज्य सरकार ने विधवा और आश्रित महिलाओं को अब तक 895 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की है। डॉ बलजीत कौर ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अब तक राज्य की छह लाख 75 हजार 857 पात्र लाभार्थी महिलाओं को यह वित्तीय सहायता नियमित रूप से प्रदान की जा रही है, जिससे लाखों परिवारों को आर्थिक सहारा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल वित्तीय सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि विधवा और आश्रित महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा, आत्मसम्मान और आर्थिक मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक सशक्त कदम है, ताकि वे अपने और अपने परिवारों के भविष्य को सुरक्षित कर सकें। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विधवा और आश्रित महिलाओं को वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा इस मद के अंतर्गत 1170 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, जिसका लाभ पारदर्शी और सरल प्रक्रिया के माध्यम से पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है।

विधायक ने खंभे पर चढ़कर खुद काटी विद्युत विभाग के कर्मियों की बिजली

हरिद्वार। ग्रामीण इलाकों में लगातार हो रही बिजली कटौती से नाराज झबरेड़ा विधायक से कांग्रेस विधायक वीरेंद्र जाती ने बिजली विभाग के अधिकारियों के परिसरों की बिजली लाइन खुद खंभे पर चढ़कर काट दी। इस दौरान विधायक लाइनमैन के रूप में पीछे प्लास लगाए नजर आए। बताया गया कि देहात क्षेत्रों में सुबह-सुबह बार-बार बिजली कटौती होने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इसे लेकर विधायक वीरेंद्र जाती ने पूर्व में बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता से वार्ता कर व्यवस्था सुधारने के लिए तीन दिन का समय दिया था। तय समय सीमा पूरी होने के बावजूद भी बिजली आपूर्ति में कोई सुधार नहीं हुआ। समय सीमा समाप्त होने के बाद विधायक ने विरोध स्वरूप यह कदम उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की बिजली लाइन भी काटी जाएगी।

पंजाब सीमा पर बारह किलो हेरोइन बरामद

जालंधर। एक बड़ी कामयाबी में,नारकोटिक्स विरोधी कार्य बल पंजाब (बॉर्डर रेंज) ने सीमा सुरक्षा बल के साथ मिलकर, ड्रोन मूवमेंट की सूचना के बाद, गांव डल्लेके, थाना लोपोके के पास लगभग साठ करोड़ रुपए की 12.050 किलोग्राम वज़न की संदिग्ध हेरोइन बरामद की। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को कहा कि इस संबंध में एक केस दर्ज किया जा रहा है, और टेक्निकल सबूतों और ह्यूमन इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके आगे-पीछे के लिंक का पता लगाने के लिए शुरुआती जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ड्रोन से होने वाली नार्को-स्मगलिंग का मुकाबला करने और बॉर्डर बेल्ट पर ड्रग नेटवर्क को खत्म करने के अपने इरादे पर कायम है।

क्रिसमस के अवसर पर चंडीगढ़ में भव्य नगर शोभा यात्रा का आयोजन

चंडीगढ़। क्रिसमस के उपलक्ष्य में ट्राईसिटी चर्चस एसोसिएशन की ओर से शहर में भव्य नगर शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभा यात्रा रोमन कैथोलिक चर्च, चंडीगढ़-शिमला के बिशप सहाया टी. थॉमस तथा फादर प्रेमानंद की अगुवाई में निकाली गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्राईसिटी चर्च एसोसिएशन के अध्यक्ष लॉरेंस मलिक ने की। शोभा यात्रा सेक्टर-18 स्थित सीएनआई चर्च से आरंभ होकर सेक्टर 19/27, सेक्टर 20/30 लाइट प्वाइंट, सेक्टर 20 व 21 की मार्केट, अरोमा लाइट प्वाइंट होते हुए सेक्टर 22/23, सेक्टर 24 की मार्केट से गुजरती हुई सेक्टर-25 स्थित रैली ग्राउंड में संपन्न हुई। विभिन्न सेक्टरों के निवासियों ने यात्रा का गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण स्वागत किया। शोभा यात्रा में आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। चंडीगढ़, मोहाली और पंचकुला के विभिन्न चर्चों द्वारा यीशु मसीह के जन्म और उनके संदेशों को दर्शाती झांकियां प्रस्तुत की गयीं। बच्चों ने शांति और प्रेम का संदेश देते हुए कैरोल गाये तथा लोगों को टॉफियां वितरित कीं। इस अवसर पर ट्राईसिटी चर्चिस एसोसिएशन के अध्यक्ष लॉरेंस मलिक ने सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह शोभा यात्रा प्रेम, भाईचारे और शांति का प्रतीक है। उन्होंने यीशु मसीह के जीवन और बलिदान पर प्रकाश डालते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

अमेरिकी दूतावास ने विदेशियों की जान बचाने के लिए एसडीआरएफ उत्तराखंड को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। दुर्गम इलाकों और विपरीत परिस्थितियों में साहसिक, त्वरित व रेस्क्यू अभियानों के लिए अमेरिकी दूतावास ने

उत्तराखंड पुलिस की राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जॉलीग्रांट मुख्यालय में अमेरिकी दूतावास की ओर से उनके प्रतिनिधि ने एसडीआरएफ के समन्वय सेनानायक अर्पण यदुवंशी को यह सम्मान सौंपा। राज्य की एसडीआरएफ को यह सम्मान उत्तराखंड में पर्यटन के दौरान कठिन एवं विषम परिस्थितियों में फंसे अमेरिकी पर्यटकों सहित अन्य विदेशी नागरिकों के संरक्षित व सफल रेस्क्यू अभियानों के लिए दिया गया है। चमोली जनपद के माउंट चौखंबा में फंसी दो विदेशी महिला टेकरों, बद्रीनाथ क्षेत्रान्तर्गत वसुधारा में फंसे विदेशी टेकर व गंगोत्री जैसे दुर्गम एवं उच्च हिमालयी क्षेत्रों में संचालित रेस्क्यू ऑपरेशनों के प्रभावी संचालन के लिए दिया

गया। सम्मान ग्रहण करने के बाद एसडीआरएफ के समन्वय सेनानायक अर्पण यदुवंशी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह सम्मान पुलिस के समस्त जांबाज कार्मिकों की निष्ठा, परिश्रम, समर्पण एवं सेवा भावना का प्रतीक है, जो हर परिस्थिति में ''सेवा, सुरक्षा और समर्पण'' के संकल्प के साथ जनसेवा में निरंतर तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि भौगोलिक रूप से संवेदनशील उत्तराखंड राज्य में पर्वतीय क्षेत्रों, ग्लेशियरों, नदियों एवं ट्रेकिंग रूट्स पर फंसे देश-विदेश के पर्यटकों के लिए त्वरित निर्णय क्षमता, सटीक रणनीति एवं संसाधनों के कुशल उपयोग के माध्यम से अनेक जीवन रक्षक कार्य किए गए हैं।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या के विरोध में पंजाबी हिंदू समूह ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

फगवाडा। पंजाबी हिंदू समूह ने बंगलादेश में धार्मिक घृणा के कारण एक हिंदू युवक की हत्या की निंदा करते हुए पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। यह निर्णय समूह के अध्यक्ष महंत रविकांत मुनि की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित समूह की राज्य स्तरीय बैठक में लिया गया। बैठक के दौरान, सदस्यों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे भयावह, अमानवीय और मानवता की अंतरात्मा पर कलंक बताया। वक्ताओं ने कहा कि इस हत्या ने विश्वभर के हिंदुओं में गहरी पीड़ा और आक्रोश पैदा किया है और यह धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में घोर विफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं ऐतिहासिक धार्मिक उत्पीड़न की याद दिलाती हैं और इसकी तुलना गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों की शहादत से की, जिन्होंने सदियों पहले असाधारण साहस के साथ अत्याचार का सामना किया था। सभा को संबोधित करते हुए राज्य निकाय के सदस्य और जालंधर जोन प्रभारी रमन नेहरा ने कहा कि इस तरह की घटनाओं के लिए एकजुट वैश्विक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पंजाबी हिंदू समूह इस हत्या की स्पष्ट रूप से निंदा करता है और मानता है कि इस तरह के अत्याचारों के सामने चुप्पी साधने से केवल और हिंसा को बढ़ावा मिलता है।

अमलोह के राज्य निकाय सदस्य पंडित गुरुदत्त शास्त्री ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने के लिए पुलिस थानों के स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया। लुधियाना जिला सह-समन्वयक पवन भारद्वाज ने पंजाब सरकार और केंद्र सरकार दोनों की ओर से उचित प्रतिक्रिया न मिलने पर चिंता व्यक्त की और उनसे इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाने का आग्रह किया।

क्यूआर कोड से ठगी करने वाला शातिर साइबर ठग गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने क्यूआर कोड से छेड़छाड़ कर ठगी करने वाले एक शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने दुकानों पर लगे असली क्यूआर कोड में हेरफ़ेर कर ग्राहकों से होने वाले डिजिटल भुगतान को अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करवा लिया था। पुलिस ने आरोपित के पास से मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें 100 से अधिक एडिट किए गए क्यूआर कोड, चैट, स्क्रीनशॉट और वित्तीय रिकॉर्ड मिले हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि 13 दिसंबर को शिकायतकर्ता चांदनी चौक स्थित एक नामी गारमेंट शॉप में 2.50 लाख रुपये की लहंगा खरीदने पहुंची थी। खरीदारी के दौरान उसने दुकान पर लगे क्यआर कोड को स्कैन कर दो किस्तों में 90 हजार और 50 हजार रुपये, कुल 1.40 लाख रुपये का डिजिटल भुगतान किया। कुछ देर बाद दुकान प्रबंधन ने शिकायतकर्ता को बताया कि उनके खाते में यह रकम जमा नहीं हुई है। भुगतान के स्क्रीनशॉट दिखाने के बावजूद दुकान को पैसा न मिलने पर शिकायतकर्ता को ठगी का अहसास हुआ और उसने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर साइबर थाने मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने दुकान पर जाकर बिलिंग सिस्टम, डिजिटल पेमेंट प्रक्रिया, बैंक रिकॉर्ड और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए। साथ ही यूपीआई ट्रांजैक्शन की तकनीकी जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता द्वारा किया गया भुगतान किसी अन्य बैंक खाते में चला गया है।

भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार पटना पहुंचे नितिन नबीन, रोड शो में उमड़े पार्टी कार्यकर्ता व नेता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक नितिन नबीन के मंगलवार को पटना पहुंचने पर भव्य रोड शो आयोजित किया गया। पटना हवाई अड्डे के पास अरण्य भवन से शुरू हुआ यह रोड शो बीरचंद पटेल मार्ग पर राज्य भाजपा कार्यालय के पास मिलर हाई स्कूल मैदान में पूरा हुआ। रोड शो के दौरान करीब छह किमी लम्बा जाम लग गया। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन आज पहली बार पटना पहुंचे तो उनके स्वागत में भाजपा कार्यकर्ता उमड़ पड़े। इसकी वजह से शहर के अधिकांश रोड जाम हो गए। विशेषकर पटना एयरपोर्ट के आसपास की सड़कों पर करीब 06 किलोमीटर का लंबा जाम लग गया। नितिन नवीन का स्वागत करने एयरपोर्ट जा रहे उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मंत्री दिलीप जायसवाल, मंगल पांडेय सहित ऋतुराज सिन्हा, संजीव चौरसिया आदि बीच सड़क पर अपने वाहन से उतर गए और वहां से पैदल एयरपोर्ट पहुंचे । हवाई अड्डे पर भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने मखाना की माला पहना कर नितिन नवीन का स्वागत किया। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शॉल और पुष्प गुच्छ भेंटकर नितिन उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। 45 वर्ष की आयु में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने वाले नितिन नबीन के लिए पटना एयरपोर्ट से लेकर मिलर हाई स्कूल मैदान और भाजपा प्रदेश कार्यालय तक निकलने वाला विशाल रोड शो संगठन की ताकत, एकजुटता का परिचायक बन गया।

रैनबसेरों में शौचालय, पेयजल सहित मूलभूत सुविधाएं रहें उपलब्ध: सविन बंसल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी ने मंगलवार को लालपुल स्थित नगर निगम के रैनबसेरा का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने रैनबसेरा में शौचालय, पेयजल सहित उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने रैनबसेरा में प्रतिदिन ठहरने वाले निराश्रित व्यक्तियों की जानकारी ली। जिलाधिकारी को बताया गया कि विगत एक सप्ताह से प्रतिदिन लगभग 15 से 19 निराश्रित लोग रैनबसेरा में रात्रि विश्राम कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने रैनबसेरा परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने और रहने वाले व्यक्तियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शहर के सभी रैनबसेरों में शौचालय, पेयजल, प्रकाश, बिस्तर सहित

अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें और साफ-सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने शीतलहर के दृष्टिगत निराश्रित एवं बेसहारा व्यक्तियों को रैनबसेरों में सुरक्षित रूप से ठहराने और शहर के चिन्हित सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शीतकाल में निराश्रितों की सुरक्षा एवं सुविधा प्रशासन की प्राथमिकता है और इस संबंध में सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम नमामी बंसल, उप जिलाधिकारी सदर हरिगिरि सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

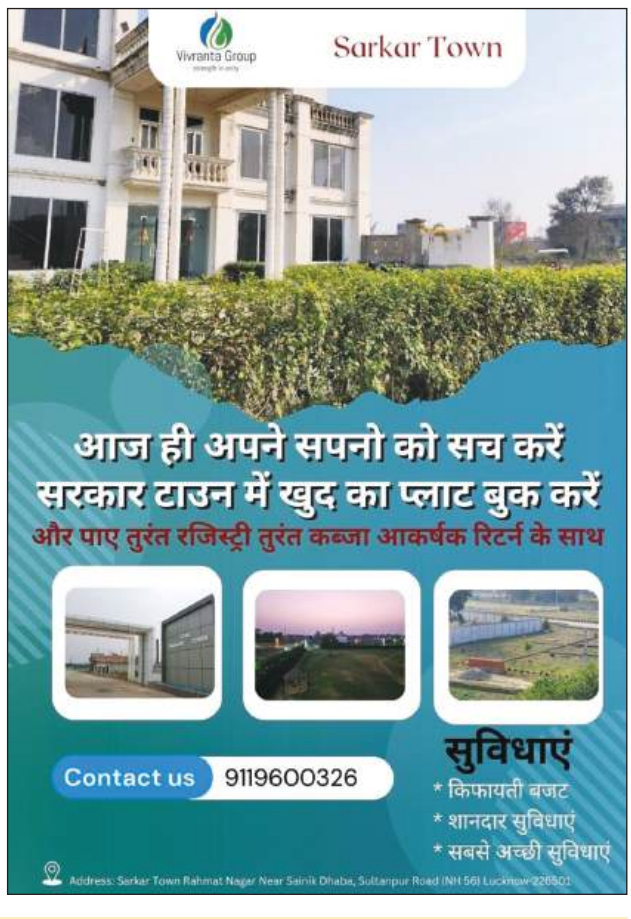

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063